@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 9 जुलाई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 239 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

26वें साल में रचा इतिहास: सी-17 ग्लोबमास्टर की कारगिल में हुई लैंडिंग, वायुसेना की नई उड़ान

रियो डी जनेरियो (एजेंसी)। नई दिल्ली/कारगिल, (ईएमएस)। भारत की सैन्य शक्ति ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। 26 साल बाद, उस कारगिल एयरस्ट्रिप पर, जहां 1999 में युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने हमला बोला था, अब भारतीय वायुसेना का सबसे भारी विमान सी-17 ग्लोबमास्टर सफलतापूर्वक उतार दिया गया है। यह लैंडिंग सिर्फ एक तकनीकी सफलता नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक तैयारियों का पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन के लिए एक स्पष्ट और साहसी संदेश भी है।

यहां बताते चलें कि फरवरी 2025 में वायुसेना ने पहली बार कारगिल एयरस्ट्रिप पर सी-17 ग्लोबमास्टर की सफल ट्रायल लैंडिंग की थी। इससे पहले जनवरी 2024 में यहां पर सी-130जे सुपर हर्क्यूलिस की नाइट लैंडिंग हो चुकी है। सी-17 की लैंडिंग से अब कारगिल में 24×7 हैवी एयरलिफ्ट ऑपरेशन की क्षमता मिल गई है।

कारगिल एयरस्ट्रिप की रणनीतिक अहमियत

एलओसी से बेहद नजदीक स्थित यह एयरस्ट्रिप अब तक सीमित ऑपरेशन के लिए ही उपयोग होती थी। यहाँ से टेकऑफ सीधा पीओके की तरफ होता है इस तरह हर उड़ान, हर लैंडिंग खतरे से खाली नहीं हैं। पहले केवल एएन-32 और सी-130जे ही ऑपरेट कर रहे थे, जिनकी पेलोड कैपेसिटी सीमित थी।

सी-17 की ताकत: क्या बदल गया?

विशेषता : सी-130जे सुपर हर्क्यूलिस सी-17 ग्लोबमास्टर

अधिकतम भार क्षमता 6-7 टन 30-35 टन (सर्दियों में)

सैनिकों की संख्या 90 180+ साजो-सामान के साथ

उड़ान रेंज 3,300 किमी 4,500 किमी (फुल लोड)

रनवे की जरूरत कम कठिन एयरस्ट्रिप पर सक्षम

अब सेना के टैंक, आर्टिलरी गन, बीएमपी वाहनों, भारी हथियार, हाई एल्टीट्यूड टेंट, राशन, ईंधन—सब कुछ कारगिल तक सी-17 से सीधे पहुंचाया जा सकेगा। इससे लॉजिस्टिक ऑपरेशन चार गुना तेजी से हो पाएंगे। विशेषज्ञों की राय में यह सिर्फ एक लैंडिंग नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक चेतावनी है। अब देश के सबसे कठिन इलाके में भी सी-17 उतार सकता है, यह भारत की एयरलिफ्ट क्षमताओं की पराकाष्ठा है।

नेपाल-चीन बॉर्डर पर भोटेकोशी नदी में बाढ़

12 नेपाली, 6 चीनी लापता; दोनों देशों को जोडऩे वाला मिटेरी ब्रिज और कई गाडिय़ां बहीं

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल-चीन बॉर्डर पर भोटेकोशी नदी में मंगलवार सुबह करीब 3 बजे अचानक बाढ़ आ गई। इसमें 18 लोग लापता हैं, जिसमें 12 नेपाली और 6 चीनी नागरिक हैं। 12 नेपालियों में 3 पुलिसकर्मी, 9 नागरिक हैं। सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। घटना चीनी सीमा पर नेपाल के रसुवा जिले में रसुवागढ़ी बॉर्डर पॉइंट की है। बाढ़ में नेपाल को चीन से जोडऩे वाला मेन पुल मिटेरी ब्रिज ढह गया। मिटेरी ब्रिज से चीन-नेपाल के बीच रोजाना लाखों रुपए का व्यापार होता था। रसुवा में कस्टम्स ऑफिस का यार्ड भी क्षतिग्रस्त हो गया। कस्टम यार्ड में खड़े कई कार्गो कंटेनर भी बह गए। सभी कंटेनर सामान से भरे हुए थे। कस्टम यार्ड के अंदर फंसे कुछ लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन सभी तरफ बाढ़ के पानी के कारण चल रहे ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है।

दिल्ली और एनसीआर में एक नवंबर 2025 से पुराने वाहनों पर फ्यूल बैन लगाने का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और एनसीआर में 1 नवंबर 2025 से पुराने वाहनों पर फ्यूल बैन लगाने का फैसला किया है। यह नियम 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों और 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों पर लागू होगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने मंगलवार को एक बैठक में फैसला लिया कि 1 नवंबर से दिल्ली और एनसीआर के कुछ जिलों में पुराने वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध लागू किया जाएगा। यह फैसला दिल्ली सरकार की समीक्षा के बाद लिया गया है। इससे पहले दिल्ली सरकार ने राजधानी में 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को ईंधन नहीं देने के फैसले को महज दो दिन में वापस ले लिया था। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर इस फैसले पर आपत्ति जताई और कहा कि दिल्ली ऐसे किसी प्रतिबंध के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने लिखा कि लोगों की भावनाएं गाड़ियों से जुड़ी होती हैं और मध्यम वर्ग अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा वाहन खरीदने में लगाता है।

गोपाल खेमका की हत्या बिल्डर ने कराई

-आरोपी अशोक साह गिरफ्तार, एक आरोपी एनकाउंटर में ढेर

पटना (एजेंसी)। बिहार के कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या बिल्डर अशोक साह ने कराई थी। दोनों के बीच कारोबार को लेकर विवाद था। हत्या के लिए अशोक साह ने शूटर उमेश को हायर किया था। उमेश ने ही गोपाल खेमका को 4 जुलाई को घर के गेट पर गोली मारी थी। पुलिस ने सोमवार को बिल्डर अशोक साह, शूटर उमेश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शूटर के पास से 3 लाख कैश बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि उदयगिरि अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 601 से अशोक साह को गिरफ्तार किया गया। इस फ्लैट में कभी कुख्यात अशोक सम्राट और बृजबिहारी का सहयोगी रत्नेश्वर साह भी रहता था। शूटर उमेश की निशानदेही पर पुलिस गन सप्लायर विकास से पूछताछ करने पटना सिटी के मालसलामी इलाके में पहुंची थी। इसी दौरान विकास ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे ढेर कर दिया। एनकाउंटर मंगलवार तडक़े 4 बजे हुआ। घटनास्थल से 1 पिस्टल, गोली और खोखा बरामद किया गया है। विकास उर्फ राजा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया गया है। उस पर पहले से कई मामले दर्ज थे। कई हत्याओं में उसका नाम सामने आ चुका था। वह शूटर भी था।

4000 लोग अचानक बॉर्डर कूदकर भारत पहुंचे, चीन अब पड़ोसी देश में कर रहा कौन सा नया खेल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से 1643 किलोमीटर लंबा बार्डर शेयर करने वाले एक देश में भयंकर जंग छिड़ गई है। इस देश में चीन ने ही जंग भड़काई है, लेकिन अब चीन पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है। इस देश में चल रही जंग में चीन के दो लड़ाकू विमान तबाह हो गए हैं। चीन की मक्कारी के चलते इस देश की आम जनता भी मारी जा रही है। अपनी जान बचाने के लिए ये लोग अब भारत में भी घुस गए हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पड़ोसी देश के चिन राज्य में फिर से लड़ाई शुरू होने के बाद पिछले कुछ दिनों में म्यांमार से करीब 4,000 नए शरणार्थी मिजोरम में दाखिल हुए हैं। म्यांमार के चिन राज्य में 2 जुलाई से दो सैन्य-विरोधी जुंटा बलों चिन नेशनल डिफेंस फोर्स (CNDF) और चिनलैंड डिफेंस फोर्स (CDF) हुआलनोग्राम के बीच टकराव चल रहा है। नतीजतन, हजारों निवासी मिजोरम के चम्फाई जिले में आ गए हैं। मिजोरम में एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि ताजा हिंसा शुरू होने के बाद से अब तक वहां पहुंचने वाले लोगों की संख्या लगभग 4,000 है।

ब्रिक्स देशों का आतंकवाद पर सख्त रुख, पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

रियो डी जेनेरियो/नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए सभी तरह के आतंकवाद से सख्ती से निपटने की प्रतिबद्धता जतायी है और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों तथा आतंकवादी गुटों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आह्वान किया है।

ब्रिक्स देशों के 17वें शिखर सम्मेलन में रविवार देर रात यहां जारी संयुक्त घोषणा पत्र में सभी सदस्य देशों ने आतंकवादी कृत्यों की जोरदार शब्दों में कड़ी निंदा की और वैश्विक संस्थाओं को समय की जरूरत के अनुसार अधिक समावेशी बनाने पर जोर देते हुए सतत शासन के लिए ग्लोबल साउथ सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया।

घोषणा पत्र में सदस्य देशों की ओर से कहा गया है, ''हम आपसी सम्मान और समझ, संप्रभु समानता, एकजुटता, लोकतंत्र, खुलेपन, समावेशिता, सहयोग और आम सहमति की ब्रिक्स भावना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम राजनीतिक और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय, सांस्कृतिक और लोगों के बीच सहयोग के तीन स्तंभों के तहत विस्तारित ब्रिक्स में सहयोग को मजबूत करने और शांति, अधिक प्रतिनिधित्व, निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, एक पुनर्जीवित और सुधार पर आधारित बहुपक्षीय प्रणाली, सतत विकास और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के माध्यम से लोगों के लाभ के लिए रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हैं।÷

उन्होंने वर्ष 2026 में भारत को ब्रिक्स की अध्यक्षता सौंपे जाने और भारत में 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन भी दिया।

सदस्य देशों ने आतंकवाद को कतई न बर्दाश्त करने और आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों को खारिज करते हुए कहा दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए मिलकर काम करने की वचनबद्धता प्रकट की।

उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा, ''हम आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं, चाहे वह किसी भी उद्देश्य से किया गया हो, जब भी, जहाँ भी और किसी के द्वारा भी किया गया हो। हम 22 अप्रैल 2025 को जम्मू और कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। हम आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही, आतंकवाद के वित्तपोषण और सुरक्षित पनाहगाहों सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।'

ब्रिक्स देशों ने आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने वाले देशों को कड़ा संदेश देते हुए कहा, ''हम दोहराते हैं कि आतंकवाद को किसी भी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए और आतंकवादी गतिविधियों और उनके समर्थन में शामिल सभी लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और प्रासंगिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। हम आतंकवाद के लिए शून्य सहिष्णुता सुनिश्चित करने और आतंकवाद का मुकाबला करने में दोहरे मानदंडों को अस्वीकार करने का आग्रह करते हैं।'

मराठी विरोध के नाम पर अपनी ताकत दिखाने में जुटी मनसे... महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी

शिंदे गुट के विधायक प्रताप सरनाइक को मनसे कार्यकताओं ने दौड़ा दिया

मुंबई (एजेंसी)। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना में मराठी विरोध के नाम पर नई जान आ गई है। सालों से कमजोर पड़ा यह संगठन मराठी के नाम पर खुद को मजबूत करने में जुटा है। इसी कड़ी में मंगलवार को मीरा रोड पर मनसे ने अपनी ताकत दिखाई। मनसे के ऐलान पर उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के कार्यकर्ता भी सड़कों पर उतर आए है। इसके अलावा कई और मराठी संगठनों ने भी इसका समर्थन किया। इसके कारण बड़ी संख्या में लोग जुटे और महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बुधवार सुबह से ही मीरा भायंदर में पुलिस का सख्त पहरा था और मनसे के कार्यकर्ताओं को पकड़ कर हिरासत में लिया जा रहा था मुंबई पुलिस-प्रशासन की ओर से तमाम बंदिशों के बाद भी हजारों लोग मराठी अस्मिता के नाम पर सड़कों पर उतरे। इन लोगों का कहना था कि आखिर जब प्रवासी व्यापारियों को प्रदर्शन करने की अनुमति होती हैं, तब फिर हमें मौका क्यों नहीं। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ, जिसमें मनसे नेता अविनाश जाधव और उनके साथियों ने फूड स्टॉल के मालिक को पीट डाला था। इन लोगों ने उन्हें मराठी न बोलने पर मारा था। इस मामले में जाधव को हिरासत में लिया गया था। वहीं व्यापारियों ने प्रदर्शन किया था। मनसे के लोगों का कहना था कि पुलिस व्यापारियों के दबाव में है और मराठियों को उनकी ही धरती पर परेशान कर रही है। मनसे ने इसी घटना के विरोध में ठाणे जिले के मीरा भायंदर इलाके में महाराष्ट्र एकीकरण समिति के बैनर तले रैली के आयोजन का ऐलान किया था। बता दें कि इस रैली में हिस्सा लेने के लिए एकनाथ शिंदे सेना के नेता प्रताप सरनाइक भी पहुंचे, लेकिन उन्हें दौड़ा दिया गया और उन पर बोतलें फेंकी गईं।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस, सांसदों को दिए निर्देश

-लोकसभा में महाभियोग के लिए प्रस्ताव पर 100 सदस्यों के हस्ताक्षर जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी, जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने अपने सांसदों से नोटिस पर हस्ताक्षर करने को कहा है। कांग्रेस राज्यसभा के सभापति से जस्टिस यादव के मामले में भी आगे बढ़ने का आग्रह कर रही है। यह सब तब हो रहा है जब बीजेपी और अन्य विपक्षी दल मिलकर जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना बना रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व ने लोकसभा में पार्टी के फ्लोर मैनेजरों को उन सांसदों की सूची तैयार करने की सलाह दी है जो जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के नोटिस पर हस्ताक्षर करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विपक्षी दल राज्यसभा में जस्टिस शेखर कुमार यादव के खिलाफ लंबित नोटिस पर भी जल्द कार्रवाई की मांग करेंगे। जस्टिस यादव पर नफरत फैलाने वाले भाषण देने का आरोप है। पार्टी लोकसभा में भी ऐसे नोटिस की मांग कर सकती है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल का यह निर्देश ऐसे समय पर आया है जब बीजेपी और विपक्षी दल मिलकर जस्टिस वर्मा के खिलाफ नोटिस लाने की तैयारी कर रहे हैं।

नियमों के मुताबिक लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सदस्यों के हस्ताक्षर होने चाहिए और राज्यसभा में 50। इसके बाद स्पीकर इसकी जांच करेंगे और न्यायाधीश अधिनियम के मुताबिक एक समिति द्वारा जांच की जाएगी। कुछ समय पहले, कुछ कांग्रेस नेताओं ने जस्टिस वर्मा से महाभियोग प्रस्ताव पेश होने से पहले इस्तीफा देने का आग्रह किया था। विपक्ष का एक वर्ग राज्यसभा के सभापति से जस्टिस यादव के खिलाफ लंबित महाभियोग प्रस्ताव को भी आगे बढ़ने की मांग कर रहा है।

बता दें महाभियोग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके जरिए हाईकोर्ट या सुप्री कोर्ट के न्यायाधीश को उनके पद से हटाया जा सकता है। यह प्रक्रिया संसद में शुरू होती है। महाभियोग प्रस्ताव को संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से पारित होना होता है। कांग्रेस पार्टी का यह कदम न्यायपालिका और विधायिका के बीच एक टकराव की स्थिति पैदा कर सकता है। अब देखना है कि आने वाले दिनों में यह मामला कैसे आगे बढ़ता है। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि वेणुगोपाल का यह निर्देश ऐसे समय पर आया है जब बीजेपी और विपक्षी दल मिलकर जस्टिस वर्मा के खिलाफ नोटिस लाने की तैयारी कर रहे हैं।

आज 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने किया भारत बंद का आयोजन, केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ

-25 करोड़ से अधिक कर्मचारियों के शामिल होने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार 2025 को भारत में एक बड़े स्तर पर भारत बंद का आयोजन होने की तैयारी है। यह हड़ताल 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा बुलाई गई है और इसमें करीब 25 करोड़ से अधिक कर्मचारियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह हड़ताल विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती है, जिसमें प्रमुख रूप से बैंकों के कामकाज पर गहरा असर पड़ सकता है। इसके साथ ही बीमा से संबंधित कार्य भी प्रभावित हो सकते हैं। वहीं केंद्र के अधीन आने वाले डाकघरों में कामकाज बाधित होने की संभावना है। इतना ही नहीं कोयला खदानों में काम रुक सकता है। इसके अलावा देश भर में विभिन्न कारखानों में उत्पादन प्रभावित हो सकता है।

आज होने वाली इस देशव्यापी हड़ताल से राज्यों में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित हो सकती हैं। क्योंकि इन सेवाओं से जुड़े कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल हो सकते है। एनएमडीसी लिमिटेड और अन्य क्षेत्रों में भी श्रमिक हड़ताल में शामिल हो रहे है। इससे इन लिमिटेड कंपनियों के कामों पर असर पड़ सकता है। राज्य सरकार के विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के कर्मचारी भी हड़ताल का हिस्सा बन सकते हैं। विभिन्न ट्रेड यूनियन के अलावा किसान और ग्रामीण कर्मचारी भी इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल हो सकते है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी कामकाज प्रभावित हो सकता है।

हड़ताल का कारण और मांगें

यह भारत बंद सरकार की मजदूर, किसान विरोधी और राष्ट्र विरोधी कॉरपोरेट-समर्थक नीतियों के विरोध में बुलाया गया है। कर्मचारी संगठनों ने केंद्र सरकार से कई महत्वपूर्ण मांगों पर ध्यान देने का आग्रह किया है। भारत बंद कर रहे संगठनों ने बीते साल श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को 17-सूत्रीय मांगों का एक चार्टर सौंपा था। संगठनों का आरोप है कि मोदी सरकार पिछले 10 वर्षों से वार्षिक श्रम सम्मेलन का आयोजन नहीं कर रही है।

उनका कहना है कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण बेरोजगारी बढ़ रही है, जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं, और मजदूरी में गिरावट आ रही है। इतना ही नहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी नागरिक सुविधाओं जैसे सामाजिक क्षेत्रों में खर्च में कटौती से गरीबों, निम्न आय वर्ग और मध्यम वर्ग के लिए असमानता और अभाव बढ़ रहा है।

युवाओं के लिए रोजगार-देशभर के कर्मचारी संगठनों का आरोप है कि केंद्र सरकार सरकारी विभागों में नियमित नियुक्तियों के बजाय रिटायर्ड लोगों को काम पर रख रही है, जबकि देश की 65 प्रतिशत आबादी 35 साल से कम उम्र की है और बेरोजगारों की संख्या 20 से 25 साल के आयु वर्ग में सबसे अधिक है। वे सरकार से बेरोजगारी पर ध्यान देने, स्वीकृत पदों पर भर्ती करने और अधिक नौकरियों के सृजन की मांग कर रहे हैं।

इतना ही नहीं मनमोहन सरकार के दवारा शुरु की गई मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) श्रमिकों के कार्य दिवसों और मजदूरी में बढ़ोतरी के साथ शहरी क्षेत्रों के लिए भी समान कानून बनाने की मांग की जा रही है।

श्रमिक संगठनों ने पहले भी इसी तरह की देशव्यापी हड़तालें की हैं, जिनमें 26 नवंबर, 2020, 28-29 मार्च, 2022 और पिछले साल 16 फरवरी की हड़तालें शामिल हैं। इस बार की हड़ताल को संयुक्त किसान मोर्चा और कृषि श्रमिक संगठनों के संयुक्त मोर्चे का भी समर्थन प्राप्त है, जिससे ग्रामीण भारत में बड़े पैमाने पर लामबंदी की उम्मीद है।

जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाने की घटनाएं आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा

-गृहमंत्री शाह ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रभावी कदम उठाने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाए जाने की घटनाएं अब गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। यह प्रवृत्ति आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बन रही है इसलिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया है।

बता दें केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों से कहा है कि कारागारों में बंद कमजोर मानसिकता वाले व्यक्तियों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकना और ऐसे कैदियों को मुख्यधारा में लौटाने के लिए 'डि-रेडिकलाइजेशन' की प्रक्रिया अपनाना अत्यंत जरुरी है। यह न केवल सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

जेल में एक सीमित व नियंत्रित वातावरण होता है जहां सामाजिक अलगाव, समूह मनोवृत्ति तथा निगरानी की सीमितता जैसी परिस्थितियां अतिवादी विचारों के पनपने के लिए उपजाऊ भूमि बन जाती हैं। कई कैदी, जो पहले से ही हताशा, समाज से कटाव या हिंसात्मक प्रवृत्तियों से ग्रस्त होते हैं, ऐसे माहौल में उग्रपंथी विचारधाराओं के प्रभाव में आ जाते हैं। इसलिए गृह मंत्रालय ने चेताया है कि कुछ मामलों में उग्रपंथी बंदी हिंसात्मक गतिविधियों में लिप्त हो सकते हैं। चाहे वह जेल के स्टाफ पर हमला हो, अन्य बंदियों को नुकसान पहुंचाना हो या फिर बाहरी नेटवर्क के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देना हो।

गृह मंत्रालय ने 'मॉडल प्रिजन मैनुअल 2016' और 'मॉडल प्रिज़न्स एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2023' का हवाला देते हुए बताया कि इन मॉडल दस्तावेजों में उच्च-जोखिम कैदियों, उग्रवादियों आदि को अन्य कैदियों से अलग रखने के लिए विशेष सुरक्षा वाले कारागारों की व्यवस्था की गई है। पूर्व में जारी की गई सलाहों को दोहराते हुए गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों से अपेक्षा जताई है कि वे कठोर प्रवृत्ति के बंदियों की पहचान, निगरानी और परामर्श की प्रभावी व्यवस्था करें।

गृह मंत्रालय ने सुझाव दिया कि जो कैदी उग्र विचारधाराओं का प्रचार कर अन्य कैदियों को बहकाते हैं, उन्हें सामान्य कैदियों से अलग रखा जाए। साथ ही राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने-अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र हाई सिक्योरिटी प्रिजन कॉम्प्लेक्स स्थापित करने पर विचार करना चाहिए ताकि आतंकवादियों व कट्टरपंथियों को अलग रखकर उनके प्रभाव को सीमित किया जा सके। इन कैदियों पर निगरानी उपकरणों और खुफिया तंत्र की मदद से कड़ी निगरानी की जाए और भीतर चल रहे किसी भी उग्रवादी नेटवर्क की पहचान कर उसे समय रहते खत्म किया जाए।

केंद्र सरकार का मानना है कि बंदियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण, शिक्षा और पुनर्वास

कार्यक्रमों में जोड़कर उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा दी जा सकती है। साथ ही, परिवार से निरंतर संपर्क बनाए रखने की सुविधा से उनकी भावनात्मक स्थिरता को भी बल मिलेगा, जिससे फिर समाज में सफल पुनर्वास संभव हो सकेगा। कैदियों के सुधार की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम समयानुकूल और जरुरी है। अब राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे इन दिशा-निर्देशों को लागू कर कारागारों को केवल सजा के केंद्र न बनाकर, सुधार और पुनर्वास के स्थलों में रूपांतरित करें।

भारत-पाकिस्तान का युद्ध मैंने रुकवाया, ट्रंप ने 59 दिनों में 21वीं बार दोहराया

-कांग्रेस ने उठाया सवाल-आखिर पीएम मोदी इस मुद्दे पर कब चुप्पी तोड़ेंगे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने का दावा किया है। मंगलवार को ट्रंप के दावे के बाद कांग्रेस अब पीएम मोदी पर हमलावर है। विपक्ष ने सवाल उठाया कि आखिर पीएम मोदी इस मुद्दे पर कब अपनी चुप्पी तोड़ेंगे? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि ट्रंप ने 59 दिनों में कम से कम 21वीं बार, भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने के लिए मध्यस्थता का श्रेय खुद लिया है।

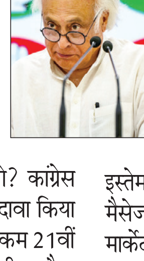

जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने ही मई में भारत-पाकिस्तान के बीच चार दिन चले युद्ध को रुकवाया है, साथ ही दोनों देशों के बीच यह संघर्ष परमाणु युद्ध में बदलने वाला था। भारत-पाकिस्तान युद्धविराम पर सहमत हुए क्योंकि अमेरिका के साथ व्यापार का मूलमंत्र उन्होंने ही इस्तेमाल किया था। दूसरे शब्दों में उनका मैसेज था कि तुरंत युद्ध रोकें या अमेरिकी मार्केट खोने की वास्तविक संभावनाओं का सामना करें।

संक्षिप्त समाचार

उत्तरी इराक में गुफा में मीथेन गैस के संपर्क में आने से पांच सैनिकों की मौत

बगदाद, एजेंसी। उत्तरी इराक की एक गुफा में 2022 में कुर्द उग्रवादियों द्वारा मारे गए एक सैनिक के अवशेषों की रविवार को तलाश करते समय मीथेन गैस के संपर्क में आने से तुर्किये के पांच सैनिकों की मौत हो गई। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि सैनिक एक पहाड़ी गुफा में अवशेष तलाश रहे थे, तभी 19 सैनिक मीथेन गैस के संपर्क में आ गए। यह गैस बिना रंग और गंध की होती है, ज्वलनशील होती है और ज्यादा मात्रा में होने पर दम घुटने से मौत भी हो सकती है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जिसमें से पांच जवान की मौत हो गयी।'' इसमें कहा गया, ''इलाके में बचाव अभियान जारी है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी तालिबान ने अर्धसैनिक बल के तीन जवानों की हत्या की

क्वेटा, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी खै़बर पख़्तूनख़्वा प्रांत में पाकिस्तानी तालिबान से जुड़े आतंकवादियों द्वारा कथित तौर पर दो दिनों तक बंधक बनाए रखने के बाद अर्धसैनिक बल के तीन जवानों की हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के शहजैब बेटनी समूह के आतंकवादियों ने दो दिन पहले टैंक जिले में एक यात्री वाहन से तीन निहत्थे फ्रंटियर कॉर्प्स जवानों को अगवा कर लिया। उसने बताया कि दोनों के शव लक्की मरवात जिले के पेज़ू बयाना क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्र में पाए गए। उनकी पहचान लांस नायक नसीम, लांस नायक मुहम्मद राशिद और सिपाही मुहम्मद शेर के रूप में हुई है।

ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ मुकदमा शुरू, कॉलेजों में फलस्तीन समर्थकों को बनाया गया निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन की एक और कार्रवाई कानूनी मामले में फंस गई है। दरअसल ट्रंप प्रशासन ने कॉलेज कैंपसेस में फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की थी। जिसके खिलाफ संघीय अदालत में मामला दायर किया, जिस पर संघीय अदालत ने सोमवार को सुनवाई शुरू की। यह मुकदमा कई विश्वविद्यालयों द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर किया गया। वादियों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई अमेरिकी संविधान के पहले संशोधन और प्रशासन प्रक्रिया कानून का उल्लंघन करती है। मुकदमा दायर करने वाले विश्वविद्यालयों का कहना है कि सरकार की कार्रवाई से छात्र और शिक्षक डरे हुए हैं। छात्र और शिक्षक अब राजनीतिक विरोध प्रदर्शनों से दूरी बना रहे हैं। साथ ही फलस्तीन समर्थक समूहों से भी दूर हो रहे हैं। अब छात्र कक्षाओं में भी आत्म संयम बरत रहे हैं और इस मुद्दे पर कोई बात नहीं करते। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका का अप्रवासन विभाग विभिन्न अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। ट्रंप प्रशासन का आरोप है कि फलस्तीन समर्थन के तहत कुछ छात्र हमास का समर्थन कर रहे हैं। मुकदमे में मोहम्मद खलील का भी जिक्र है, जिसे अप्रवासन विभाग ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने पर हिरासत में ले लिया था। मोहम्मद खलील को 104 दिनों तक हिरासत में रखने के बाद बीते महीने ही रिहा किया गया है। मुकदमे में टफ्ट्स यूनिवर्सिटी की छात्रा रुमेया ओजतुर्क का भी जिक्र है, जिसे लुइसियाना के अप्रवासन विभाग के हिरासत केंद्र से मई में रिहा किया गया। रुमेया ने करीब छह हफ्ते हिरासत केंद्र में बिताए। उसे बोस्टन उपनगर में उस वक्त गिरफ्तार किया गया था, जब वह सड़क पर टहल रही थी। रुमेया का दावा है कि उसने बीते साल गाजा में इस्राइल की कार्रवाई की आलोचना करते हुए एक सह-लेख लिखा था।

चीन में सत्ता हस्तांतरण की अटकलें तेज: शी जिनपिंग की सत्ता पर पकड़ हो रही ढीली? संगठनों को सौंप रहे अधिकार

बीजिंग, एजेंसी। चीन की सत्ता पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पकड़ ढीली होती दिखाई दे रही है। जिनपिंग 12 साल से अधिक समय के अपने शासनकाल में पहली बार सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख संगठनों को अधिकार सौंप रहे हैं। इससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि वे व्यवस्थित सत्ता हस्तांतरण के लिए आधार तैयार कर रहे हैं या संभावित सेवानिवृत्ति की तैयारी के तहत अपनी भूमिका को कम कर रहे हैं। जिनपिंग के सत्ता हस्तांतरण के बारे में अटकलें तब तेज हुईं जब सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने हाल ही में बताया कि सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के शक्तिशाली 24 सदस्यीय राजनीतिक ब्यूरो ने 30 जून को अपनी बैठक में पार्टी के संस्थानों के काम को लेकर नए नियमों की समीक्षा की। जिनपिंग की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि ये नियम सीपीसी केंद्रीय समिति की निर्णय लेने वाली, विचार-विमर्श करने वाली व समन्वयकारी संस्थाओं की स्थापना, जिम्मेदारियों व संचालन को और अधिक मानकीकृत करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि ऐसी संस्थाओं को अपने प्रमुख कार्यों के संबंध में नेतृत्व व समन्वय को लेकर अधिक प्रभावी प्रयोग करने चाहिए तथा प्रमुख कार्यों की योजना बनाने, चर्चा करने और देखरेख करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। चीन में रहने वाले एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि पार्टी के इन निकायों के लिए निर्धारित किए गए नियम जिनपिंग की सेवानिवृत्ति की तैयारी का संकेत हो सकते हैं। हांगकांग के समाचार पत्र साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने रविवार को विश्लेषक के हवाले से कहा, सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण समय है। इसलिए हो सकता है कि निकायों को विनियमित करने के लिए ये नए नियम बनाए गए हैं। हालांकि, दूसरे विशेषज्ञों का कहना है कि सीपीसी के संस्थापक माओत्से तुंग के बाद सबसे शक्तिशाली नेता माने जाने वाले जिनपिंग खुद कुछ बड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कुछ शक्तियां दूसरों को सौंप सकते हैं। जिनपिंग ने सत्ता सौंपने का कदम ऐसे समय उठाया है, जब ट्रंप ने टैरिफ युद्ध शुरू कर दिया है। चीन का अमेरिका को होने वाला 440 अरब डॉलर का निर्यात बाधित हो रहा है।

ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर मस्क का उड़ाया मजाक

बोले- वे पूरी तरह पटरी से उतर चुके, बेकाबू ट्रेन जैसे हो गए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर अरबपति कारोबारी इलॉन मस्क का मजाक उड़ाया है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें दुख हो रहा है कि इलॉन मस्क पूरी तरह पटरी से उतर चुके हैं और पिछले पांच हफ्तों में एक बेकाबू ट्रेन जैसे हो गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ट्रम्प ने कहा कि मस्क अब अमेरिका में तीसरी राजनीतिक पार्टी शुरू करना चाहते हैं, जो इतिहास में कभी सफल नहीं रही है।

ट्रम्प ने कहा, अमेरिका की व्यवस्था ऐसी पार्टियों के लिए बनी ही नहीं है। तीसरी पार्टियों का एक ही काम होता है, अव्यवस्था और अराजकता फैलाना। और हमारे पास पहले से ही पर्याप्त अराजकता है, जिसे रैडिकल लेफ्ट डेमोक्रेट्स फैला रहे हैं। अरबपति बिजनेसमैन इलॉन मस्क ने शनिवार को अमेरिका में एक नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का ऐलान किया। उन्होंने इसका नाम अमेरिका पार्टी रखा है।

मस्क ने सोशल मीडिया पर पोल के बाद पार्टी बनाई : मस्क ने अपनी सोशल पोस्ट में कहा कि आप में से 66 प्रतिशत लोग एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और अब यह आपको मिलेगी। जब बात अमेरिका को बर्बाद करने और भ्रष्टाचार की आती है तो अमेरिका में दोनों पार्टी (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट) एक ही जैसी हैं। अब देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी। उन्होंने लिखा- आज अमेरिका पार्टी का गठन किया जा रहा है, ताकि आपको आपकी आजादी वापस मिल सके।÷ इसे लेकर उन्होंने एक्स पर पब्लिक पोल भी किया था।

मस्क ने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक्स पर एक पोल पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पूछा था कि क्या आप दो पार्टी वाले सिस्टम से आजादी चाहते हैं? क्या हमें अमेरिका पार्टी बनानी चाहिए? पोल के नतीजों में 65.4 प्रतिशत लोगों ने ÷हां÷ और 34.6 प्रतिशत ने ÷नहीं÷ में वोट दिया।

मस्क चुनाव नहीं लड़ सकेंगे, किंगमेकर बनना चाहते हैं : अमेरिकी संविधान के अनुसार अमेरिका में जन्मा शख्स ही चुनाव लड़ सकता है। मस्क का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ है। ऐसे में वे अमेरिका में चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। मस्क अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारेंगे। नवंबर, 2026 में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की सभी 435 और सीनेट की 100 में से 34 सीटों पर चुनाव होंगे।

मस्क का प्लान हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की 8-10 व सीनेट की 3-4 सीटें जीतना है, जिससे ट्रम्प के बिलों पर रोक लगाकर वे किंगमेकर की भूमिका में आ सकें। मस्क ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प को 2500 करोड़ रु. का चंदा दिया था। लेकिन फिर मस्क डीओजीई संस्था से अलग हुए और अब ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल के विरोध में उतरे हुए हैं।

अमेरिका का टू पार्टी सिस्टम क्या है? : अमेरिका की राजनीति में बीते डेढ़ सौ साल से डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दो ही पार्टियों का दबदबा रहा है। देश में राष्ट्रपति चुनाव से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक इन दोनों दलों का वर्चस्व हैं। इस टू-पार्टी सिस्टम को अमेरिकी लोकतंत्र की स्थिरता की वजह भी माना जाता है। डेमोक्रेटिक पार्टी की शुरुआत 1828 में एंड्रू जैक्सन के दौर में हुई। यह शुरुआत में किसानों और आम जनता की पार्टी मानी जाती थी। 20वीं सदी में यह सामाजिक कल्याण, न्यू डील जैसे आर्थिक सुधारों और नागरिक अधिकारों की पैरोकार बनी।

वहीं, रिपब्लिकन पार्टी 1854 में गुलामी के विरोध में बनी और अब्राहम लिंकन इसके पहले राष्ट्रपति बने। 20वीं सदी में यह व्यापार और टैक्स कट के समर्थन वाली पार्टी बन गई।

क्यों तीसरी पार्टी सफल नहीं हो पाई? : अमेरिका में कई बार तीसरी पार्टियां बनाई गईं, लेकिन सफल नहीं हो सकीं। 1912 में राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट ने बुल मूस पार्टी बनाई और 88 इलेक्टोरल वोट हासिल किए। हालांकि पार्टी अगले चुनाव तक भी नहीं टिक सकी। 1992 में रॉस पेरोट ने 19 प्रतिशत पॉपुलर वोट लिए, फिर भी एक भी इलेक्टोरल वोट नहीं मिला। इन दलों को फंडिंग, संगठन और मीडिया में जगह नहीं मिलती। वोटर्स भी उन्हें वोट काटने वाला मानते हैं। यही वजह है कि लिबर्टेरियन या ग्रीन पार्टी जैसी पार्टियां अब तक राष्ट्रपति चुनाव में 3-4 प्रतिशत से ज्यादा वोट नहीं ले पाईं। अमेरिका में तीसरी पार्टी के सफल न हो पाने की बड़ी वजह इसका चुनावी सिस्टम है। यहां का चुनावी ढांचा टू पार्टी सिस्टम को सपोर्ट करता है।

माली में अगवा हुए भारतीयों के बदले फिरौती मांग रहे अलकायदा के आतंकी

बामाको, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश माली में अगवा हुए तीन भारतीयों में से एक के रिश्तेदार ने दावा किया है कि अल-कायदा से जुड़ा आतंकी संगठन उन्हें छोड़ने के बदले फिरौती मांग रहा है। उन्होंने एक बार फिर केंद्र से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर उनकी रिहाई सुनिश्चित करने की अपील की। माली के विभिन्न हिस्सों में एक जुलाई को सिलसिलेवार आतंकवादी हमलों के बीच एक सीमेंट फैक्टरी से तीन भारतीयों का अपहरण हो गया था। अल-कायदा से जुड़े जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) ने बाद में इन हमलों की जिम्मेदारी ली थी।

तीन अपहृत भारतीयों में से एक ओडिशा निवासी पी वेंकटरमण के बहनाई ने शनिवार को बताया कि शुरुआत में कंपनी ने उन्हें बताया था कि आतंकवादियों ने फैक्टरी को आग के हवाले कर दिया था। इसलिए वेंकट समेत कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि आतंकवादियों ने कुछ लोगों का अपहरण कर लिया है। उन्होंने कहा, हमने इसकी पुष्टि करने के लिए कंपनी को फोन किया तो उन्होंने हमें यह सूचना लीक करने से मना कर दिया और कहा कि आतंकवादी लोगों के बदले में फिरौती मांग रहे हैं। वेंकटरमण के बहनोई ने सरकार से उनकी सुरक्षित घर वापसी अपील की है। उधर, विदेश मंत्रालय ने भारतीयों के अपहरण पर गहरी चिंता जताई है और माली के अधिकारियों से उनकी सुरक्षित और शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

रूस और यूक्रेन के बीच ड्रोन हमले, हवाई यात्रा बाधित

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन ने रविवार को एक-दूसरे पर सैकड़ों ड्रोन से हमला किया, जिससे रूसी हवाई यातायात में व्यवधान उत्पन्न हो गया। यह हमला तीन साल से अधिक पुराने युद्ध में मॉस्को द्वारा सबसे बड़ा हवाई हमला करने के कुछ दिनों बाद हुआ है।

रूस के परिवहन मंत्रालय के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग सहित अन्य रूसी हवाई अड्डों पर भीड़ देखी जा सकती है, क्योंकि शनिवार और रात को यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण सैकड़ों उड़ानें विलंबित या रद्द कर दी गईं।

मॉस्को के शेरेमेत्येवो और सेंट पीटर्सबर्ग के मुख्य पुलकोवो हवाई अड्डों पर उड़ानें बाधित रहीं। पश्चिमी और मध्य रूस के अन्य हवाई अड्डों पर भी उड़ानें बाधित रहीं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने रात के हमलों के दौरान 120 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया, और रविवार को दोपहर दो बजे से पहले 39 और ड्रोन को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन हमलों में कीव में तीन नागरिक और उत्तर-पूर्व में यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में कम से कम दो नागरिक घायल हो गए।

स्थानीय गवर्नर विटाली किम के अनुसार, शाहेद ड्रोन से किए गए एक बड़े रूसी हमले में मध्य यूक्रेन के माइकोलाइव में बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि गोदामों और बंदरगाह के बिजली ग्रिड को नुकसान पहुंचा है, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

अमेरिका के टेक्सास में बाढ़ से अबतक 80 मौतें:41 लोग लापता

कई इलाकों में फिर से बाढ़ की चेतावनी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में शुक्रवार को ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ से 3 दिन में 80 लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लापता हैं। नदी के पास लड़कियों का एक समर कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आ गया। हालांकि कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचा लिया गया। टेक्सास के कई इलाकों में अभी भी हालात सामान्य नहीं हुए हैं। मौसम विभाग ने बाढ़ की चेतावनी जारी करते हुए ग्वाडालूप नदी के किनारे रहने वाले लोगों से ऊंची जगह जाने की अपील की है।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को टेक्सास के सैन एंटोनियो से लगभग 15 इंच (38 सेमी) तक बारिश हुई। महज 45 मिनट में नदी का लेवल 26 फीट (8 मीटर) बढ़ गया, जिससे घर और गाड़ियां बह गईं। हेलिकॉप्टर और ड्रोन्स से अभी लोगों की तलाश जारी है। क्क्रूमोदी ने भी शनिवार को बाढ़ में मारे गए बच्चों की मौत पर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की।

रविवार को सेंट पीटर्स स्क्रायर में अपने संबोधन के दौरान पोप लियो एक्सआईवी ने अमेरिका के टेक्सास में ग्वाडालूप नदी में आई बाढ़ के पीड़ितों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने खासकर समर कैंप में गई लड़कियों के परिवारों के लिए प्रार्थना की। पोप ने अंग्रेजी में कहा, ÷मैं उन सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने इस आपदा में अपने प्रियजनों को खोया। हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शुक्रवार को टेक्सास का दौरा कर सकते हैं। ट्रम्प ने कहा- हम वहां लगातार मौजूद रहेंगे। हम टेक्सास के नेताओं के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यह एक भयानक घटना थी। हम उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जिन्होंने इतना कुछ सहा है।

बारिश की वजह से नदी ने लोकल नाले और जलमार्गों को उफान पर ला दिया था, जिससे सड़कें डूब गई थीं। ट्रेलर और वाहन बह गए। सैन एंटोनियो की इमरजेंसी टीमों ने हेलिकॉप्टर और ड्रोन के जरिए तलाश और बचाव कार्य शुरू किया। इलाके में मौजूद लोगों ने लोकल मीडिया को बताया कि बाढ़ का पानी अचानक आया और उन्हें पेड़ों पर चढ़कर जान बचानी पड़ी। बाढ़ की वजह से बिजली लाइनें गिर गईं और कर्विल के आसपास के इलाकों में लगभग 2,600 घरों की बिजली गुल हो गई थी।

बिलावल पर भड़का आतंकी हाफिज सईद का बेटा, कहा- उन्होंने पाकिस्तान की बेइज्जती कराई, बिलावल बोले थे- सईद को भारत प्रत्यर्पित करने को तैयार

इस्लामाबाद, एजेंसी। हाफिज सईद के बेटे तलहा सईद ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो पर पाकिस्तान को ग्लोबल लेवल पर बेइज्जत करने का आरोप लगाया। दरअसल, बिलावल ने दो दिन पहले कहा था कि पाकिस्तान हाफिज सईद और मसूद अजहर को भारत को सौंपने के लिए तैयार है, बशर्ते भारत इस प्रोसेस में सहयोग करे। तलहा ने कहा कि बिलावल का यह बयान पाकिस्तान की पॉलिसी, राष्ट्रीय हित और संप्रभुता के खिलाफ है। उन्होंने कहा- क्या कोई नेता अपने नागरिकों को दुश्मन देश को सौंपने की बात कर सकता है? तलहा जो खुद एक ग्लोबल आतंकी है उसने अपने पिता का बचाव करते हुए कहा- हाफिज सईद का कोई भी काम पाकिस्तान के खिलाफ नहीं है। बिलावल का बयान पाकिस्तान की इमेज को ग्लोबल लेवल पर बदनाम करने वाला है।

हाफिज सईद 33 साल की सजा काट रहा है : पाकिस्तान की नेशनल काउंटर टेररिज्म अथॉरिटी के मुताबिक, पाकिस्तान ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद दोनों को बैन कर रखा है।

हाफिज सईद को लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य चेहरा माना जाता है। वह 26/11 मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है। हाफिज सईद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में टेरर फंडिंग के लिए 33 साल की सजा काट रहा है, जबकि ग्लोबल आतंकवादी मसूद अजहर पर भी प्रतिबंधित लगाया गया है।

हाफिज सईद और मसूद अजहर के ठिकाने के बारे में पूछे जाने पर बिलावल ने दावा किया था कि हाफिज सईद जेल में है, जबकि मसूद अजहर के बारे में कोई जानकारी नहीं है शायद वह अफगानिस्तान में है।

अल जजीरा को दिए एक इंटरव्यू में बिलावल ने कहा- अगर भारत यह जानकारी दे कि अजहर पाकिस्तान में हैं, तो पाकिस्तान को उसे गिरफ्तार करने में खुशी होगी। मसूद अजहर भारत में 2001 के संसद हमले, 26/11 मुंबई हमले, 2016 के पठानकोट हमले और 2019 के पुलवामा हमले जैसे आतंकी हमलों में शामिल रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने उसे 2019 में ग्लोबल टेररिस्ट घोषित किया था।

ऑपरेशन सिंदूर में मारा गया था अजहर का परिवार : बिलावल का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब दो महीने पहले भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। इस हमले में मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य और 4 सहयोगी मारे गए थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मसूद अजहर ने इसके बाद बयान जारी कर कहा था कि मैं भी मर जाता तो खुशनसीब होता। मरने वालों में उसकी बड़ी बहन और उसका पति, मसूद अजहर का भतीजा और उसकी पत्नी, मसूद की एक भतीजी और उसके पांच बच्चे शामिल थे। बयान में यह भी कहा गया है कि आतंकी मसूद के तीन करीबी सहयोगी भी मारे गए थे। इनके अलावा एक सहयोगी की मां की मौत भी हुई थी।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच यमन में इस्राइल का हवाई हमला, हूती विद्रोहियों का पलटवार

दुबई, एजेंसी। इस्राइल ने अब ईरान का साथ देने वाले हूती विद्रोहियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। इस्राइली सेना ने सोमवार सुबह यमन में हवाई हमला किया। इस्राइली सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों, बंदरगाह और अन्य स्थानों पर मिसाइल दागी। जवाब में हूती विद्रोहियों ने भी इस्राइल पर मिसाइल हमला किया।

इस्राइल ने हमला हूतियों के लाल सागर में एक जहाज पर किए गए संदिग्ध हमले के बाद किया। हूतियों के हमले के बाद जहाज में आग लग गई और वह पानी में डूब गया। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने हूतियों के कब्जे वाले होदेदा, रास ईसा और सालिफ बंदरगाहों पर हमला किया। सेना ने कहा कि इन बंदरगाहों का उपयोग हूती आतंकवादी ईरानी शासन से हथियारों को स्थानांतरित करने के लिए करते हैं। इन हथियारों का उपयोग बाद में इस्राइल और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंकी अभियान चलाने के लिए किया जाता है।

इस्राइली सेना ने कहा कि उसने गैलेक्सी लीडर नामक वाहन पर हमला किया, जिसे हूतियों ने नवंबर 2023 में जब्त कर लिया था। जब उन्होंने इस्राइल-हमास युद्ध को लेकर लाल सागर गलियारे में अपने हमले शुरू किए थे। हूतियों ने जहाज पर एक रडार प्रणाली स्थापित की है और इसका उपयोग वे अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में जहाजों पर नजर रखने के लिए कर रहे हैं, ताकि आगे की आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके।

इस्राइल के रक्षा मंत्री ने दी धमकी : इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज़ ने आगे भी हमले की धमकी दी। काट्ज ने कहा कि जो ईरान के लिए सच है, वही यमन के लिए भी सच है। जो कोई भी इस्राइल के खिलाफ हाथ उठाएगा, उसका हाथ काट दिया जाएगा। हूतियों को अपने कामों की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

इसके बाद हूतियों ने इस्राइल पर मिसाइल हमला किया। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने मिसाइल को रोकने की कोशिश की, लेकिन कोशिश सफल न हुई। हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। वहीं हूतियों ने इस्राइली हमलों की बात स्वीकार की, लेकिन नुकसान की जानकारी नहीं दी। हूतियों के सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने दावा किया कि उनके वायु रक्षा बलों ने इस्राइलियों का बेहतर तरीके से सामना किया।

हूती विद्रोही लाल सागर में लगातार कर रहे हमले : यमन के हूती विद्रोही पिछले कई महीनों से इस क्षेत्र में वाणिज्यिक और सैन्य जहाजों को निशाना बना रहे हैं। उनका दावा है कि वे गाजा में इस्राइल के हमले के विरोध में ऐसा कर रहे हैं। एक जानकारी के मुताबिक, नवंबर 2023 से जनवरी 2025 तक हूतियों ने 100 से ज्यादा जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। इनमें से दो जहाज डूब गए और चार नाविकों की मौत हुई। इस कारण लाल सागर के व्यापार मार्ग पर असर पड़ा, जहां हर साल लगभग 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार होता है।

हूतियों की स्थिति, यमन में गृहयुद्ध : बता दें कि, मार्च 2025 में अमेरिका ने हूती ठिकानों पर बड़ा हवाई हमला किया था, जिसके बाद हूतियों ने अपनी खुद के घोषित संघर्ष विराम को तोड़ दिया। हालांकि इसके बाद से उन्होंने सीधे किसी जहाज को नहीं निशाना बनाया, लेकिन इस्राइल की ओर मिसाइलें दागी जाती रही हैं। उधर, यमन में पिछले 10 वर्षों से चल रहा गृहयुद्ध- हूती विद्रोहियों और निर्वासित यमनी सरकार के बीच- अब भी सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के समर्थन से जारी है। लेकिन युद्ध एक तरह के जमीनी गतिरोध में फंसा हुआ है।

नेपाल: मादक पदार्थ तस्करी में दो भारतीय और दो नेपाली गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में मादक पदार्थ की तस्करी करने की दो अलग-अलग घटनाओं में भारत के दो नागरिकों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रविवार को एक गुप्त सूचना के आधार पर बिहार की 45-वर्षीय एक भारतीय महिला और पूर्वी नेपाल के मोरंग जिले के दो नेपाली नागरिकों को प्रतिबंधित सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया।

नेपाल पुलिस के 'नारकोटिक ड्रग्स कंट्रोल ब्यूरो' के अनुसार, आरोपियों की पहचान भारतीय महिला हसीना खातून के रूप में हुई है। वहीं, नेपाल के नागरिकों की पहचान 38 वर्षीय सुशील बुधाथोकी और 54 वर्षीय कृत्यानंद ठाकुर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि वे 400 ग्राम ब्राउन हेरोइन ले जा रहे थे और उन्हें मोरंग जिले के रंगेली नगर पालिका से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान तीनों को पकड़ने के लिए गोलियां चलाईं और उन्हें गिरफ्तार करने के बाद मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है।

आज नया इतिहास रचेगी योगी सरकार

कौमी पत्रिका

लखनऊ। बस कुछ घंटे और, फिर योगी सरकार नया इतिहास रचेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम 2.0 थीम पर उत्तर प्रदेश में 9 जुलाई (बुधवार) को एक दिन में 37 करोड़ पौधरोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या और आजमगढ़ में पौधरोपण महाभियान-2025 का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम लगाया जाएगा। इसके लिए नर्सरियों व अन्य स्थानों पर 52.43 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी मंत्री जनपदों में रहकर पौधरोपण करेंगे। महाभियान के लिए नामित नोडल अधिकारियों ने आवंटित जनपदों में मंगलवार को पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और वन विभाग के अधिकारियों संग इसे अंतिम रूप भी दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या व आजमगढ़ में पौधरोपण करेंगे। वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना भी विभागीय कार्यक्रम के तहत उक्त जनपदों में पौधरोपण करेंगे। मुख्यमंत्री यहां जनसंवाद भी करेंगे और कार्बन क्रेडिट के तहत सात किसानों को चेक भी प्रदान करेंगे। महामहिम राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मेरठ व ब्रजेश पाठक लखनऊ में पौधरोपण करेंगे। इसके अतिरिक्त सभी कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्री जनपदों में पहुंचकर एक पेड़ मां के नाम लगाएंगे। इसके अलावा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्री भी विभिन्न जनपदों में जाकर पौधरोपण कराएंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगने वाले पौधरोपण महाभियान-2024 (एक पेड़ मां के नाम) के लिए नामित अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव स्तर के अफसरों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। सभी जनपदों के नोडल अधिकारियों ने मंगलवार को जनपदों में पहुंचकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

मुख्यमंत्री ने किया 'हाउस ऑफ हिमालयाज' आउटलेट का उद्घाटन

कौमी पत्रिका

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड निवास परिसर में 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के आउटलेट का उद्घाटन किया। यह आउटलेट उत्तराखण्ड की पारंपरिक धरोहर और जैविक उत्पादों को राष्ट्रीय राजधानी में संगठित रूप में प्रस्तुत करने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। इसके माध्यम से न केवल राज्य की समृद्ध लोकसंस्कृति को देश के सामने लाया जाएगा, बल्कि स्थानीय उत्पादों को नए बाजार भी प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल राज्य सरकार की उस दूरदृष्टि का परिणाम है, जिसका उद्देश्य पर्वतीय अंचलों में उत्पादित प्राकृतिक और हस्तनिर्मित वस्तुओं को वैश्विक पहचान दिलाना है। यह कदम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा और साथ ही स्थानीय कारीगरों व शिल्पकारों को नए अवसर प्रदान करेगा। चारधाम यात्रा को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा स्थानीय उत्पादों की बिक्री को ब?ावा देने हेतु 13 से अधिक प्रमुख स्थानों पर आकर्षक फ्लोर स्टैंडिंग यूनिट्स और रिटेल काउंटर्स नैनी सैनी एयरपोर्ट, पंतनगर एयरपोर्ट, देहरादून हेलीपैड, जीएमवीएन श्री केदारनाथ, बद्रीनाथ, हर्षिल, गुप्तकाशी, कौडियाला, मसूरी, परमार्थ निकेतन (ऋषिकेश), स्नो क्रेस्ट (बद्रीनाथ), एटीआई (नैनीताल) एवं सेंट्रिया मॉल जैसे तीर्थ और पर्यटक स्थलों पर स्थापित किए गए हैं। ये रिटेल काउंटर्स श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। इसके अतिरिक्त, मैरियट मसूरी, ताज देहरादून, एफआरआई व एलबीएसएनएए एवं राष्ट्रीय राजधानी स्थित दिल्ली हाट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भी रिटेल काउंटर्स की स्थापना प्रक्रिया प्रगति पर है। यह पहल न केवल स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिला रही है, बल्कि उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शिल्प कौशल को भी सशक्त रूप से प्रस्तुत कर रही है। सचिव ग्रामीण विकास राधिका झा ने बताया कि 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड ने कम समय में अपनी गुणवत्ता के बल पर विशेष पहचान बनाई है। इसके उत्पाद के साथ-साथ अमे?न और ब्लिंकिट जैसे प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध हैं। अब यह ब्रांड प्रमुख होटल श्रृंखलाओं में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक और पारंपरिक पहचान को ब?ावा देने तथा उच्च श्रेणी के पर्यटकों को

स्थानीय उत्पादों से जो?ने के उद्देश्य से ताज (ऋषिकेश, रामनगर), हयात सेंट्रिक, हयात रीजेंसी (देहरादून), मैरियट (रामनगर), वेस्टिन (नरेन्द्रनगर) और जेपी ग्रुप (मसूरी) जैसे प्रतिष्ठित होटलों के साथ रणनीतिक साझेदारी की गई है। इस पहल के तहत राज्य के विभिन्न प्रमुख होटलों में 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के रिटेल कार्नर्स स्थापित किए गए हैं, जो पर्यटकों को उत्तराखण्ड के विशिष्ट हस्तनिर्मित एवं जैविक उत्पादों की सीधी उपलब्धता प्रदान कर रहे हैं। यह कदम न केवल स्थानीय उत्पादकों और कारीगरों को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रोत्साहित कर रहा है, बल्कि सतत पर्यटन और आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड की ओर भी एक महत्वपूर्ण पहल है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड की अवधारणा को पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के दौरान प्रस्तुत किया गया था। इस ब्रांड के अंतर्गत उत्तराखण्ड के विशिष्ट उत्पाद जैसे बुरांश का शरबत, जंगली शहद, पहा?ी दालें, पारंपरिक मसाले, हस्तनिर्मित वस्त्र एवं अन्य जैविक सामग्री अब एक सुव्यवस्थित रूप में देश के प्रमुख शहरों तक पहुंच सकेंगी। इस अवसर पर सचिव ग्रामीण विकास राधिका झा, उत्तराखण्ड के स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चिकित्सा अधिकारियों को गर्भावस्था के 24 सप्ताह तक के गर्भपात को रिवर्स ट्रैक करने का दिया निर्देश

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव के निर्देशानुसार हरियाणा में लिंगानुपात में सुधार के लिए गठित राज्य टास्क फोर्स (एसटीएफ) की साप्ताहिक बैठक आज यहां स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में अवैध गर्भपात पर अंकुश लगाने तथा 'बेटी बचाओ-बेटी प?ाओ' अभियान के तहत राज्य के लिंगानुपात में और सुधार लाने के प्रयासों को तेज करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। हरियाणा का लिंगानुपात इस वर्ष 7 जुलाई तक सुधरकर 904 हो गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 903 था। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अवैध गर्भपात के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया तथा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इसमें संलिप्त पाए जाने वाले डॉक्टरों के लाइसेंस रद्द करने सहित कठोर दंडात्मक कदम उठाएं। ऐसे ही एक मामले में, अवैध गर्भपात के आरोप में नूंह जिले में दो नर्सिंग होम को सील कर दिया गया। इसके अलावा, सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को अवैध गर्भपात गतिविधियों में लिप्त बीएएमएस डॉक्टरों और झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने और हर हफ्ते एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र स्तर पर लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप मई की तुलना में जून में जन्म पंजीकरण के आंक?ों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अभियान को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव ने वरिष्ठ अधिकारियों को आशा और आंगनवा?ी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर, खासकर जिला पलवल, नूंह, गुरुग्राम और फरीदाबाद के झुग्गी-झोप?ियों और कम आय वाले क्षेत्रों में अपंजीकृत बच्चों की पहचान करने और उनका पंजीकरण करने का निर्देश दिया। इसका लक्ष्य एक महीने के भीतर सभी लंबित पंजीकरण पूरा करना है। बैठक में एसीएस ने सीएमओ को गर्भावस्था के 24 सप्ताह तक किए गए गर्भपात की रिवर्स ट्रैकिंग शुरू करने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य ऐसी प्रक्रियाओं में शामिल चिकित्सकों की पहचान करना तथा उल्लंघन के मामलों में सख्त कार्रवाई शुरू करना है। रिवर्स ट्रैकिंग के लिए एक व्यापक प्रक्रिया पहले ही सभी सीएमओ के साथ साझा की जा चुकी है। आईवीएफ केन्द्रों के विनियमन के संबंध में, टास्क फोर्स ने निर्णय लिया कि एक या दो बच्चों वाले दम्पतियों को आईवीएफ के माध्यम से दूसरा बच्चा चाहने पर जिला समुचित प्राधिकारी से पूर्व अनुमति लेनी होगी। बैठक में यह भी बताया गया कि अवैध मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) केंद्रों पर क?ी कार्रवाई के कारण राज्य भर में लगभग 500 ऐसे केंद्र बंद कर दिए गए हैं। इसके कारण पिछले दो महीनों में वैध एमटीपी में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि 'बेटी बचाओ, बेटी प?ाओ' पहल के तहत सार्वजनिक पार्कों में जागरूकता अभियान सक्रिय रूप से चलाए जा रहे हैं तथा मोबाइल अलर्ट के माध्यम से संदेश प्रसारित करने के लिए दूरसंचार कंपनियों की मदद ली जा रही है। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक श्री रिपुदमन सिंह ढिल्लों तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अतिरिक्त निगम आयुक्त ने जांची शहर की सफाई व्यवस्था व विकास कार्यों की गुणवत्ता

यमुनानगर। अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने नगर निगम के विभिन्न वार्डों की सफाई व्यवस्था व विकास कार्यों में इस्तेमाल की गई निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांची। उन्होंने विभिन्न वार्डों में निगम अभियंता, कनिष्ठ अभियंता व सफाई निरीक्षकों के साथ वार्डों का जायजा लिया। उन्होंने सफाई निरीक्षकों को अपने अपने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने और नियमित कचरा उठान के निर्देश दिए। वहीं, नवनिर्मित गलियों की टाइल उखाड़कर उनकी गुणवत्ता जांची। उन्होंने अभियंता शाखा के अधिकारियों को विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। नगर निगम आयुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार शहर की सफाई व्यवस्था व विकास कार्यों की गुणवत्ता जांचने निकले। सबसे पहले अतिरिक्त निगम आयुक्त वार्ड नंबर 15 में छोटी लाइन स्थित राजा राम गली पहुंचे। यहां उन्होंने जेई रामपाल के साथ नालियों व अंडरग्राउंड पाइप लाइन का जायजा लिया। इसके बाद वार्ड 16 के जोगिंद्र नगर, वार्ड 17 के आदर्श नगर कैंप समेत विभिन्न स्थानों पर सफाई व्यवस्था जांची। नाइट स्वीपिंग के साथ बाजारों से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था की जांच की। वार्ड 12 के बाड़ी माजरा में निर्माणाधीन सामुदायिक केंद्र का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके बाद वह जेई रामपाल मान, जेई मनीष, जेई गगन के साथ वार्ड नौ के तेजली रोड में निर्माणाधीन गली में इस्तेमाल निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांची। यहां उन्होंने गली से टाइल उखड़वाई और उसकी गुणवत्ता की जांच की। अतिरिक्त निगम आयुक्त ने इसके बाद वार्ड 11, वार्ड नंबर तीन की उधमगढ़ माजरी व वार्ड 5 की इंदिरा कॉलोनी में भी विकास कार्यों और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था व विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढील व लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कर्मचारी व अधिकारी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करें। हर वार्ड में नियमित सफाई हो। सफाई के बाद सभी स्थानों से कचरा साफ किया जाए। अभियंता शाखा के अधिकारी शहर में किए जा रहे विकास कार्यों पर निगरानी रखें। हर विकास कार्य में उच्च गुणवत्ता की सामग्री इस्तेमाल कराए।

मास्टर एथलीटों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर किया प्रदेश का नाम रोशन

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि किसी भी प्रदेश व देश की तरक्की में उसके स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मन के लोगों का अहम योगदान होता है। इसी परिपाटी पर चलते हुए प्रदेश के मास्टर एथलीटों ने न सिर्फ स्वयं को स्वस्थ रखा बल्कि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर हरियाणा का गौरव भी बढ़ाया है। हमारे मास्टर एथलीट प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं और हरियाणा को ड्रग्स फ्री बनाने में इन एथलीटों का अहम योगदान रहेगा। मंत्री आज पंचकूला में हरियाणा मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित विश्व व नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के विजेता खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा खेलों का पावर हाउस बन चुका है। प्रदेश की खेल नीति देश में सबसे बेहतरीन है। युवाओं की प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रदेश में 2000 खेल नर्सरियां खोली गई हैं, जिनमें 37 हजार से ज्यादा खिलाड़ी अभ्यास कर सफलता की नई गाथा लिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की खेल नीति के बूते हमारे खिलाड़ी ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियन व कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। सरकार भी खिलाड़ियों का पूरा मान व सम्मान कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 से 2014 में प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों पर महज 38 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जबकि वर्ष 2014 से 2024 तक प्रदेश के खिलाड़ियों को पर सरकार ने 592 करोड़ रुपये खच किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार न सिर्फ खिलाड़ियों को आर्थिक मजबूती दे रही है बल्कि खेल के दौरान चोटिल होने पर खिलाड़ियों के इलाज पर 20 लाख रुपये तक खर्च कर रही है। खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खेल एकेडमी खोलने के लिए सरकार किफायती दरों पर खिलाड़ियों को 5 करोड़ रुपये तक का लोन भी मुहैया करवा रही है। खेल मंत्री ने खिलाड़ियों को आश्वासन दिया कि खेल नीति के तहत उन्हें अधिक से अधिक प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस मौके पर हरियाणा एथलेटिक्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय मित्तल, महासचिव श्री रामकिशोर शर्मा व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 जुलाई 2025 को- सीजेएम सुमित्रा कादियान

यमुनानगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुमित्रा कादियान ने बताया कि दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 जुलाई 2025 को शनिवार के दिन आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक मामले, धारा-138 के तहत एनआई एक्ट के मामले, बैंक रिकवरी केस, एमएसीटी मामले, वैवाहिक विवाद मामले, श्रम विवाद मामले, भूमि अधिग्रहण मामले, बिजली और पानी से संबंधित मामले (गैर शमन योग्य मामलों को छोड?र) वेतन और भत्ते तथा पुन- परीक्षण लाभ से संबंधित सेवा मामले, और राजस्व व अन्य सहायक मामले जो कि सुलझाने योग्य हैं इस अदालत में लिए जाएंगे। सीजेएम ने बताया कि आपसी सहमति से हल हो सकने वाले मामलों में राष्ट्रीय लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सस्ता और सुलभ न्याय मिलता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों के माध्यम से लोगों का बिना समय व पैसा गवाएं केसों का समाधान किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों में न तो किसी पक्ष की हार होती है और न ही जीत बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया जाता है। कानूनी सहायता के लिए नालसा के टोल फ्री नंबर-15100 पर सम्पर्क कर सकते है।

PUBLIC NOTICE

Be it known to public at large that my clients SMT. KAWALJEET KAUR W/O LATE SH HAKAM SINGH, R/O NT-1-A, NEW T-BLOCK, NEAR BINDAPUR ROAD, UTTAM NAGAR, D.K. MOHAN GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110059 has severed all her relations with his son MANOHAR SINGH, S/O LATE SH. HAKAM SINGH & with her wife namely RANJEET KAUR W/O SH. MANOHAR SINGH BOTH R/O RZ-1A, NEW T-BLOCK, GALI NO. 5, OM VIHAR, PHASE-2, NEAR ANAND PROPERTY DEALER, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110058. It is hereby inform that MANOHAR SINGH and her wife namely RANJEET KAUR stands debarred from all her moveable and immovable properties whatsoever. Anybody dealing with MANOHAR SINGH and her wife namely RANJEET KAUR will be doing so at his/her own cost and liabilities and my above said clients shall not be responsible or liable.

PRABHA RANI ADVOCATE
Dwarka Court, Lady Bar Room Lawyers Chambers,
Dwarka Court Complex, Sector 10
New Delhi-110075.

NAME CHANGE

I, No. 4576355A, Rank Hav Name Adesh Kumar S/o Budhi Singh presently residing at Vill.Kichha, PO-Kichha, The-Kichha, Dist. Udham Singh (UK)-263148 have changed my minor son's name from Tanisk to Tanishk Kumar DOB: 02.05.2009 vide affidavit dated 05.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Sakuntala Devi is legally mother of No. 4576355A, Rank Hav Name Adesh Kumar presently residing at Vill.Kichha, PO-Kichha, The-Kichha, Dist. Udham Singh (UK)-263148 declare that my name and date of birth has been wrongly written as Sakuntala Devi and DOB: 28.11.1958 but my correct name and date of birth is Shakuntala and Shakuntala and DOB: 01.01.1950 vide affidavit dated 05.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Ovaish s/o Muzammil Hussain R/o R-290/91, 1st Floor, Gali No.12, Ramesh Park, Laxmi Nagar, Delhi-110092 have changed my name to Uwaish Ali permanently

NAME CHANGE

I, Aarav s/o Om Prakash R/o P-56, Gali No.11, Gujjar Bhawan, Delhi-110094, have changed my name to Avyaan Singh permanently

NAME CHANGE

I, Pushpa D/o Chandra Deep Mandal W/o Ram Swarath Mandal R/o H No 1278 2nd Floor Lotus Avenue Sector 43 Gurgaon Haryana 122002 Have Changed My Name to Pushpa Devi for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I, NO-15415881F Rank-HAV Name-NARENDA KUMAR residing at VILL-KHERA (ULAU), PO-HIRANGOAN, TEHSIL-TUNDLA, DIST-FIROZABAD, UTTAR PRADESH-283103, have change my name from NARENDA KUMAR to NARENDAR KUMAR for all future purposes vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I NIKETAN KUMAR S/O VIJAY KUMAR SAH R/O B-3/24, JJ COLONY, RAGHUBIR NAGAR, TAGORE GARDEN. PO TAGORE GARDEN, DSIT WEST DELHI, DELHI-110027 declare that name of my father has been wrongly written as VIJAY SAH in my 10th class educational documents. The actual name of my father is VIJAY KUMAR SAH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Shanthi w/o (existing name of spouse as per change of Next of Kin of Record/ service document) Spouse of Army No. JC768432A Sub Maj Saravanan G R/o 38, Mahalakshmi nagar, Lakshmipuram, Periyakulam Teh, Theni District, Tamilnadu have changed my Name from Shanthi (existing name of spouse as per change of Next of Kin of Record/ service document) to S Shanthi (adopted New Name) vide Affidavit dated 08/07/2025 before Koshadhikari , Jodhpur, Rajasthan, Court (Name and place of the court)

NAME CHANGE

It is for general information that I, AVDHESH KUMAR CHAUDHARY S/o RATTAN CHANDER CHAUDHARY R/o House No. 97, Pocket-7, Sector-22 Rohini, Sultanpuri C-Block, North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of mine has been wrongly written as AVDHESH CHAUDHARY in my minor son namely SAGAR CHAUDHARY aged 13 years in his School Records. The actual name of mine is AVDHESH KUMAR CHAUDHARY, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that, I POOJA BISHT alias POOJA GUSAIN D/o DALVIR SINGH Ex. Wife of UMESH SINGH BISHT R/o 3/335, DAKSHINPURI EXTN., Dr. AMBEDKAR NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110062, declare that I got divorce from my husband vide Court Decree No. HMA No. 600/2022 dated 10.04.2023. Further I remarried with SANDEEP SINGH GUSAIN S/o RATAN SINGH GUSAIN vide serial no.-17 at page number 57 to 64 volume number 189 dated 06.01.2024, further I have changed the name of mine and my minor daughter namely PARIDHI BISHT alias PARIDHI aged 12 and we shall hereafter be known as POOJA GUSAIN and PARIDHI GUSAIN. I also declare the father of my minor daughter may be known as SANDEEP SINGH GUSAIN in future for all purposes.

NAME CHANGE

I, AJEET KAUR HANZRAH W/O GURDEV SINGH resident of D-36, A/1, MANSAROVER GARDEN, DELHI-110015 have changed my name to AJIT KAUR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SALEMA Mother of No-2609303A Rank-HAV Name-DASTAGIR DALAWAI Presently residing at VPO-AMBADAGATTI, TEH-KITTUR, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591112, have changed my name from SALEMA to SALEEMA DALAWAYI for all future purposes vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Riyaz s/o Nawab Ali R/o H.No.1A/33, Ground Floor, NIT Faridabad, Faridabad-121001, Haryana, have changed my name to Riyaz Khan permanently

NAME CHANGE

I, IMAMSAB Father of No-2609303A Rank-HAV Name-DASTAGIR DALAWAI Presently residing at VPO-AMBADAGATTI, TEH-KITTUR, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591112, have changed my name from IMAMSAB to IMAMASAB H DALAVAYI for all future purposes vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, IMAMASAB H DALAVAYI Father of No-2609303A Rank-HAV Name-DASTAGIR DALAWAI Presently residing at VPO-AMBADAGATTI, TEH-KITTUR, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591112, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/04/1956 instead of my correct date of birth as 01/01/1958 vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, SALEEMA DALAWAYI Mother of No-2609303A Rank-HAV Name-DASTAGIR DALAWAI Presently residing at VPO-AMBADAGATTI, TEH-KITTUR, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591112, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 11/02/1964 instead of my correct date of birth as 01/01/1968 vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, K KALIAPPAN father of No-2605481L Rank-HAV Name-VENKATESAN residing at VPO-KAKANGARAI, PS-KANDILI, TEHSIL &DIST-THIRUPATTUR, TAMIL NADU-635654, have changed my name K KALIAPPAN to KALIYAPPAN PERIYAKUZHANDHAI for all future purposes vide Affidavit Dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, KALIYAPPAN PERIYAKUZHANDHAI father of No-2605481L Rank-HAV Name-K VENKATESAN residing at VPO-KAKANGARAI, PS-KANDILI, TEHSIL &DIST-THIRUPATTUR, TAMIL NADU-635654, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/02/1955 instead of my correct date of birth as 15/10/1955 vide affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SUNITA KUMARI W/O SANTOSH KUMAR R/O H.NO-167, SHIVA ENCLAVE, PART-1, GATE NO-1, STREET NO-A7, GARHI BUDHERA ROAD,GARHI HARSARU, GURGOAN, HARYANA-122505, HAVE CHANGED MY NAME TO SUNITA PRAJAPATI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, MANJU BALA W/O SONU SINGH R/O H.NO-254, BASAI ROAD, FIROZ GANDHI COLONY NO- 1, GURGOAN, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO MANJU FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

It is for general information that I, AVDHESH KUMAR CHAUDHARY S/o RATTAN CHANDER CHAUDHARY R/o House No. 97, Pocket-7, Sector-22 Rohini, Sultanpuri C-Block, North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of mine has been wrongly written as AWDESH CHAUDHARY in my minor son namely SAURABH CHAUDHARY aged 16 years in his School Records. The actual name of mine is AVDHESH KUMAR CHAUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I JAVED SIRAJ SAIFI S/o SIRAJUDDIN SAIFI, R/o House No. 1258, Street No 39/7, Jafrabad, Garhi Mendu, PO: Seelampur, DIST: North East Delhi, Delhi - 110053, declare that name of mine and my Father has been wrongly written as JAVED SIRAJ SAFI and SIRAJUDDIN SAFI in my all Educational Documents. The actual name of mine and my Father are JAVED SIRAJ SAIFI and SIRAJUDDIN SAIFI Respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

I, Mohd. Azeem Mansoori S/O Samiullaha Mansoori, R/O RZO 75 Chankiya Place 2, 40 Fita Road, Janakpuri C-1, New Delhi-110059, I have severed all relations and disowned my son namely UZAIR from my all movable-immovable properties due to his misconduct/ misbehavior I will not be responsible for his any acts/deeds in future, if any person dealing with him in future shall be doing so, at his own risk and consequences.

NAME CHANGE

I, STELLA BAI Mother of No-2608759M Rank-HAV Name-T JAYA PAUL Presently residing at THANIVILA VEEDU, VILL-VARUTHATTU, PO-METHUKUMMAL, TEH-VILAVANCODE, DIST-KANYAKUMARI, TAMIL NADU-629172, have changed my name from STELLA BAI to STELLABAI THANGAMANI for all future purposes vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, THANGAMANI Father of No-2608759M Rank-HAV Name-T JAYA PAUL Presently residing at THANIVILA VEEDU, VILL-VARUTHATTU, PO-METHUKUMMAL, TEH-VILAVANCODE, DIST-KANYAKUMARI, TAMIL NADU-629172, have changed my name from THANGAMANI to THANKAMONY PADMANABHAN for all future purposes vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, THANKAMONY PADMANABHAN Father of No-2608759M Rank-HAV Name-T JAYA PAUL Presently residing at THANIVILA VEEDU, VILL-VARUTHATTU, PO-METHUKUMMAL, TEH-VILAVANCODE, DIST-KANYAKUMARI, TAMIL NADU-629172, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/10/1944 instead of my correct date of birth as 01/03/1951 vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, STELLABAI THANGAMANI Mother of No-2608759M Rank-HAV Name-T JAYA PAUL Presently residing at THANIVILA VEEDU, VILL-VARUTHATTU, PO-METHUKUMMAL, TEH-VILAVANCODE, DIST-KANYAKUMARI, TAMIL NADU-629172, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/06/1952 instead of my correct date of birth as 15/05/1949 vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, GOURI SANKAR BEHERA S/o DHUKHISHYAM BEHERA R/o 19/2, OLD CHITRA LINE, DELHI CANTT-110010 in my son's (ABHIJEET BEHERA) school records his date of birth wrongly mentioned as 09/11/2011 instead of his correct date of birth as 09/11/2010.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Sumit S/o Babu Lal R/o D-3/178 Sector-20, Rohini, North West Delhi, Delhi-110086 declare that name of mine and my minor daughter has been wrongly written as Sumit Singh Boodh and Manvee Singh Boodh in my minor daughter Manvee Singh Baudh aged 14 years in her School Records. The actual name of mine and my minor daughter are Sumit and Manvee Singh Baudh.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Sumit S/o Babu Lal R/o D-3/178 Sector-20, Rohini, North West Delhi, Delhi-110086 declare that name of mine, my wife and my minor son has been wrongly written as Sumit Singh Baudh, Anita Singh Baudh and Alok Singh Baudh in my minor son Alok aged 17 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor son are Sumit, Anita and Alok.

NAME CHANGE

I, AFTAAB AHEMAD S/O SABBIR AHMAD resident of H NO C-216/43 STREET NO -7 CHAUHAN BANGAR NORTH EAST DELHI -110053 have changed my name to AFTAB AHMAD for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Deepak Rathore** is purchasing the Property bearing no. RZ-11A/2A, land admeasuring 50 Sq. yards, out of Khasra no. 620, situated in revenue estate of village Nasripur, Delhi State, colony Known as Kailash Puri, Palam Colony, New Delhi-110045 from Mr. Rajinder Singh who is the owner of the abovementioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 18.07.2001 and Intend to mortgage the said property to **Aditya Birla Housing Finance Ltd..** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, Saurabh Kumar, S/o Sh. Uma Shankar Sharma, resident of K-63, Pocket-3, Dwarka Metro Station Sector-16A, NSIT Dwarka, South West Delhi - 110078, hereby declare that I have changed my name and shall henceforth be known as Saurabh Sharma.

NAME CHANGE

I, No-16112398K Rank-NK Name-MAHAVEER SURENDRA KOTE legal Father of ADARSH Presently residing at VPO-HIREKODI, TEH-CHIKODI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591247, have changed my minor son's name from ADARSH to ADARSH MAHAVEER KOTE for all future purposes vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-16112398K Rank-NK Name-MAHAVEER SURENDRA KOTE Father of PURVI Presently residing at VPO-HIREKODI, TEH-CHIKODI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591247, have changed my minor daughter's name from PURVI to PURVI MAHAVEER KOTE for all future purposes vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SHAKUNTALA Mother of No-16112398K Rank-NK Name-MAHAVEER SURENDRA KOTE Presently residing at VPO-HIREKODI, TEH-CHIKODI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591247, have changed my name from SHAKUNTALA to SHAKUNTALA KOTE for all future purposes vide Affidavit dated 08/07/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Ashish Jain** is the owner of Shop Pvt. No. 52 in flat Pvt no. 08, on Ground floor, super admeasuring 486 Sq. ft. without its roof/terrace rights, part of property bearing no. 1288, 1288C, 1289m situated at Vardan House, Chabi Ganj, Kashmere Gate, Delhi -110006 vide Relinquishment Deed dated 15.10.2024 which is registered as Doc no. 2024/19/I/12629 in SRO I Kashmiri Gateand Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गुलज़ार**, **पुत्र:** इसरार, **पता:** गाँव – चिरौड़ी, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.) ने मुकदमा **FIR No. 9698/18 U/s 379 / 411 IPC, थाना: ज्योति नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गुलज़ार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गुलज़ार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 9698/18 U/s 379 / 411 IPC, थाना: ज्योति नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गुलज़ार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री राहुल सैनी
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी–08
कमरा नं. जी–6, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7872/NE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाहबुद्दीन**, **पुत्र:** खैराती, **पता:** 25 फुट रोड, खुशाल पार्क, अरफाला मस्ज़िद, केवा वाली गली, लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र. ने मुकदमा **FIR No. 255/24 U/s 380/457/411/34 IPC, थाना: जगतपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाहबुद्दीन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाहबुद्दीन** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 255/24 U/s 380/457/411/34 IPC, थाना: जगतपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शाहबुद्दीन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आयुषी सक्सेना
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी–05
कोर्ट नं. 07, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/8806/SHD/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर होंगा मुरथल विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम

सोनीपत। दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कुलगुरु प्रोफेसर श्रीप्रकाश सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने बीबीए. (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च) एवं बी.सी.ए. पाठ्यक्रमों को एन.ई.पी. के अनुरूप अंतिम रूप दे दिया है। प्रो. सिंह ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को अब विशिष्ट विषय चुनने के विकल्प के साथ-साथ अंतःविषय एवं बहुविषयीय अध्ययन का अवसर मिलेगा। छात्र अन्य विभागों से माइनर कोर्स कर सकेंगे और अंतिम सत्र में ऑनर्स के साथ-साथ शोध कार्य भी कर पाएंगे। इससे रोजगार के नए द्वार खुलेंगे और छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अपनी योग्यता सिद्ध कर सकेंगे। इस पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देनेके लिए एन.एस.यू.टी. दिल्ली की प्रो. सुजाता सेंगर, जी.जी.एस.आई.पी.यू. के प्रो. अमितप्रकाश सिंह, एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र के प्रो. जितेन्द्र छाबड़ा, प्रो. संजय ढींगरा (गेटवे एजुकेशन), एगर्ग, विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक प्रो. एस.एन. मिश्रा, डीन कॉलेज प्रो. एस.एन. महापात्रा, एन.ई.पी. कोऑर्डिनेटर प्रो. ए.के. सिंह, डॉ. सुमित, डॉ. सुनीतामलिक, और डॉ. राजेन्द्र मलिक की समिति ने गहन मंत्रणा की।

शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक ने किया स्कूलों का औचक निरीक्षण

पलवल। शिक्षा मंत्री हरियाणा महिपाल ढांडा के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग हरियाणा के संयुक्त निदेशक (प्रशासनिक) संजीव कुमार ने जिला पलवल के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वीरांगना झलकारी बाई राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पलवल कैंप में भाषा प्रयोगशाला, विद्यालय भवन व आईसीटी कम्प्यूटर लैब का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने छात्राओं से कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के बारे में प्रश्नोत्तरी किए। उन्होंने कहा कि छात्राओं के प्रशिक्षण के लिए बनाई गई कम्प्यूटर लैब में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। जो कंप्यूटर खराब स्थिति में हैं उन्हें उचित प्रक्रिया के माध्यम से ठीक करवाया जाए, जिससे छात्राओं को कम्प्यूटर का प्रशिक्षण लेने में कोई परेशानी न आए। उन्होंने कक्षाओं में जाकर डिजिटल बोर्ड के प्रयोग की जांच की एवं छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने छात्राओं से संवाद के दौरान कहा कि वे पूरी लगन व मेहनत के साथ की गई पढ़ाई से अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ खेलना भी अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त निदेशक ने आईसीटी लैब तथा भाषा प्रयोगशाला का विद्यार्थियों के विकास के लिए भरपूर प्रयोग करने के लिए निर्देश दिए।

अब जॉब देने वाले बनेंगे गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के विद्याथी: प्रो. नरसी राम बिश्नोई

हिसार। यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने वाधवानी फाउंडेशन की प्रतिष्ठित पहल नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप नेटवर्क (एनईएन) के साथ एक अहम मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) किया है। तीन साल के इस एमओयू से विद्यार्थियों को स्टार्टअप और उद्यमिता की दुनिया में कदम रखने का नया मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने सोमवार को बताया अब हमारे विद्यार्थी नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनेंगे। उन्होंने बताया कि इस साझेदारी का मकसद है विद्यार्थियों में व्यापारिक सोच, नवाचार और व्यावहारिक कौशल विकसित करना। यह एमओयू बिना किसी वित्तीय बोझ के किया गया है। वाधवानी फाउंडेशन के साथ मिलकर हम विद्यार्थियों को व्यावसायिक दृष्टिकोण, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता से युक्त एक नई पीढ़ी के रूप में तैयार कर पाएंगे। यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प की दिशा में भी एक मजबूत प्रयास है।विद्यार्थियों को मिलेगा व्यावसायिक अनुभव, शिक्षकों को प्रशिक्षण वाधवानी फाउंडेशन के प्रतिनिधि अमित सिंह और प्रो. गोपा कुमार ने बताया कि शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को प्रैक्टिस वेंचर के माध्यम से व्यावसायिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

बरात पर जानलेवा हमला,अस्पताल में हुई शादी की रस्में

सोनीपत। सोनीपत के खंदराई गांव में एक विवाह समारोह उस समय हंगामे में बदल गया जब पुरानी रंजिश के चलते दुल्हन के मौसेरे भाई ने बारात पर हमला कर दिया। मारपीट में दूल्हा समेत कई लोग घायल हो गए, जिससे शादी की रस्में अधूरी रह गईं। स्थितिबिगड़ने पर सभी को नागरिक अस्पताल गोहाना लाया गया। अंततः बुजुर्गों की मध्यस्थता से अस्पताल में ही शादी की रस्मे पूरी करवाई गई और वहीं से दुल्हन की विदाई भी हुई। खंदराई निवासी युवती की शादी महेंद्रगढ़ के अटेली मंडी क्षेत्र के ताजपुर गांव निवासी युवक से तय हुई थी। शुक्रवार को सगाई कार्यक्रम के दौरान दुल्हन के मौसेरे भाई की दूल्हे पक्ष से कहासुनी हो गई थी, जिससे उसने रंजिश के चलते रविवार शाम जब ताजपुर से बारात खंदराई पहुंची, तो मौसेरे भाई ने अपने साथियों को बुलाकर बारात स्थल पर दूल्हे व उसके परिजनों पर हमला कर दिया। झगड़े में दूल्हा घायल हो गया और अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तत्काल नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के साथ ही विवाह की आगे की रस्में पूरी करने का निर्णय हुआ।

बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए घोषणा की, कि राज्य सरकार द्वारा जिला कुरूक्षेत्र के गांव ईशरगढ़ स्थित बाबा लक्खी शाह बावड़ी का सौंदर्यकरण करवाया जाएगा। साथ ही गावं में उनके नाम से सामुदायिक केंद्र का निर्माण और एक मूर्ति की स्थापना भी की जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से 31 लाख रूपये और कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार व कुमारी आरती सिंह राव की तरफ से 11-11 लाख रूपये देने की घोषणा की। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि समाज की सहमति से प्रदेश में किसी एक चौक और एक सड़क का नाम बाबा लक्खी शाह वंजारा के नाम पर रखा जाएगा। इसके अलावा, उनके नाम से एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण भी करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह घोषणाएं आज यहां संत कबीर कुटीर पर बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित करते हुए की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बाबा लक्खी शाह वंजारा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज की और से उन्हें आज पगढ़ी पहनाकर जो मान-सम्मान दिया गया है उसे वह कभी कम नहीं होने देंगे और सदैव इस सम्मान को बढ़ाने के लिए कार्य करते रहेंगे। प्रदेशवासियों को बाबा लखी शाह वंजारा जयंती की हार्दिक बधाई एव शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन की आहुति देकर इतिहास में एक अमर गाथा लिखी। उन्होंने कहा कि जब हम भारत की महान संस्कृति, विविधता और बलिदानी परंपरा की बात करते हैं, तो कई महान वीरों की छवि उभरती है, जिन्होंने राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया। बाबा लक्खी शाह वंजारा उनमें से एक थे। वे ऐसे सिक्ख सेवक थे, जिन्होंने गुरु भक्ति और साहस का ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसे युगों-युगों तक याद किया जाता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख इतिहास में बाबा लक्खी शाह वंजारा की कुर्बानियां स्वर्ण अक्षरों में लिखी गई हैं। उन्होंने मुगलों का डटकर मुकाबला किया और धर्म की रक्षा के लिए अभूतपूर्व बलिदान दिया।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाली ज्योति मल्होत्रा को फिर भेजा जेल

एजेंसी

हिसार। अदालत ने पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार की गई यू-टयूबर ज्योति मल्होत्रा को फिर से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। ज्योति की छठी बार पेशी हुई। वीसी के माध्यम से हुई पेशी के दौरान सुनवाई करते हुए अदालत ने उसे फिर से न्यायिक हिरासत में भेजने के निर्देश दिए। हिसार निवासी ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में मई माह में गिरफ्तार किया गया था। भारतीय सेना द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ज्योति द्वारा जासूसी की बात सामने आई थी और उसी दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार करक लिया था। उसे एक बार फिल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इससे पहले भी उसे 4 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। अब 21 जुलाई को फिर से उसकी पेशी होगी। उधर, यू-ट्यूबर ज्योति मल्होत्रा मामले में एक और नया खुलासा हुआ है। आरटीआई के तहत दायर याचिका में सामने आया है कि ज्योति राज्य सरकार के निमंत्रण पर केरल गई थी। केरल सरकार में टूरिज्म मिनिस्टर पीए मोहम्मद रियाज ने भी स्पष्ट किया है कि ज्योति समेत कई ब्लॉगर्स को केरल बुलाया गया था ताकि वे केरल के टूरिज्म को देश और दुनिया में फैला सकें। इनका खर्चा सरकार ने उठाया था। मंत्री के अनुसासर हमने यूट्यूबर्स को अच्छी नीयत के साथ केरल में इनवाइट किया था। इस बारे में सभी जानते हैं। पहले भी ऐसा होता आया है। आपको क्या लगता है कि राज्य सरकार ज्योति को जासूसी के लिए इनवाइट किया और उसे संबंधित सारी मदद दी गई? आरटीआई से सामने आई जानकारी के अनुसार केरल में ज्योति मल्होत्रा ने कोच्चि, कन्नूर, कोझीकोड, अलपुझा, मुन्नार और तिरुवनंतपुरम का दौरा किया था।

दस हजार एकड़ में जंगल सफारी का ड्रीम प्रोजेक्ट जल्द धरातल पर होगा साकार

एजेंसी

चंडीगढ़। अरावली पर्वत श्रृंखला प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण की संवाहक बनेगी। अरावली की पहाडियों पर 10 हजार एकड़ में जंगल सफारी विकसित की जाएगी, जिससे इको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा, साथ रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का जंगल सफारी ड्रीम प्रोजेक्ट है। बतौर मुख्यमंत्री उन्होंने वर्ष 2022 में जंगल सफारी की परियोजना तैयार की थी। विश्व की सबसे बड़ी जंगल सफारी बनाने के लिए उन्होंने देश के साथ विदेशी जंगल सफारी एवं फोरेस्ट क्षेत्रों का दौरा किया, जहां पर वन्य क्षेत्र को वन्य जीवों को संरक्षित करने के लिए तैयार किया गया है। हरियाणा के जंगल सफारी को बेहतरीन बनाने के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ गुजरात के वनतारा जामनगर का दौरा किया और वहां पर वन्य जीवों की सुरक्षा और प्रकृति व पर्यावरण

संरक्षण को लेकर तैयार की परियोजनाओं का अवलोकन किया। मनोहर लाल ने यहां जारी एक जानकारी में बताया कि वन्य जीवों, पक्षियों, प्राकृतिक जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए हरियाणा में जंगल सफारी के लिए 10 हजार एकड़ भूमि चिन्हित की गई है, जिसमें गुरुग्राम में 6000 एकड़ और नूंह में 4000 एकड़ भूमि शामिल है। यही नहीं जंगह सफारी पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। सफारी में विभिन्न प्रकार के पशु, पक्षी और वनस्पतियां होंगी और इसे आधुनिक और टिकाऊ तकनीकों का उपयोग करके विकसित किया जाएगा।

गुरुग्राम में बिजली आपूर्ति क्षमता 6000 से बढ़ाकर होगी 9000 मेगावाट

एजेंसी

गुरुग्राम। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक अशोक कुमार गर्ग के निर्देशानुसार गुरुग्राम के बिजली आपूर्ति के विस्तृत नेटवर्क के बारे में बैठक हुई। निदेशक ऑपरेशन विपिन गुप्ता एवं निदेशक प्रोजेक्ट विनीता सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में गुरुग्राम के विकास के तहत वित्त वर्ष 2034-35 तक एकीकृत प्रणाली योजना तैयार करने के लिए विस्तृत विचार विमर्श हुआ। डीएचबीवीएन एवं एचवीपीएन की इस संयुक्त बैठक के दौरान गुरुग्राम में हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम की प्रसारण प्रणाली एवं दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की वितरण प्रणाली सुदृढ़ करने पर बल दिया। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में गुरुग्राम में 6000 मेगावाट बिजली आपूर्ति क्षमता है। आगामी योजनाओं के विस्तार को देखते हुए इसकी आपूर्ति क्षमता 9000 मेगावाट तक करने की सब-स्टेशन के निर्माण को शीघ्रता से पूर्ण करने तथा अन्य स्थानों पर

योजना बनाने के निर्देश दिए गए। बिजली आपूर्ति की क्षमता बढ़ाने से गुरुग्राम में ओर बेहतर बिजली आपूर्ति हो सकेगी। गुरुग्राम की बिजली मांग को पूरा करने में बिजली निगम सक्षम बना रहेगा। गुरुग्राम के सेक्टर एक से 57 तक पुराने सब स्टेशनों की क्षमता बढ़ाने और नए सब स्टेशन बनाने के बारे में चर्चा की गई। नए सेक्टरों में नए सब स्टेशनों को बनाने के लिए पहले से ही चिन्हित भूमि पर आवश्यक भूमि की पहचान करने और उसके अधिग्रहण की प्रक्रिया को पूरा करने के आदेश दिए। बैठक में बताया गया कि गुरुग्राम के सेक्टर 65, 69, 72, 85, 95 और 107 में 220/ 33 केवी सब स्टेशन बन चुके हैं। सेक्टर-99 में सब स्टेशन निर्माणाधीन है। बिजली आपूर्ति की सुचारूता के तहत सेक्टर-61, 62, 67, 75 ए, 78, 102 और 110 में बिजली आपूर्ति के लिए सबस्टेशन प्रस्तावित हैं।

ग्राम पंचायत स्तर पर वित्तीय समावेशन योजनाओं का संतृप्ति अभियान शुरू - उपायुक्त

एजेंसी

तावडू। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने ग्राम पंचायत स्तर पर वित्तीय समावेशन योजनाओं का संतृप्ति अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि यह अभियान 01 जुलाई से 30 सितंबर तक 3 महीने है। इस अवधि के दौरान बैंक प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना की संतृप्ति के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय मिशन है, जिसका उद्देश्य किफायती तरीके से वित्तीय सेवाओं, जैसे कि बुनियादी बचत और जमा खाते, धन प्रेषण, ऋण, बीमा, पेंशन तक पहुँच सुनिश्चित करना है। इस योजना के तहत, बुनियादी बचत बैंक जमा खाता किसी भी बैंक शाखा या

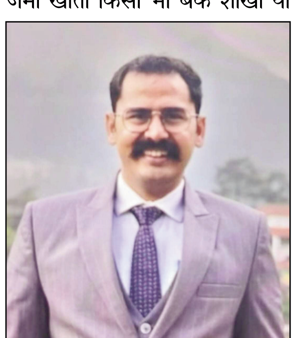

व्यवसाय संवाददाता (बैंक मित्र) आउटलेट में खोला जा सकता है, जिनके पास कोई अन्य खाता नहीं है। उपायुक्त ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना भारत में बचत बैंक खाताधारकों को दी जाने वाली एक वर्षीय नवीकरणीय जीवन बीमा योजना है। 436 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर, यह किसी भी कारण से मृत्यु के मामले में 2 लाख रुपये का जीवन कवर प्रदान करता है। यह योजना 18 से 50 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के लिए उपलब्ध है और इसे बैंकों और डाकघरों के माध्यम से संचालित किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एक भारतीय सरकार द्वारा समर्थित दुर्घटना बीमा योजना है जो व्यक्तियों को किफायती कवरेज प्रदान करती है। मात्र 20 रुपये प्रति वर्ष के प्रीमियम पर, यह दुर्घटना के कारण मृत्यु या विकलांगता कवर प्रदान करती है। यह योजना 18 से 70 वर्ष की आयु के व्यक्तिगत बैंक खाताधारकों के लिए खुली है, जिनका किसी सहभागी बैंक या डाकघर में बचत खाता है। अटल पेंशन योजना भारत में सरकार द्वारा समर्थित पेंशन योजना है जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र में व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। यह ग्राहक के योगदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु के बाद एक हजार से 5 हजार रुपए तक की न्यूनतम मासिक पेंशन की गारंटी देता है। उन्होंने बताया कि अटल पेंशन योजना भारत में सभी बैंक खाताधारकों के लिए खुला है। अटल पेंशन योजना में शामिल होने की आयु पात्रता 18 से 40 वर्ष है। पात्र होने के लिए, व्यक्तियों को आयकर दाता नहीं होना चाहिए और किसी अन्य वैधानिक सामाजिक सुरक्षा योजना का हिस्सा नहीं होना चाहिए। जिले में बैंकों ने सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार अभियान शुरू कर दिया है।

70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग बनवाएं आयुष्मान कार्ड : कंवर पाल

एजेंसी

यमुनानगर। स्वास्थ्य विभाग यमुनानगर के सहयोग से भाजपा जिला कार्यालय यमुना कमल, जगाधरी में 70 वर्ष से अधिक के 5 लाख रूपये तक के सैंकड़ों बुजुर्गों के आयुष्मान वय वंदना आयुष्मान कार्ड मौके पर बनाए गए। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 साल या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा कवरेज शुरू करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि यमुनानगर में 70 या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को उनकी वित्तीय स्थिति की परवाह किए बिना 5 लाख रूपये तक का हेल्थ कवरेज के लिए कार्ड बनाए जा रहें है । उन्होंने बताया कि आयुष्मान वय वंदना स्कीम वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है, जो उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान करती है। इस योजना के माध्यम से वरिष्ठ नागरिक निशुल्क इलाज का लाभ उठा सकते हैं और

स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम हो सकते हैं। भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता व आमजन उपरोक्त स्वास्थ्य संस्थानों पर 70 वर्ष व अधिक आयु वाले बुजुर्गों को अधिक से अधिक संख्या में वय वंदना आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मोदी सरकार की हर योजना को हरियाणा में लागू कर नागरिकों को सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

जनसेवा, संस्कार और प्रशिक्षण के केंद्र हैं भाजपा कार्यालय : डॉ. सतीश पूनिया

एजेंसी

चंडीगढ़। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से भाजपा के जिला कार्यालय झज्जर मंगलम का उद्घाटन किया। दिल्ली में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और झज्जर में पार्टी के प्रदेश प्रभारी सतीश पुनिया ,भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़,कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा मुख्य रूप से मौजूद रहे। पार्टी के प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा के कार्यालय जन सेवा, संस्कार और प्रशिक्षण के केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी जनसेवा की भावना के साथ संस्कार और संस्कृति को देश के विकास के साथ जोड़ रही है, इसलिए केंद्र और हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की असली ताकत बताया।भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देते कहा कि अब झज्जर में पार्टी का संगठन और मजबूत होकर उभरेगा। अब हमारे पास स्थाई कार्यालय है, जहां संगठन के कार्य बेहतर तालमेल के साथ होंगे, पार्टी की मजबूती का आधार आता है। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी जैसे करोड़ों कार्यकर्ताओं ने त्याग और

प्रशिक्षण है । जिला पार्टी कार्यालय में जनसेवा की भावना के साथ संस्कारों को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार उल्लेखनीय कार्य कर रही है, वहीं पार्टी संगठन को भी प्राथमिकता के साथ मजबूत किया जा रहा है। जब कोई भी संगठन जनसेवा के साथ गरीब कल्याण के कार्य करता हो और सभी को साथ लेकर चलता हो तो भाजपा जैसा मजबूत संगठन उभरकर सामने तपस्या से संगठन को सिंचा है। भाजपा का कार्यकर्ता पहले देश, फिर संगठन और बाद में अपने आप को रखता है। प्रदेश के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि भाजपा ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो सरकार की चकाचौंध से दूर रहकर जनसेवा को प्राथमिकता देती है और संगठन की नीतियों को आगे बढ़ाती है। इसलिए जिस राज्य में भाजपा की सरकार बनती है ,वहां बार बार भाजपा की ही सरकार बनती है।

पानीपत में बाढ़ के खतरे से निपटने को लेकर प्रशासन ने तैयारियां की शुरू

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में मानसून के मौसम में बाढ़ के खतरे से निपटने को लेकर प्रशासन ने तैयारियां प्रारंभ कर दी है। जिला सचिवालय सभागार में जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉक्टर किरण सिंह ने सभी खंडों के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों, एबीपीओ, जेई और अन्य अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की व आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीईओ ने कहा कि बाढ़ की तैयारी से संबंधित कार्य धरातल पर दिखाई देना चाहिए। इसके संबंध में अधिकारी उन्हें रोज जानकारी दें। ग्रामीण क्षेत्र में जहां-जहां गढ़े हैं उन्हें भरवाने का कार्य करें ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना ना घटे। आबादी के पास वाले ओवर फलो होने वाले सभी तालाबों की जानकारी रखे। किस-किस खंड में तालाबों की ओवरफ्लो की स्थिति है इसकी भी सूचना एकत्रित करने के उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला परिषद सीईओ ने अधिकारियों से इस बात की भी जानकारी ली कि हमारे पास पानी निकालने के लिए कुल कितने पंप है। कितने की और जरूरत है व कितने पंप सिंचाई विभाग के पास है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनका ध्यान आबादी में पानी ना घुसने पाए इस पर केंद्रित रहना चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग के अधिकारी सचेत रहे। उन्होंने फागिंग

मशीन के बारे में भी जानकारी ली की ये मशीने किस स्थिति में है इस पर रिपोर्ट तैयार कर जमा करवाने के निर्देश दिए। जिला परिषद सीईओ ने स्वास्थ्य विभाग को भी निर्देश दिए कि वो जिले की सीएचसी व पीएचसी में मलेरिया, डेंगू व अन्य बीमारियों से संबंधित किट भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस मौके पर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी शक्ति सिंह, नितिन, प्रोग्राम अधिकारी रण सिंह वर्मा के अलावा एपीओ व जैई मौजूद रहे।

ब्रज मंडल व कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, पीस कमेटी सदस्यों के साथ की बैठक

एजेंसी

तावडू। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मेवात क्षेत्र की 36 बिरादरी का भाईचारा सदियों पुराना है। यहां पर सभी प्रकार के धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन सभी बिरादरी के लोग मिलकर सहयोगपूर्ण तरीके से करते रहे हैं। सावन के पहले आगामी 14 जुलाई को बृजमंडल जलाभिषेक यात्रा व इसके बाद कांवड़ यात्रा जैसे धार्मिक आयोजन होने हैं, जिनके सफल क्रियान्वयन के लिए यहां की सभी बिरादरियों व समाज के लोगों से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा है। इसके साथ ही आईएमटी रोजका मेव में किसानों का धरना-प्रदर्शन भी चल रहा है। जिला प्रशासन के साथ-साथ सभी धर्मों व समाज के मौजिज लोगों का कर्तव्य बनता है कि वे जिला में शांति व सद्भाव बनाए रखने में जिम्मेवारी के साथ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा व पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार संयुक्त रूप से लघु सचिवालय के सभागार में जिला नूंह में आगामी धार्मिक आयोजनों के दृष्टिगत शांति, सुरक्षा एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से जिला स्तरीय पीस कमेटी की अहम बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में विभिन्न

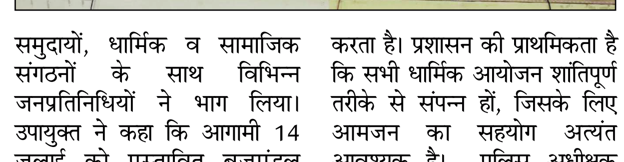

समुदायों, धार्मिक व सामाजिक संगठनों के साथ विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। उपायुक्त ने कहा कि आगामी 14 जुलाई को प्रस्तावित बृजमंडल जलाभिषेक यात्रा तथा इसके उपरांत कांवड़ यात्रा जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजनों की सफल, सुरक्षित और शांतिपूर्ण रूप से संपन्नता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। बृजमंडल जलाभिषेक यात्रा का रूट फाइनल किया जा चुका है। इस संबंध में आयोजन समिति के साथ पहले ही मीटिंग की जा चुकी है। उन्होंने सभी समुदायों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि जिला प्रशासन सभी धार्मिक भावनाओं का सम्मान करता है और सभी वर्गों से सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपेक्षा करता है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि सभी धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हों, जिसके लिए आमजन का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने कहा कि जिला पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती व पुलिस पेट्रोलिंग आदि के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी लोग अफवाहों से बचे और अफवाल वाली सूचना को वैरिफाई जरूर करें।

राज्य तैराकी प्रतियोगिता शुरू, पहले दिन रहा झज्जर जिला का दबदबा

एजेंसी

झज्जर। बहादुरगढ़ स्थित चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी के स्विमिंग पूल में 42वीं सब जूनियर, 52 वीं जूनियर राज्य तैराकी प्रतियोगिता शुरू हो गई। प्रतियोगिता की शुरुआत हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री ने करवाई। प्रतियोगिता के पहले दिन जूनियर और सब जूनियर के मुकाबले हुए। प्रतियोगिता के पहले दिन झज्जर और गुरुग्राम के तैराकों का दबदबा रहा।लड़कों के वर्ग में झज्जर के तैराक जयवर्धन राव ने 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सक्षम ने 800 मीटर फ्री स्टाइल में स्वर्ण पदक जीता। वहीं 400 मीटर फ्री स्टाइल में झज्जर के रोहित लाठर ने स्वर्ण और वीर दलाल ने रजत पदक हासिल किया। 50 मीटर बैक्स्ट्रोक में भी रोहित लाठर ने स्वर्ण, झज्जर के विहान ने रजत और झज्जर के नितेश खत्री ने कांस्य पदक हासिल किया। लड़कियों की 800 मीटर फ्री स्टाइल में रोहतक की हर्षिता ने स्वर्ण पदक हासिल किया। 400 मीटर फ्री स्टाइल में गुरुग्राम की एलिशा सरोहा ने स्वर्ण और ईवा गुप्ता ने रजत और आशिमा सिंह ने कांस्य पदक जीता। पचास मीटर बैक्स्ट्रोक में गुरुग्राम की कियाशा नायर ने स्वर्ण, फरीदाबाद की ग्रेटा ने रजत और जींद की शिवानी ने कांस्य पदक हासिल किया। 400 मीटर फ्री स्टाइल ग्रुप-3 में पलवल के देव ने कांस्य पदक हासिल किया। 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक ग्रुप-1 में कृष जैन ने स्वर्ण और पलवल के रक्षित गोयत ने सिल्वर पदक प्राप्त किया।आईजी पंकज नैन की धर्मपत्नी मेघा चौधरी भी प्रतियोगिता के दौरान विशिष्ट अथिति के तौर पर मौजूद रही और उन्होंने विजेता तैराकों को पदक व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री ने बताया कि राज्य तैराकी प्रतियोगिता छह दिन तक लगातार चलेगी। प्रतियोगिता के आखिरी दो दिन यानी 11 और 12 जुलाई को सीनियर्स के मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के विजेता तैराकी नियमों के तहत नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेंगे ।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से रुपया शुरुआती कारोबार में 22 पैसे चढ़कर 85.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार से स्थानीय मुद्रा को और बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.75 पर खुला। फिर 85.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को 54 पैसे की भारी गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.94 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 97.29 पर आ गया।

सीडीएससीओ ने जारी की 17 खतरनाक दवाओं की सूची

फ्लश करने की दी सलाह, गलत तरीके से इस्तेमाल होने पर हो सकती हैं जानलेवा

नई दिल्ली। कई बार इमरजेंसी में खरीदी गई दवाएं बिना इस्तेमाल के घर में पड़ी रहती हैं और समय के साथ एक्सपायर हो जाती हैं। अधिकतर लोग इन्हें कूड़ेदान में फेंक देते हैं, लेकिन कुछ दवाएं इतनी खतरनाक होती हैं कि उनका गलत हाथों में जाना जानलेवा साबित हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत की शीर्ष दवा नियामक संस्था सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने हाल ही में 17 संवेदनशील दवाओं की सूची जारी की है, जिन्हें अगर घर में पड़ी हों और उपयोग में नहीं आ रही हों, तो तुरंत टॉयलेट में फ्लश कर देना चाहिए। इन दवाओं में फेंटेनिल, ट्रामाडोल, मॉर्फिन सल्फेट, ब्यूप्रेनॉर्फिन, मिथाइलफेनिडेट, टापेन्टाडोल, ऑक्सीकोडोन और डायजेपाम जैसे शक्तिशाली पेनकिलर और एंटी-एंग्जायटी ड्रग्स शामिल हैं। ये सभी नशे की लत पैदा कर सकती हैं और गलत तरीके से इस्तेमाल होने पर जानलेवा हो सकती हैं। सीडीएससीओ ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन 17 दवाओं को छोड़कर अन्य सामान्य दवाओं को टॉयलेट में फ्लश करना पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है। इसके लिए ड्रग टेक-बैक जैसी वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल पहल अपनाने का सुझाव दिया गया है, जिसमें राज्य औषधि विभाग और स्थानीय केमिस्ट शामिल हो सकते हैं। एआईआईएमएस की एक स्टडी के अनुसार, दवाओं को डस्टबिन में फेंकने से वे जल स्रोतों में पहुंचकर मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट बैक्टीरिया को जन्म देती हैं, जो न इंसानों के लिए खतरा है, न ही जलीय जीवन के लिए सुरक्षित।

ऐप्पल की नई आईफोन 17 सीरीज जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली। ऐप्पल अपनी नई आईफोन 17 सीरीज को सितंबर में लॉन्च कर सकता है। कंपनी चार मॉडल पेश करेगी -आईफोन 17, आईफोन 17 प्रो, आईफोन 17 प्रो मैक्स और एक बिल्कुल नया आईफोन 17 स्लीम। सभी मॉडल आईओएस 26 पर चलेंगे, जिसमें नया लिक्विड ग्लास इंटरफेस और कई अनोखे फीचर्स शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईफोन 17 प्रो और 17 प्रो मैक्स में लेटेस्ट ए19 प्रो चिपसेट होगा, जिसे टीएसएमसी की थर्ड जनरेशन 3एनएम टेक्नोलॉजी पर तैयार किया गया है। इससे बेहतर परफॉर्मेंस और बैटरी एफिशियंसी की उम्मीद है। डिज़ाइन में भी बड़े बदलाव की चर्चा है। आईफोन 17 प्रो के रियर पैनल पर एप्पल लोगो की जगह थोड़ी नीचे शिफ्ट की जा सकती है, जिससे मेगसेफ मैग्नेट के लेआउट में बदलाव होगा। इस मॉडल में एल्यूमीनियम फ्रेम हो सकता है, जो आईफोन 15 और 16 प्रो के टाइटेनियम फ्रेम से अलग होगा। कैमरा बंप भी बड़ा और रेक्टेंगुलर आकार का होने की संभावना है, हालांकि लेंस का ट्रायंगल लेआउट बरकरार रह सकता है। आईफोन 17 प्रो एक नए स्काई ब्लू रंग में भी आ सकता है। आईफोन 17 प्रो मॉडल्स में 12जीबी रैम मिलने की अफवाह है, जो मौजूदा 8जीबी से ज्यादा है और इससे मल्टीटास्किंग और एआई फीचर्स के इस्तेमाल में मदद मिलेगी। साथ ही, एप्पल अपने खुद के वाय-फाय 7 चिप पर भी काम कर रहा है, जो इन नए आईफोन मॉडल्स में ब्रॉडकॉम चिप्स की जगह ले सकता है। कैमरा सिस्टम में भी अहम अपग्रेड की चर्चा है। फ्रंट कैमरा 12एमपी से बढ़कर 24एमपी का हो सकता है। वहीं, रियर में टेलीफोटो लेंस 12एमपी से 48एमपी तक अपग्रेड होने की उम्मीद है। 8के वीडियो रिकॉर्डिंग सपोर्ट और डुअल वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे फीचर्स भी जोड़े जा सकते हैं।

अमेरिका से व्यापार समझौते में भारत को बरतनी चाहिए सतर्कता : जीटीआरआई

नई दिल्ली। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा है कि अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देते समय भारत को अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए। संस्थान ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यापार मॉडल मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने का नहीं, बल्कि अन्य देशों पर जवाबी शुल्क का दबाव बनाकर समझौते कराने का है। जीटीआरआई के अनुसार, अमेरिका ने शुल्क लागू करने की समय-सीमा 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त कर दी है, जिससे देशों को अंतिम तीन सप्ताह का समय मिल गया है। अमेरिका ने जिन 14 देशों को पत्र भेजकर चेताया है, उनमें भारत फिलहाल शामिल नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट संकेत है कि भारत भी दबाव में आ सकता है। जीटीआरआई के संस्थापक ने बताया कि ट्रंप प्रशासन ने जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, बांग्लादेश, थाईलैंड मेत कई देशों पर 25 फीसदी से 40 फीसदी तक शुल्क लगाने की घोषणा की है। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है और अमेरिका में उपभोक्ता कीमतों में वृद्धि संभव है।

'नो पाम ऑयल' लेबल सिर्फ मार्केटिंग चाल, हेल्थ फैक्ट नहीं : आईएफबीए

नई दिल्ली। इंडियन फूड एंड बेवरेज एसोसिएशन (आईएफबीए) ने मंगलवार को चिंता जताई कि उपभोक्ता उत्पादों पर अचानक 'नो पाम ऑयल' (पाम तेल-मुक्त) लेबल का बढ़ता इस्तेमाल भ्रामक है और सिर्फ एक मार्केटिंग हथकंडा है। एसोसिएशन ने चिंता जताते हुए कहा कि यह उपभोक्ताओं को गलत जानकारी दे रहा है।

भारत में 19वीं सदी से पाम ऑयल का इस्तेमाल हो रहा है, फिर भी इसे लेकर गलतफहमियां बनी हुई हैं। यह किफायती, बहुउपयोगी और लंबी शेल्फ लाइफ वाला तेल है, जिसका इस्तेमाल वैश्विक ब्रांड्स खाद्य उत्पादों में करते हैं। आईएफबीए ने चेतावनी दी कि लोग सोशल मीडिया ट्रेंड्स के आधार पर भोजन चुन रहे हैं, न कि वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर। एसोसिएशन ने उपभोक्ताओं को सलाह दी कि वे पोषण की पूरी समझ के बिना झूठी जानकारी फैलाने वाले इन्फ्लुएंसर्स की सलाह न मानें।

आईएफबीए के अनुसार, 'पाम ऑयल फ्री' जैसे लेबल अब विश्वसनीय पोषण सलाह की जगह ले रहे हैं। ये लेबल उपभोक्ताओं की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का फायदा उठाने के लिए मार्केटिंग रणनीति के रूप में इस्तेमाल हो रहे हैं, खासकर फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स उद्योग में हैं।' आईएफबीए के चेयरपर्सन दीपक जॉली ने कहा, 'पाम ऑयल संतुलित आहार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 'नो पाम ऑयल' जैसे लेबल विज्ञान के बजाय मार्केटिंग को प्राथमिकता देकर उपभोक्ताओं को भटकाते हैं।'

उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय के आहार दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए यह बात कही। जॉली ने आगे कहा, ÷ये बातें समग्र पोषण संतुलन के महत्व से ध्यान भटकाती हैं और भारत के आत्मनिर्भरता के प्रयासों को कमजोर कर सकती हैं, जिससे अंततः सभी हितधारकों - किसानों और उत्पादकों से लेकर उपभोक्ताओं और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तक को नुकसान होगा।'

भारत में हर साल 26 मिलियन टन खाद्य तेल की खपत होती है, जिसमें 9 मिलियन टन पाम ऑयल शामिल है। आईएफबीए की वैज्ञानिक और नियामक मामलों की निदेशक शिल्पा अग्रवाल ने कहा, 'आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन के डायटरी गाइडलाइंस 2024 में पाम ऑयल में मौजूद टोकोट्रिनॉल्स को कोलेस्ट्रॉल कम करने और हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बताया गया है। यह विज्ञान है, अनुमान नहीं।' आईएफबीए ने सरकार की नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल्स-ऑयल पाम पहल की सराहना की, जिसके तहत 11,040 करोड़ रुपए के निवेश से पाम की खेती बढ़ाई जा रही है।

सोना गिरा, चांदी की कीमतों में उछाल

- सोने के भाव 97,100 रुपए, जबकि चांदी लगभग 1,08,400 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत नरमी के साथ हुई जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मंगलवार को सोने के भाव 97,100 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,08,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन सोने के भाव बाद में गिर गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 98 रुपये की गिरावट के साथ 97,172 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,270 रुपये था। फिलहाल यह -152 रुपये की गिरावट के साथ 97,118 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 177 रुपये की तेजी के साथ 1,08,498 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,08,321 रुपये था। अभी यह 117 रुपये की तेजी के साथ 1,08,438 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,348.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,342.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 3,341.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.95 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.90 डॉलर था। इस समय यह 0.15 डॉलर की तेजी के साथ 37.05 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

प्रमुख यूनियन की हड़ताल से पूरे भारत में बैंकिंग सेवाएं हो सकती हैं बाधित: बैंक ऑफ बड़ौदा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। पब्लिक सर्विस सेक्टर जैसे बैंकिंग, इंश्योरेंस, पोस्टल और कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में काम करने वाले 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारियों ने बुधवार यानी 9 जुलाई को भारत बंद का आह्वान किया है।

इन क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारी राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर जाने वाले हैं। कर्मचारियों की इस हड़ताल से देश की कई सेवाएं बाधित हो सकती हैं। 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगियों के एक मंच हड़ताल को लेकर ऐलान किया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि बुधवार को पूरे भारत में बैंकिंग सेवाएं बाधित हो सकती हैं, क्योंकि प्रमुख बैंक यूनियनें राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल में शामिल होने की तैयारी कर रही हैं।

एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने चेतावनी दी है कि अगर हड़ताल होती है तो भले ही बैंक सामान्य परिचालन बनाए रखने का प्रयास कर रहा हो, इसकी शाखाओं और कार्यालयों के कामकाज पर असर पड़ सकता है। हड़ताल का नोटिस ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉईज एसोसिएशन (एआईबीईए), ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईबीओए) और बैंक एम्प्लॉई फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीईएफआई) के महासचिवों द्वारा दिया गया, जिन्होंने भारतीय बैंक संघ को सूचित किया कि उनके सदस्य विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे।

कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हड़ताल का आह्वान करने वाली यूनियन सरकार की कॉर्पोरेट समर्थक नीतियों, हाल के श्रम कानून सुधारों और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों के निजीकरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही हैं।

श्रमिकों की मुख्य मांग है कि सरकार को बेरोजगारी दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। इन मांगों में रिक्त स्वीकृत पदों को भरने, अधिक रोजगार अवसर पैदा करने, मनरेगा कार्यदिवसों को बढ़ाने और वेतन वृद्धि बढ़ाने जैसी बातें शामिल हैं। ट्रेड यूनियन की मांग है कि शहरी क्षेत्रों के लिए भी मनरेगा जैसी योजना लाई जाए।

श्रमिकों की मांग है कि सरकार रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को भी संबोधित करे। यह हड़ताल पहले मई के लिए निर्धारित थी, लेकिन राष्ट्रीय घटनाओं के कारण इसे आगे के लिए पोस्टपोन कर दिया गया।

अदाणी ने 4,000 करोड़ में खरीदी दिवालिया बिजली कंपनी

– अब क्षमता बढ़कर हुई 18,150 एमडब्ल्यू

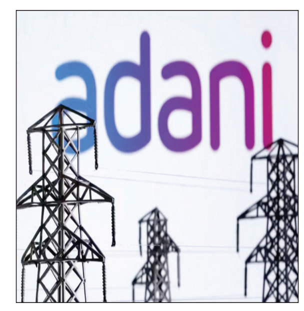

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अदाणी पावर लिमिटेड ने विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड (वीआईपीएल) का अधिग्रहण कर लिया है। यह अधिग्रहण 4,000 करोड़ रुपए में किया गया है। वीआईपीएल लि 2गु?णित 300 मेगावॉट की कोयला आधारित थर्मल पावर प्रोजेक्ट है जो बुटीबोरी, नागपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है। वीआईपीएल दिवालिया प्रक्रिया के तहत थी, जिसे इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के तहत चलाया जा रहा था। अदाणी पावर की समाधान योजना को मुंबई एनसीएलटी ने 18 जून 2025 को मंजूरी दी थी। इसके बाद, यह योजना 7 जुलाई 2025 को लागू कर दी गई। इस अधिग्रहण के साथ अदाणी पावर की कुल उत्पादन क्षमता अब 18,150 मेगावॉट हो गई है। कंपनी अब बेस लोड पावर की क्षमता को बढ़ाने के लिए कई और प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। इनमें 6 अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट्स (1,600 एमडब्ल्यू प्रत्येक) शामिल हैं जो मध्य प्रदेश (सिंगरौली-महान), छत्तीसगढ़ (रायपुर, रायगढ़, कोरबा), राजस्थान (कवाई) और उत्तर प्रदेश (मिर्जापुर) में बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा, 1,320 मेगावॉट की एक और अधिग्रहित परियोजना कोरबा में भी फिर से शुरू की जा रही है। इन सभी योजनाओं के साथ कंपनी का लक्ष्य है कि वह 2030 तक कुल 30,670 मेगावॉट की क्षमता हासिल कर ले।

भारतीय आईटी सेक्टर में पहली तिमाही में धीमी वृद्धि देखने को मिलेगी : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। भारतीय आईटी सर्विस सेक्टर में वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में वृद्धि के नरम रहने की उम्मीद है। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। फाइनेंशियल सर्विस फर्म इक्विरस सिक्योरिटीज ने अपनी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में कहा कि आईटी कंपनियों की आय तिमाही आधार पर मिश्रित रहने की उम्मीद है। यह रिपोर्ट लार्ज-कैप आईटी कंपनियों में इंफोसिस और टेक महिंद्रा और मिड-कैप कंपनियों में जेनसार, एमफैसिस और केपीआईटी ईक्लर्क्स को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। फर्म की रिपोर्ट इंफोसिस के वित्त वर्ष 2026 की बिक्री वृद्धि मार्गदर्शन में कुछ प्रकार के संशोधन और टॉप छह लार्ज-कैप आईटी कंपनियों को लेकर वृद्धि नरम रहने की जानकारी देती है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'इंफोसिस अमेरिकी डॉलर की बिक्री में 1.0-3.25 प्रति सीसी वृद्धि का मार्गदर्शन करेगी, जो कि मुख्य रूप से लगभग 0.4 प्रतिशत (0-3 प्रतिशत की पूर्व वृद्धि मार्गदर्शन) की इंक्रीमेंटल इनऑर्गेनिक ग्रोथ योगदान को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 26 (अनुमानित) के लिए 20-22 प्रतिशत के अपने ईबीआईटीएम मार्गदर्शन में कोई बदलाव नहीं करेगी।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'टॉप 6 लार्ज कैप वित्त वर्ष 26ई की पहली तिमाही में सीसी शर्तों में अमेरिकी डॉलर की बिक्री में (-) 2.6 प्रतिशत से 1.4 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर्ज करेंगे। इक्विरस सिक्योरिटीज को टॉप 6 लार्ज कैप में 120-230 बीपीएस तिमाही की सीमा में हाई क्रॉस-करेंसी टेलविंड की उम्मीद है।' हालांकि, फर्म को कुछ मिडकैप आईटी/बीपीओ सर्विस कंपनियों से स्वस्थ बिक्री प्रदर्शन की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

– सेंसेक्स 270 और निफ्टी 61 अंक उछला

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 270.01 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,712.51 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी इंडेक्स भी 61.20 अंकों की तेजी के साथ ही 25,522.50 अंकों पर बंद हुआ। गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 18 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि शेष सभी 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से 27 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि शेष सभी 23 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 3.40 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि टाइटन के शेयर आज सबसे ज्यादा 6.17 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज एशियन पेंट्स 1.69 फीसदी, एनटीपीसी 1.64 फीसदी, बीईएल 1.20 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.94 फीसदी, एसबीआई 0.72 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.72 फीसदी, इंफोसिस 0.69 फीसदी, एलएंडटी 0.68 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.64 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.64 फीसदी, पावरग्रिड 0.63 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.55 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.54फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.42 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.31 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर ट्रेंट के शेयर में 1.12 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.85 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.81 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.72 फीसदी, सनफार्मा 0.41 फीसदी, टाटा स्टील 0.28 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.16 फीसदी, टीसीएस 0.16 फीसदी, भारती एयरटेल 0.11 फीसदी, एचसीएल टेक 0.11 फीसदी।

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में बढ़त के बीच ही घरेलू बाजार गिरावट के साथ लगभग सपाट स्तर पर खुला। अमेरिकी व्यापार नीतियों पर अनिश्चितता के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। सेंसेक्स 50 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 83,387.03 पर खुला जो 10.05 अंक की गिरावट लेकर 83,432.45 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी-50 भी मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में लगभग सपाट लेवल 25,427.85 पर खुला। एशियाई बाजार मिलीजुली शुरुआत के बाद बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। जापान के निक्केई 225 बेंचमार्क में 0.21 फीसदी की बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.13 फीसदी ऊपर आया। ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 बेंचमार्क में रिजर्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया के ब्याज दर निर्णय से पहले 0.21 फीसदी की वृद्धि हुई। हांगकांग के हैंग सेंग में 0.17 फीसदीकी वृद्धि हुई।

भारतीय निर्यातकों ने टैरिफ वृद्धि की समयसीमा 1 अगस्त तक बढ़ाने के अमेरिकी फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निर्यातकों ने आयात पर टैरिफ बढ़ोतरी को 9 जुलाई से 1 अगस्त तक स्थगित करने के अमेरिकी फैसले का स्वागत किया है, क्योंकि इससे व्यापार मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत के लिए अधिक समय मिलेगा।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईईओ) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने को स्थगित करना अमेरिका की अपने व्यापारिक भागीदारों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने की इच्छा को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'यह बातचीत के लिए अतिरिक्त समय प्रदान करता है, जो हमारे वार्ताकारों को शेष विवादास्पद मुद्दों को सुलझाने में मदद कर सकता है।'

सहाय ने आगे कहा कि अगर अमेरिका इस महीने के अंत तक कम से कम वस्तुओं पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देता है तो एक दर्जन देशों को कवर करने वाले प्रस्तावित टैरिफ भारत को अधिक तुलनात्मक लाभ प्रदान कर सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने पहले कहा था कि वाशिंगटन कई व्यापार सौदों पर समझौते तक पहुंचने के करीब है क्योंकि अंतिम समय में विभिन्न देशों से बहुत सारे प्रस्ताव आए हैं। उनकी टिप्पणियों से डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा कई बड़े व्यापार सौदों की घोषणाओं का संकेत मिलता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बेसेंट ने कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हमारे कुछ व्यापारिक साझेदारों को पत्र भेजकर कहेंगे कि अगर आप चीजों को आगे नहीं बढ़ाते हैं तो 1 अगस्त को आप अपने 2 अप्रैल के टैरिफ स्तर पर वापस आ जाएंगे। इसलिए मुझे लगता है कि हम बहुत जल्दी बहुत सारे सौदे देखेंगे।' ट्रंप ने वियतनाम और चीन सहित कई व्यापार सौदों की घोषणा की है। उन्होंने पिछले महीने कहा था कि अमेरिका और भारत एक समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारत का उच्च स्तरीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी अधिकारियों के साथ व्यापार वार्ता के बाद कृषि और डेयरी उत्पादों के व्यापार के संवेदनशील मुद्दे पर अंतिम समझौते पर पहुंचे बिना वाशिंगटन से लौट आया है।

हालांकि, अभी भी उम्मीद की एक किरण है कि भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी की समय सीमा शुरू होने से पहले दोनों देशों में उच्चतम राजनीतिक स्तर पर एक अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौता हो सकता है। अमेरिका अपने कृषि और डेयरी उत्पादों के लिए अधिक पहुंच चाहता है, जो एक बड़ी बाधा है, क्योंकि भारत के लिए, यह देश के छोटे किसानों की आजीविका का मुद्दा है और इसलिए एक संवेदनशील क्षेत्र है।

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

ललित गर्ग

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है।

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक घटनाओं को उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है।

भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राजील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया।

भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरूआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरूआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, 'बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है।

भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक वैश्विक संतुलन स्थापित हो रहा है और अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। ब्रिक्स का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुध्रुवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बढ़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है।

संपादकीय

विवाद पर संदेह

मई में भारतझपाकिस्तान के दरम्यान हुई झड़पों के बाद फ्रांस निर्मित राफेल जेट विमानों के विषय में संदेह फैलाने के लिए चीन ने अपने दूतावासों को तैनात किया था। फ्रांसीसी सैन्य व खुफिया अधिकारियों द्वारा निकाले गए निष्कर्ष के आधार पर बताया जा रहा है, फ्रांस के प्रमुख लड़ाकू विमान की प्रतिष्ठा व बिक्री को क्षति पहुंचाने का बीजिंग प्रयास कर रहा है। बिक्री को कमजोर करने के पीछे उद्देश्य बताया जा रहा है, कि खरीद का आर्डर देने वाले, खासकर इंडोनेशिया इन्हें अधिक न खरीदें। इसके उलट अन्य संभावित खरीदार चीन निर्मित विमान चुनने को प्रोत्साहित हों। राफेल समेत अन्य तमाम हथियारों की बिक्री फ्रांस के रक्षा उद्योग का प्रमुख कारोबार है, जिससे पेरिस के दुनिया भर के देशों से संबंध प्रगाढ़ होते हैं। इसमें चूंकि एशियाई देश भी शामिल हैं, जहां चीन प्रमुख शक्ति बन रहा है। भारत-पाक में हुए संघर्ष के दौरान पड़ोसी मुल्क की वायु सेना द्वारा पांच भारतीय विमानों को मार गिराने का छद्म प्रचार किया गया था, जिनमें तीन राफेल बताए गए। फ्रांसीसी अधिकारियों का कहना है, इससे जिन देशों ने फ्रांसीसी निमार्ता ड़सॉल्ट एविएशन से विमान खरीदे हैं, उनके प्रदर्शन पर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। भारत द्वारा लड़ाकू विमान के नुकसान की बात स्वीकारी तो गई, मगर कितने या कितना हुआ, इस पर सेना मौन रही। फ्रांसीसी अधिकारी कह रहे हैं, वे प्रतिष्ठा को बचाने का संघर्ष कर रहे हैं। यह पहला ज्ञात युद्ध नुकसान बताया जा रहा है। सोशल मीड़िया पर वायरल पोस्ट, कथित राफेल मलबा, छेड़छाड़. की गयी तस्वीरें, एआई से बनाये कंटेंट व युद्ध का अनुकरण करने वाले वीड़ियो गेम वगैरह इस अभियान का हिस्सा थे। हालांकि बीजिंग रक्षा मंत्रालय की तरफ से इसे निराधार अफवाह ठहराया गया। उनका कहना है, चीन का सैन्य निर्यात विवेकपूर्ण दृष्टिकोण रखता है तथा क्षेत्रीय, वैश्विक शांति व स्थिरता में रचनात्मक भूमिका निभाई है। अपने दावे की पुष्टि के लिए फ्रांस के सैन्य अधिकारी व शोधकर्ता ब्योरा जुटा रहे हैं। सैन्य हथियारों की खरीद-फरोख्त के पीछे दुनिया भर में बड़ी लॉबी यानी पैरवी काम करती है। सरकारों, निर्णयों व नीतियों को प्रभावित करने वाले ये लोग या संगठन बेहत ताकतवर होने के साथ ही गुप्त रूप से चलाए जाते हैं। सरकार को इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। क्योंकि सोशल मीड़िया से प्रभावित होने नागरिकों पर काबू करना मुश्किल होता जा रहा है। साथ ही देश की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता मुस्तकबिल बना या बिगाड़. सकता है।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया।समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदाथरे के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव।

इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

वन्यजीव संकटः टूटती पारिस्थितिकी की कड़ी!

सोनम लववंशी

हमारे देश में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल औपचारिकता बन कर न रह जाए, इसके लिए अब गहराई से चिंतन की आवश्यकता है। इस उत्सव का मूल उद्देश्य वनों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाना है। क्या एक सप्ताह की सक्रियता हमारे घटते वनों की पीड़ा को शांत कर सकती है? भारत एक समय हराभरा देश था। आज ये हरियाली लगातार सिकुड़ती जा रही है। भारतीय वन सर्वेक्षण 2023 की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल वन क्षेत्र लगभग 80.73 मिलियन हेक्टेयर है, जो कि भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का मात्र 24.62 प्रतिशत है। यह आंकड़ा सुनने में बड़ा प्रतीत होता है। जब यह ज्ञात होता है कि इसमें से 12 फीसदी से अधिक क्षेत्र केवल स्क्रब, झाड़ियाँ या क्षतिग्रस्त वन भूमि है, तब स्थिति की गंभीरता स्पष्ट हो जाती है। वैश्विक औसत के मुकाबले भारत वन आच्छादन में अब भी पीछे है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, किसी देश का कम से कम 33 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित होना चाहिए। हमारा लक्ष्य अब भी अधूरा है। वन केवल हरियाली नहीं हैं, ये एक जटिल परिस्थकीय तंत्र का हिस्सा हैं। वन पृथ्वी के फेफड़े हैं, जो वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड लेकर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वनों के कारण वर्षा होती है, मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, भूजल स्तर संतुलित रहता है और जैव विविधता संरक्षित होती है। भारत जैसे देश में जहां कृषि मुख्य व्यवसाय है, वहां वनों का विनाश सीधे तौर पर किसान की आजीविका से जुड़ा होता है। वन कटने से मिट्टी का कटाव बढ़ता है। जल स्त्रोत सूखने लगते हैं। इसका असर खाद्य उत्पादन, पशुपालन और ग्रामीण जीवन की स्थिरता पर गहरा पड़ता है।

आर्थिक विकास के नाम पर सड़कें, रेललाइन, बिजली परियोजनाएं और उद्योग वनों को निगल रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत में विकास परियोजनाओं के चलते 14,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र साफ किया गया है। कई बार यह कटाई उस पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देती है, जिसे बनने में सैकड़ों साल लगे थे। उदाहरण के तौर पर मध्य भारत के जंगलों में पाए जाने वाले बाघ, हाथी, गौर, और अन्य कई प्रजातियों का आवास क्षेत्र सीमित होता जा रहा है। जैव विविधता का यह संकट केवल वन्यजीवों का नहीं, मानव जाति का भी है। बढ़ती वन कटाई और अवैध शिकार का एक दर्दनाक प्रमाण देश में बाघों की लगातार हो रही मौतें हैं। वर्ष 2025 के पहले छह महीनों में ही 107 बाघ अपनी जान गंवा चुके हैं, जिनमें 20 मासूम शावक भी शामिल हैं। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक है और बीते पाँच वर्षों में सबसे भयावह आँकड़ा है।

वर्ष 2021 से अब तक देश में 666 बाघ मृत पाए गए हैं। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सबसे अधिक मौतें दर्ज हुई हैं, जो बताता है कि जंगलों का सिकुड़ता दायरा और मानवीय दखल अब उन प्रजातियों को भी निगल रहा है, जिन्हें हमने कभी ह्यराष्ट्रीय गौरवह्न कहा था। वैसे भी जब एक पारिस्थितिक तंत्र नष्ट होता है, तो उसकी कड़ी में जुड़े सभी अंग प्रभावित होते हैं जिनमें हम भी शामिल हैं। वनों के संरक्षण के लिए सरकारें पौधरोपण अभियान चलाती हैं। प्रश्न यह है कि क्या यह पर्याप्त है? बरसात के मौसम में लगाए गए पौधे जीवित भी रह पाएँ, इसके लिए देखरेख और स्थानीय लोगों की सहभागिता आवश्यक है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगाए गए लगभग 60 प्रतिशत पौधे पहले दो वर्षों में ही सूख जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं। इसका कारण केवल जलवायु नहीं है। प्रशासनिक लापरवाही, देखरेख की कमी और जनमानस में स्वामित्व की भावना का अभाव भी इसकी वजहें हैं।

ह्यचिपको आंदोलनह्न की तरह आज फिर से एक जनआंदोलन की जरूरत है। सोशल मीडिया पर पर्यावरण बचाने की बातें करने से आगे बढ़ना होगा। स्थानीय स्तर पर पौधे लगाने, उन्हें संरक्षित करने और जंगलों को बचाने के ठोस प्रयास करने होंगे। वनों का संकट केवल वन विभाग का विषय नहीं है। यह पूरे

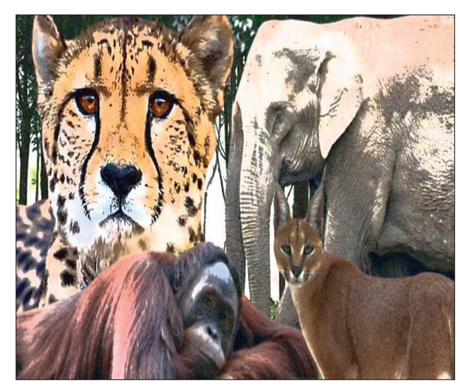

समाज का प्रश्न है। वनों को बचाने के लिए नीति निर्धारण में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। केवल शहरी क्षेत्रों में पौधरोपण कर लेने से पर्यावरण नहीं बचेगा। ग्रामीण और वनवासी क्षेत्रों में मौजूद प्राकृतिक वनों की रक्षा जरूरी है। वनवासी समुदायों का पारंपरिक ज्ञान, जंगल से उनका संबंध, और उनकी जीवनशैली को संरक्षण के केंद्र में लाना होगा। वन महोत्सव का यह सप्ताह महज एक उत्सव नहीं है। यह एक चेतावनी है। समय रहते नहीं चेते तो सांस लेने के लिए हवा भी बाजार में बिकेगी और पानी की एक-एक बूँद के लिए संघर्ष होगा। यह स्वीकार करना होगा कि वन हमारे लिए नहीं, हम वनों के लिए हैं। जब तक यह भाव मन में नहीं आएगा, तब तक कोई भी वन महोत्सव केवल औपचारिक रस्म बनकर रह जाएगा।

जनसंख्या वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी

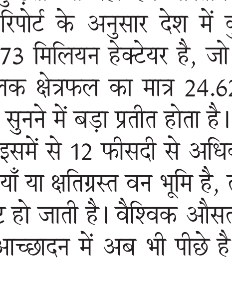

संजय गोस्वामी

जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि से है, और यह हाल के दशकों में दुनिया के सामने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक रहा है। जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ती जा रही है, भोजन, पानी और ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। जनसंख्या में यह तीव्र वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव से लेकर पर्यावरणीय क्षरण तक कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। हम जनसंख्या की घातीय वृद्धि में योगदान करने वाले कारकों, ग्रह पर इस वृद्धि के प्रभावों और इस लगातार बढ़ती समस्या को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक समाधानों की खोज करके जनसंख्या वृद्धि पर कुछ निबंधों पर चर्चा करेंगे। सभी के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के परिणामों को समझना महत्वपूर्ण है।दुनिया के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं में से एक जनसंख्या की घातीय वृद्धि की समस्या है। यह समस्या सबसे बड़ी है। दुनिया के अधिकांश देशों में जनसंख्या के आंकड़ों में भारी वृद्धि देखी जा रही है। दुनिया के संसाधन सीमित हैं और इसलिए वे एक निश्चित सीमा से ज्यादा आबादी का भरण-पोषण नहीं कर सकते। दुनिया भर में खाद्यान्न की कमी और नौकरियों की कमी की खबरें आती रही हैं। मनुष्यों की संख्या स्थिर दर से बढ़ रही है। दुनिया की आबादी पहले ही छह अरब का आंकड़ा पार कर चुकी है और अगले तीन या चार दशकों में इसके दोगुना होने की उम्मीद है।अगर जनसंख्या इसी दर से बढ़ती रही तो अधिक आबादी वाले देशों की अर्थव्यवस्था जनसंख्या वृद्धि का सामना करने में असमर्थ हो जाएगी। सभी के दरवाजे पर शांति, आराम और कल्याण लाने की हर कोशिश नाकाम हो जाएगी और अगर जनसंख्या को उचित सीमा में नहीं रखा गया तो दुख प्रमुख हो जाएगा। कुछ देशों को छोड़कर, सभी देश जनसंख्या वृद्धि का सामना कर रहे हैं। वर्तमान में, दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश चीन है और भारत दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है। भारत दुनिया की 17% आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। बांग्लादेश, जापान, इंडोनेशिया और यूरोप के कुछ देशों जैसे अन्य देशों में जनसंख्या विस्फोट का खतरा है। वर्तमान में, दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जिससे कई चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं। अभी तक, वैश्विक जनसंख्या लगभग 7.6 बिलियन है और 2025 तक 8 बिलियन से अधिक होने की उम्मीद है। यह तीव्र वृद्धि पृथ्वी के संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालती है, क्योंकि ग्रह भोजन, पानी, आवास और नौकरियों की माँगों को पूरा करने के लिए संघर्ष करता है। अधिक जनसंख्या के कारण संसाधनों की कमी, पर्यावरण क्षरण और गरीबी के स्तर में वृद्धि हो सकती है, साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र पर भी दबाव पड़ सकता है।उच्च जन्म दर, परिवार नियोजन तक अपर्याप्त पहुँच, प्रवास और गरीबी जैसे कारक इस समस्या में योगदान करते हैं। बढ़ती जनसंख्या के कारण वनों की कटाई, जैव विविधता का ह्रास और प्रदूषण में वृद्धि होती है, जिससे जलवायु परिवर्तन और भी बदतर हो जाता है। इसे संबोधित करने के लिए, राष्ट्रों को परिवार नियोजन, शिक्षा और संधारणीय प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। केवल प्रभावी रणनीतियों को अपनाकर ही हम आने वाली पीढ़ियों और ग्रह के लिए एक स्थिर, स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी निश्चित अवधि में किसी विशिष्ट क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि से है। दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जो वर्तमान में 7.6 बिलियन के करीब है, और 2025 तक इसके 8 बिलियन को पार करने की उम्मीद है। यह घातीय वृद्धि ग्रह के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करती है, क्योंकि पृथ्वी के संसाधन सीमित हैं और लगातार बढ़ती आबादी को अनिश्चित काल तक सहारा नहीं दे सकते।तेजी से बढ़ती जनसंख्या की मुख्य चिंताओं में से एक यह है कि यह प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव डालती है। अधिक जनसंख्या के कारण अधिक खेती, वनों की कटाई और अत्यधिक पानी की खपत होती है, जिससे पर्यावरण का क्षरण होता है। अधिक लोगों को भोजन, पानी और आश्रय की आवश्यकता होने के कारण, भूमि और पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव बढ़ता है, जिससे आवश्यक संसाधनों का ह्रास होता है। इसके अतिरिक्त, बढ़ती आबादी से बढ़ता कचरा और प्रदूषण जलवायु परिवर्तन में योगदान देता है। परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रह की भविष्य की स्थिरता को खतरा है।जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण मृत्यु दर में कमी और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि है। अतीत में, सीमित स्वास्थ्य सेवा, युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं के कारण जन्म और मृत्यु दर अधिक संतुलित थी। हालाँकि, जैसे-जैसे शिक्षा फैली, लोगों में स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूकता आई और उन्होंने बुनियादी बीमारियों को रोकने और उनका इलाज करने का तरीका है। जनसंख्या वृद्धि में योगदान देने वाला एक अन्य कारक अशिक्षा है। जब लोग कम शिक्षित होते हैं, तो वे पुरानी मान्यताओं और अंधविश्वासों का पालन करते हैं, जिससे स्वास्थ्य और जीवन के बारे में गलतफहमियाँ पैदा होती हैं। शिक्षित लोग जन्म नियंत्रण विधियों से अच्छी तरह वाकिफ होते हैं।परिवार नियोजन, कल्याण कार्यक्रम और नीतियों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। जनसंख्या में वृद्धि सीमित बुनियादी ढांचे पर बहुत अधिक दबाव डाल रही है और किसी भी देश की प्रगति को नकार रही है।अंधविश्वासी लोग मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों से आते हैं, वे सोचते हैं कि बेटा पैदा करने से उन्हें समृद्धि मिलेगी और इसलिए माता-पिता पर तब तक बच्चे पैदा करने का काफी दबाव होता है जब तक कि बेटा पैदा न हो जाए। इससे भारत, बांग्लादेश जैसे अविकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि होती है।गरीबी इसका एक और मुख्य कारण है। गरीब लोगों का मानना है कि परिवार में जितने ज्यादा लोग होंगे, रोटी कमाने वालों की संख्या उतनी ही ज्यादा होगी। इसलिए यह जनसंख्या वृद्धि में योगदान देता है।पड़ोसी देशों से लोगों के लगातार अवैध प्रवास से देशों में जनसंख्या घनत्व में वृद्धि होती है।धार्मिक भावना जनसंख्या विस्फोट का एक और कारण है। कुछ रूढ़िवादी समुदायों का मानना है कि निषेध का कोई भी आदेश या वैधानिक तरीका अपवित्र है।जनसंख्या वृद्धि का लोगों के जीवन स्तर पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। दुनिया भर में अधिक जनसंख्या के कारण मीठे पानी की आपूर्ति की अधिक मांग हो सकती है और यह एक बड़ा मुद्दा बन गया है क्योंकि पृथ्वी पर केवल 3% मीठा पानी है।जनसंख्या की घातीय वृद्धि के कारण पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो रहे हैं। इन संसाधनों की भरपाई इतनी आसानी से नहीं की जा सकती। अगर जनसंख्या वृद्धि पर कोई रोक नहीं लगाई गई तो अगले कुछ सालों में एक दिन ऐसा आएगा जब ये प्राकृतिक संसाधन पूरी तरह से खत्म हो जाएँगे।जनसंख्या वृद्धि के कारण जलवायु परिस्थितियों पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। मानवीय गतिविधियाँ वैश्विक तापमान में परिवर्तन के लिए जनसंख्या वृद्धि जिम्मेदार हैं।संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का उद्देश्य गरीबी को कम करना, स्वास्थ्य सेवा में सुधार करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है।

महिला ने कावड़ पर थूकने का लगाया आरोप, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। सावन का महीना शुरु होने वाला है भगवान शिव के भक्त कावड़ लेकर चलते हैं लेकिन काफी समय से कावड़ यात्रा को लेकर विवाद हो रहे हैं। कई बार कावड़ियों का उग्र व्यव्हार लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता है। यात्रा के दौरान कई अप्रिय घटनाओं के होने का संदेह होता है इसलिए सरकार कावड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम करती है। मुजफ्फरनगर के पुरकाजी कस्बे में एक महिला श्रद्धालु की कांवड़ पर थूकने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह कथित घटना सोमवार की है जब महिला हरिद्वार से गंगा जल लेकर घर लौट रही थी और पुरकाजी में आराम करने रुकी थी। तो उसके कावड़ पर कथित रुप से आरोपी ने थूक दिया। इसके बाद वहां कुछ लोग एकत्र हो गए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामला शांत करवाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के परिवार ने दावा किया कि उनका बेटा मूक-बधिर है और मानसिक रूप से अस्वस्थ है। महिला तीर्थयात्री को यात्रा फिर से शुरू करने के लिए हरिद्वार से लाया गया एक नई कांवड़ उपलब्ध कराई गई। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और कांवड़ यात्रा के दौरान शांति बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शूटर हिमांशु सूद गिरफ्तार, पंजाब पुलिस की स्पेशल टीम की कार्रवाई

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग की टारगेट किलिंग की साजिश को नाकाम कर शूटर हिमांशु सूद को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर की टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर हिमांशु सूद को गिरफ्तार किया है। हिमांशु कपूरथला जिले के फगवाड़ा का निवासी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हिमांशु, दुबई में बैठे लॉरेंस बिश्नोई के करीबी नामित शर्मा के निर्देशों पर काम कर रहा था। हाल ही में हिमांशु और उसके साथियों ने शर्मा के कहने पर हरिद्वार में एक होटल कारोबारी पर गोली चलाई थी। शूटर हिमांशु को मध्य प्रदेश में एक और पंजाब के कपूरथला में दूसरे व्यक्ति की हत्या करने का टारगेट दिया गया था। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने शूटर सूद के पास से दो पिस्तौल (.30 बोर की पीएक्स3 पिस्टल के साथ चार जिंदा कारतूस और एक .32 बोर की पिस्टल के साथ तीन जिंदा कारतूस) और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। अब मामले में थाना स्पेशल सेल (एसएसओसी) अमृतसर में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब इस गैंग के अन्य सदस्यों की पहचान करने और उनके नेटवर्क की जांच कर रही है। डीजीपी यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस संगठित अपराध को खत्म करने और राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। लॉरेंस बिश्नोई जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क से जुड़े गैंगस्टरों के खिलाफ उनका अभियान जारी रहेगा।

नाबालिग का अपहरण कर ट्रेन में किया दुष्कर्म, स्टेशन पर लड़की को छोड़कर भागा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने ने बताया कि इस युवक ने लड़की का अहपरण कर अकोला ले जाते हुए ट्रेन में उसके साथ दुष्कर्म किया। लड़की डोंबिवली इलाके के मनपाड़ा में आदिवली की रहने वाली है। जीआरपी के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने बताया कि 20 साल के आरोपी ने 30 जून को लड़की को ट्रेन से अकोला ले गया और रास्ते में उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि अकोला में रहने वाले युवक के माता-पिता ने उसे और लड़की को अपने घर के अंदर नहीं आने दिया, इसके बाद वह उसे अकोला रेलवे स्टेशन पर छोड़कर घर चला गया। अकोला जीआरपी ने लड़की को स्टेशन पर देखा तो उससे पूछताछ की, जिसके बाद उसने उन्हें अपराध के बारे में बताया। जीआरपी ने जीरो एफआईआर दर्ज की और मामले को स्थानांतरित कर दिया। पुलिस ने बताया कि कल्याण जीआरपी ने रविवार को युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है।

कंगना रनौत पर प्रतिभा सिंह का पलटवार, बोलीं :अपनी जिम्मेदारी नहीं समझती भाजपा सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के दौरान भाजपा सांसद कंगना रनौत के बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद और खेदजनक स्थिति है। मैं भी सांसद रही हूं। मुझे पता है कि भारत सरकार हमें कितना पैसा आवंटित करती है, जो लोगों में बांटा जाता है और यह राहत कार्यों के लिए होता है। चाहे वह कोई आपदा हो या कोई अन्य समस्या, सांसद निधि का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जाता है। प्रतिभा सिंह ने कहा कि मुझे समझ नहीं आया कि यह सब कहते समय उनके मन में क्या था। आज, खासकर मंडी के लोग इस बात का अफसोस कर रहे हैं कि हमने बहुत बड़ी गलती कर दी। बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से मंडी संसदीय क्षेत्र में तबाही मचने के कुछ दिन बाद भाजपा सांसद ने रविवार को क्षेत्र का दौरा किया और राहत कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा था कि राहत और पुनर्बहाली कार्य राज्य सरकार की जिम्मेदारी है तथा एक सांसद केवल प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को स्थिति से अवगत करा सकता है एवं केंद्रीय सहायता का अनुरोध कर सकता है। पलटवार करते हुए सिंह ने कहा, ''मंडी राज्य का सबसे बड़ा संसदीय क्षेत्र है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिमाचल के दो-तिहाई क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली सांसद कह रही हैं कि उनके पास कोई फंड, एजेंसियां ??या कैबिनेट नहीं है।'' सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''ऐसे बयानों से पता चलता है कि कंगना अपने काम को गंभीरता से नहीं ले रही हैं।'' उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद अपनी जिम्मेदारी नहीं समझती हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद का अपमान, कांग्रेस की संकीर्ण, जातिवादी और संविधान विरोधी सोच को दिखाता : गौरव भाटिया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपने बयान पर माफी मांगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने देश की प्रथम महिला आदिवासी राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के लिए आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं, यह दलित और आदिवासी समुदायों का अपमान है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी से माफी की मांग की।

दरअसल भाटिया ने प्रेसवार्ता कर कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद का जानबूझकर अपमान किया है। क्या यह वहीं कांग्रेस पार्टी है जो खुद को संविधान की रक्षक बताती है? जिस पार्टी के नेता हाथ में संविधान की प्रति लेकर जनता के सामने नारे लगाते हैं, वहीं पार्टी के नेता देश के शीर्ष संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों का इस तरह से अपमान करते हैं। इस तरह के बयान कांग्रेस की संकीर्ण, जातिवादी और संविधान विरोधी सोच को प्रदर्शित करते है।

भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि यह बयान आदिवासी, महिला और दलित विरोधी मानसिकता का घिनौना प्रदर्शन है। यह कांग्रेस की गिरी हुई राजनीतिक सोच का उदाहरण है। देश आज इन बयानों पर थू-थू कर रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को निशाने पर लेकर उन्होंने कहा कि मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस में इतनी कटुता और नफरत क्यों भरी हुई है? क्या यह वहीं कांग्रेस है, जो कि दशकों तक सत्ता में रहते हुए वंचित वर्गों के अधिकारों की अनदेखी की?

उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस खुद को पीड़ित दिखाने में जुटी है, जबकि असल में भूमि हड़पने वालों का इतिहास कांग्रेस परिवार से जुड़ा है। जिस तथाकथित नकली गांधी परिवार से रॉबर्ट वाड्रा ताल्लुक रखते हैं, वहीं असल में जमीन कब्जाने का जीवंत उदाहरण है। आज जब एक गरीब, आदिवासी, मेहनतकश महिला देश की राष्ट्रपति बनी हैं, तब कांग्रेस के नेताओं को यह रास नहीं आ रहा।

बीजेपी प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी केवल व्यक्तिगत अपमान नहीं, बल्कि राष्ट्रपति पद की गरिमा का अपमान है। उन्होंने कांग्रेस से माफी की मांग कर कहा कि भारत की जनता अब जाग चुकी है और इसतरह के घृणास्पद विचारों को सिरे से खारिज करेगी। खड़गे का बयान केवल व्यक्तिगत दुर्भावना नहीं है, यह देश की आत्मा और संविधान के मूल मूल्यों पर सीधा हमला है।

गिरिराज सिंह ने... बिहार में अपराधिक घटनाओं को नीतीश कुमार के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र बताया

पटना । बिहार की राजधानी पटना में कारोबारी गोपाल खेमका हत्याकांड पर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय से भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने बड़ा बयान आया है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र बताया है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि राजनीतिक गैंग के जरिए सोची-समझी साजिश के साथ इस तरह के अपराध से बिहार सरकार को बदनाम करने की साजिश हो रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने कहा, नीतीश कुमार को बदनाम करने, आतंक फैलाने, अपराध करने और राजनीतिक समर्थन वाले अपराध को बढ़ावा देने की साजिश रची है। कुछ लोग जानबूझकर नीतीश की छवि खराब करने के लिए इस तरह की हरकतें कर रहे हैं, लेकिन साजिश के पीछे की सच्चाई सामने आने वाली है। एक खास राजनीतिक गिरोह के द्वारा बिहार के कई इलाकों में राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए अशांति फैलाई जा रही है।तेजस्वी यादव के आरोपों पर भी केंद्रीय मंत्री सिंह ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, उछल-उछल कर कुछ लोग पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर जाकर कह रहे थे कि अपराधी अभी तक नहीं पकड़ा गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, बिहार में तेजस्वी कह रहे थे कि जंगलराज है, लेकिन यहां कार्रवाई भी हो रही है। उन्होंने लालू यादव के कार्यकाल को भी याद कराया। लालू के राज में क्या हो रहा था? सीएम हाउस में बैठाकर अपराधियों की पंचायत होती थी। लालू राज में यही हो रहा था। लालू की सरकार में वे अपराधियों को संरक्षित करते थे।

आगे कुआं पीछे खाई : ठाकरे बंधुओं के साथ आने से कांग्रेस की बढ़ी मुसीबत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने से भाजपा को परेशानी बढ़ सकती है और महाराष्ट्र के राजनैतिक समीकरण बदल सकते हैं। ये सब आम आदमी के लिए सोचना बहुत आसान है, लेकिन इसके पीछे जो राजैतिक पंडित अपना आकलन कर रहे हैं वो काफी चौंकाने वाला है। इसमें सबसे ज्यादा दिक्कतें कांग्रेस की बढ़ी है। कहा जा रहा है कि बिहार चुनाव ने भी कांग्रेस की दुविधा और बढ़ा दी है, क्योंकि पार्टी राज ठाकरे के साथ नजर आई, तो इसका असर पड़ सकता है। राज को उत्तर भारतीय विरोधी और हिंदी विरोधी के तौर पर देखा जाता है। कांग्रेस के एक नेता ने कहा, हमें हिंदी पर एक स्पष्ट निर्देश की जरूरत थी। हम खुलकर आंदोलन में सिर्फ इसलिए शामिल नहीं हुए, क्योंकि यह हिंदी विरोधी संदेश देता है। यह सेक्युलरिज्म पर बहस जैसा है। हम बहुत धर्मनिरपेक्षता की बात करते हैं और हमें मुस्लिम समर्थक के तौर पर देखा जाता है। ऐसे में जब हाईकमान से कोई निर्देश नहीं होंगे, तो हम कैसे संदेश आगे बढ़ाएंगे।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता बताते हैं, वो अधूरे मन से दिया गया न्योता था। हमारे नेताओं को बुलाया गया था। एनसीपी कार्यक्रम में गई थी, लेकिन उनका अपमान किया गया। उनके नेताओं को बोलने के लिए भी नहीं बुलाया गया। ठाकरे मराठी आंदोलन का पूरा क्रेडिट लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है कि हम नहीं गए, क्योंकि कांग्रेस हिंदी विरोधी आंदोलन का हिस्सा नहीं थी। अजीबोगरीब बयानों के बाद भी हमारे नेताओं ने मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया, क्योंकि उन्हें दिल्ली के निर्देशों की स्पष्ट जानकारी नहीं थी। एक नेता ने कहा, ठाकरे बंधुओं की नजर सिर्फ बीएमसी चुनाव पर है और हम वो अकेले लड़ना चाहते हैं। हमने बीएमसी चुनावों के लिए किसी से गठबंधन नहीं किया था।एक अन्य नेता ने अखबार को बताया, ठाकरे ने यह सब सिर्फ बीएमसी में सत्ता हासिल करने के लिए किया है। हमारे विधायकों का मानना है कि हमें अकेले लड़ना चाहिए। हमारे पास जो जगह है, हम उसे छोड़ नहीं सकते। जब हम (उद्धव सेना) के साथ जाते हैं, तो अल्पसंख्यक वोट बैंक शिवसेना के साथ जाता है, लेकिन शिवसेना का वोट हमें नहीं मिलता। रिपोर्ट के अनुसार, एक नेता ने कहा, यह एक जटिल स्थिति है। कांग्रेस के पास मुंबई में खास जनाधार नहीं है। हम ना ही मराठी मानूस के साथ हैं और ना ही गुजरातियों के साथ। हमारा जनाधार सिर्फ अल्पसंख्यकों में है, जो कुछ उन जगहों पर है जहां सपा और एआईएएमआईएम उम्मीदवार उतारते हैं। उत्तर भारतीयों में हमारा थोड़ा जनाधार है, जो कि अगर राज के साथ हम नजर आए तो वो भी चला जाएगा।

बिहार में पीके से घबराया महागठबंधन तो बीजेपी को भी सता रहा डर

-जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता ने चुनावी समीकरण बिगाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत किशोर अब बिहार की राजनीति के सबसे चर्चित चेहरे बन चुके हैं। उनकी पार्टी जन सुराज ने सिर्फ दो साल में ही राज्य की राजनीति में ऐसा असर डाला है कि न सिर्फ महागठबंधन परेशान है, बल्कि बीजेपी भी चिंतित है। प्रशांत की जन सुराज यात्रा ने बिहार के कोने-कोने में पहुंचकर जनता से सीधा संवाद किया और राज्य की पारंपरिक जातिगत राजनीति में नया मोड़ ला दिया। पहले जिन्हें विपक्ष बीजेपी की बी टीम कहकर खारिज करता था, आज वही जनसुराज बीजेपी के परंपरागत वोट बैंक में सेंधमारी कर रही है।

बिहार की राजनीति में सालों से उपेक्षित महसूस कर रहे ब्राह्मण और भूमिहार समुदाय को पहली बार महसूस हो रहा है कि उनका कोई नेता सीएम पद की दौड़ में दावेदार बनकर उभरा है। भले ही प्रशांत किशोर बार-बार यह कहते हैं कि वह सीएम बनने की महत्वाकांक्षा नहीं रखते, लेकिन उनके समर्थक गांव-गांव में प्रचार कर रहे हैं कि प्रशांत किशोर ही राज्य का भविष्य हैं।

बीजेपी के लिए यह चिंता की बात है, क्योंकि वह अब तक सवर्णों के समर्थन को सुनिश्चित मानती थी लेकिन जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता ने यह समीकरण बिगाड़ दिया है। महज कुछ फीसदी वोटों का इधर-उधर होना भी सीटों का गणित बदल सकता है और यही कारण है कि बीजेपी के प्रत्याशी बेचैन हैं। प्रशांत ने जातीय समीकरणों को साधने के लिए ब्राह्मण, राजपूत, दलित, कुर्मी फॉर्मूला अपनाया है। इस फॉर्मूले के जरिए जनसुराज ने कई समुदायों को एक मंच पर लाने की कोशिश की है।

राजपूत वोटरों को साधने के लिए पूर्व सांसद उदय सिंह (पप्पू) को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। दलित समुदाय को जोड़ने के लिए मनोज भारती को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। अति पिछड़ा वर्ग 36.01 फीसदी और मुस्लिम समुदाय 17.70फीसदी को भी रणनीति का हिस्सा बनाया है। पार्टी ने मुस्लिम समुदाय के लिए 40 विधानसभा सीटें रिजर्व कर रखी हैं और आर्थिक मदद का वादा भी किया है।

प्रशांत ने युवा वोटरों को प्रभावित करने के लिए पलायन, रोजगार और शिक्षा जैसे मुद्दों पर फोकस किया है। उन्होंने लोगों से यह नहीं कहा कि किसे वोट देना है, बल्कि उन्हें यह सोचने पर मजबूर किया कि वोट क्यों देना चाहिए। उनकी कंबल पॉलिटिक्स जिसमें गरीबों को ठंड में कंबल और जरूरतमंदों को मदद दी जाती है जमीन पर लोकप्रियता बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है।

तेजस्वी यादव पर कटाक्ष करने वाले प्रशांत किशोर ने अब बीजेपी और पीएम मोदी को भी निशाने पर लेना शुरू कर दिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर', भारत-पाक युद्धविराम और हिंदुत्व के मुद्दों पर उनकी सीधी आलोचना ने बीजेपी को असहज कर दिया है। बीजेपी जानती है कि जब कांग्रेस या आरजेडी हिंदुत्व पर हमला करते हैं तो यह उसके लिए फायदेमंद होता है, लेकिन जब प्रशांत वही बात करते हैं, तो जनता उसे गंभीरता से लेती है। यही कारण है कि बीजेपी के लिए प्रशांत का नैरेटिव खतरनाक साबित हो सकता है।

भारत की राजनीति में यात्राओं की अहमियत को कोई नकार नहीं सकता। चाहे वह लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा हो या राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा। प्रशांत की जन सुराज यात्रा भी इसी श्रेणी में आती है। 2022 से शुरू हुई इस यात्रा ने न सिर्फ लोगों को जागरूक किया, बल्कि बिहार में एक नए विकल्प की जमीन भी तैयार कर दी है। पीके की जनसुराज पार्टी ने बिहार की जातिगत राजनीति को एक नया मोड़ दिया है। वे न केवल सवर्ण वोटरों को आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि ओबीसी, दलित और मुस्लिम वर्ग में भी अपनी जगह बना रहे हैं। महागठबंधन के लिए तो खतरे की घंटी है ही, बीजेपी के लिए यह चुनौती कहीं ज्यादा गंभीर और गहरी है।

निशिकांत दुबे की टिप्पणी पर सीएम फडणवीस, उन्होंने आम मराठी लोगों के लिए नहीं कहा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है, जिस बयान ने राज्य में विवाद खड़ा कर दिया है। सीएम फडणवीस ने स्पष्ट किया कि दुबे की टिप्पणी आम मराठी लोगों के लिए नहीं, बल्कि उन संगठनों के लिए थी, जिनके बारे में सांसद दुबे का मानना है कि वे इस विवाद को हवा दे रहे हैं।

सीएम फडणवीस ने कहा, बीजेपी सांसद दुबे ने जो कहा है, वह आम मराठी लोगों के लिए नहीं बल्कि उन संगठनों के लिए कहा है, जिन्होंने इस विवाद को हवा दी है। हालांकि, सीएम ने दुबे की टिप्पणी के विषय-वस्तु से खुद को अलग करते हुए कहा, मेरा मानना है कि सांसद दुबे का बयान पूरी तरह से सही नहीं है।

उन्होंने देश के विकास में महाराष्ट्र के योगदान पर जोर देकर कहा, देश की प्रगति में

महाराष्ट्र के योगदान को कोई नकार नहीं सकता या भूल नहीं सकता, और अगर कोई ऐसा करता है, तब यह पूरी तरह से गलत होगा। फडणवीस ने कहा कि मेरे विचार से इस तरीके का बयान देना योग्य नहीं है, क्योंकि उसका जो मतलब निकलता है वह लोगों के मन में भ्रम पैदा करता है।

दरअसल यह स्पष्टीकरण मनसे प्रमुख राज ठाकरे की हालिया टिप्पणी पर सांसद दुबे की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद उठे राजनीतिक तूफान को लेकर आया है। राज ठाकरे ने कथित तौर पर अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया था कि वे मारें, लेकिन वीडियो न बनाएं, जो मराठी में बात करने के लिए तैयार नहीं व्यक्तियों का जिक्र कर रहे थे।

जवाब में सांसद दुबे ने कहा था, क्या कर रहे हो, किसकी रोटी खा रहे हो? तुम लोग हमारे पैसे से जी रहे हो। तुम्हारे पास किस तरह के उद्योग हैं? झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में सारी खदानें हमारी हैं। तुम्हारे पास कौन सी खदानें हैं? सारी सेमीकंडक्टर रिफाइनरियाँ गुजरात में हैं। हिंदी भाषी लोगों के प्रति आक्रामकता के पीछे की मंशा को चुनौती देकर दुबे ने कहा कि अगर आपमें हिंदी बोलने वालों को पीटने की हिम्मत है, तब उर्दू, तमिल और तेलुगु बोलने वालों को भी पीटें।

जमानत मिलनी चाहिए और जेल तभी हो, जब बहुत जरूरी हो

-सीजेआई ने कहा- जेल अपवाद वाला सिद्धांत भूल गए हैं लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा है कि आजकल जमानत नियम है, जेल अपवाद वाला सिद्धांत लोग भूल गए हैं। इस सिद्धांत का मतलब है, आम तौर पर जमानत मिलनी चाहिए और जेल तभी हो, जब बहुत जरूरी हो। सीजेआई गवई ने कहा कि कई सालों तक अदालतों ने इस बात को माना है, लेकिन आजकल इसे ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने यह बात कोच्चि में जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर मेमोरियल लॉ लेक्चर देते हुए कही।

सीजेआई ने कहा कि उन्होंने खुद कई मामलों में जमानत देते समय इस नियम को फिर से स्थापित करने की कोशिश की है। इससे हाईकोर्ट और निचली अदालतों को भी ऐसा करने का रास्ता मिला। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मुझे पिछले साल 2024 में प्रबीर पुरकायस्थ, मनीष सिसोदिया और कविता बनाम ईडी के मामलों में इस कानूनी सिद्धांत को दोहराने का अवसर मिला। इसका मतलब है कि उन्होंने इन मामलों में जमानत देते समय इस सिद्धांत को ध्यान में रखा।

जस्टिस अय्यर के बारे में सीजेआई गवई ने कहा कि वे उन लोगों के हक में थे जो बिना मुकदमे के जेल में बंद हैं। उन्होंने हमेशा ऐसे लोगों के अधिकारों की रक्षा की। हमें भी उनका तरीका अपनाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल के वर्षों में खासकर 2024 में, कई ऐसे फैसले दिए हैं जिनसे उन कैदियों को फायदा हुआ, जिनका मुकदमा अभी तक शुरू नहीं हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर मुकदमा देर से शुरू हो रहा है और कोई व्यक्ति लंबे समय से जेल में है, तो उसे जमानत मिलनी चाहिए। भले ही उस पर पीएलएलए और यूएपीए जैसे सख्त कानूनों के तहत आरोप लगे हों। इन कानूनों में जमानत मिलना बहुत मुश्किल होता है। इस फैसले से मनी लॉन्ड्रिंग और गैरकानूनी गतिविधियों के मामलों में आरोपियों को जमानत मिलने का रास्ता खुल गया है। कुल मिलाकर, सीजेआई और सुप्रीम कोर्ट दोनों का यही कहना है कि लोगों को बिना वजह जेल में नहीं रखना चाहिए। जमानत एक आम नियम होना चाहिए और जेल सिर्फ तभी हो जब बहुत जरूरी हो। अदालतों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए और लोगों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

रनवे पर था विमान तभी दूसरा विमान आ गया, सतर्कता से टला बड़ा हादसा

-एटीसी ने स्विस एयरलाइंस को दिया गो-अराउंड का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टल गया, जब रनवे पर एक विमान पहले से खड़ा था। इसी दौरान दूसरा विमान भी आ गया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल और विमान के पायलटों की सतर्कता से स्थिति को संभाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और कई लोगों की जान बच गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक फ्लाइट के रनवे पर धीमे होने के कारण यह स्थिति बनी। ये फ्लाइट तय जगह से पहले रनवे खाली न होने के कारण यह स्थिति बनी। इससे पीछे आ रहे विमान के बीच की दूरी कम हो गई। स्विस एयरलाइंस की फ्लाइट एलएक्स146 ज्यूरिख से दिल्ली आ रही थी। उसी समय एक और विमान फुकेत से आ रहा था। फुकेत से आ रहा विमान रनवे पर धीरे हो गया। इससे दोनों विमानों के बीच की दूरी कम हो गई। एटीसी ने स्विस एयरलाइंस के विमान को गो-अराउंड करने का निर्देश दिया। गो-अराउंड का मतलब है कि फ्लाइट को रनवे पर उतरने के बजाय फिर से उड़ान भरनी होती है।

स्विस एयरबस ए330 विमान को एटीसी ने 1400 फीट की ऊंचाई पर गो-अराउंड करने का निर्देश दिया। विमान दूसरी बार में सुरक्षित उतारा गया। यह घटना रविवार रात 11.40 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर घटी। स्विस एलएक्सए146 विमान ज्यूरिख से आ रहा था। उससे पहले एक और विमान फुकेत से आ रहा था। एटसी और पायलटों की समझदारी से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

रिपोर्ट में एक वरिष्ठ एटीसी अधिकारी के मुताबिक फुकेत से आ रहा विमान रनवे 11आर से चार नॉटिकल मील दूर था। एलएक्स146 विमान उससे आठ नॉटिकल मील पीछे था। फुकेत वाले विमान ने अंतिम अप्रोच पर अपनी गति कम कर दी। इसके बाद, एटीसी ने स्विस विमान को अपनी स्पीड कम करने को कहा। एटीसी को उम्मीद थी कि फुकेत से आ रहा विमान रनवे से जल्द ही हट जाएगा। रनवे 11आर पर वॉय1 नाम का एक रैपिड एग्जिट टैक्सीवे है। टैक्सीवे एक तरह का रास्ता होता है, जिससे विमान रनवे से जल्द हट जाता है। अगर फुकेत से आ रहा विमान वॉय1 टैक्सीवे से हट जाता, तो स्विस एयरलाइंस का विमान सुरक्षित उतर सकता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

एटीसी ने स्विस विमान को कंटिन्यू अप्रोच करने को कहा। चूंकि पहला विमान समय पर रनवे खाली नहीं कर सका, इसलिए एटीसी ने स्विस एयरलाइंस को सुरक्षा कारणों से गो अराउंड करने या एक मिस्ड एप्रोच करने को कहा। फ्लाइट ट्रैकिंग साइटों से पता चलता है कि लुफ्थांसा ग्रुप के विमान ने ऐसा तब किया जब वह 1400 फीट की ऊंचाई पर था। फ्लाइट ट्रैकिंग साइटों के मुताबिक यह 11.51 बजे अपने दूसरे प्रयास में सुरक्षित रूप से उतरा।

उस समय, दिल्ली में पूर्वी हवाएं चल रही थीं। यह मानसून के मौसम में आम है। आईजीआईए का मुख्य रनवे 10/28 15 जून से मरम्मत के लिए बंद कर दिया गया है। तीन चालू रनवे और पूर्वी हवाओं के साथ, दिल्ली में एक घंटे में अधिकतम 32 फ्लाइट्स उतरती हैं। दिल्ली में उड़ानों की संख्या कम कर दी गई है। फिर भी एटीसी

और पायलटों को विमानों की आवाजाही को अधिकतम करने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक एटीसी सूत्र ने बताया कि वह अनुभवी कर्मचारियों की कमी के बीच काम कर रहे हैं। चाहे दिल्ली हो या मुंबई, संकट की स्थिति में गलती की गुंजाइश कम होती है। एक विमान का धीमा होना या रनवे खाली करने में ज्यादा समय लगना मतलब सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रियल टाइम में तुरंत फैसला लेना जरूरी है। इस घटना से पता चलता है कि एटीसी और पायलटों की सतर्कता कितनी जरूरी है। उनकी तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। यह घटना हमें यह भी याद दिलाती है कि हवाई यात्रा में सुरक्षा कितनी अहम है।

जानकारी

वजन घटाने में मददगार है 'स्विमिंग' मगर इन 4 बातों का जरूर रखें ध्यान

तैराकी को हमेशा एक मनोरंजक गतिविधि के रूप में माना जाता है, जिसे लोग अपने खाली समय में और कुछ मौज-मस्ती के लिए पसंद करते हैं। वास्तविकता यह है कि यह गतिविधि आपको बहुत सारी कैलोरी जलाने, आपके शरीर को टोन करने और यहां तक कि वजन कम करने में मदद कर सकती है, बशर्ते आप सही तरीके से सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें। तैरना एक कम प्रभाव वाला व्यायाम है जो वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है जैसा कि आप दौड़कर कर सकते हैं और वह भी बिना आपके जोड़ों को चोट पहुंचाए। यह निश्चित रूप से एक मजेदार और स्वस्थ गतिविधि है, जो सभी आयु वर्ग के लोगों द्वारा की जा सकती है। या तो आप अपना वजन कम करने के लिए तैर रहे हैं या अपने शरीर को टोन करने के लिए, यहां 4 चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना है।

सही खानपान

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अगर आप वजन कम करने के लिए जिमिंग या स्विमिंग कर रहे हैं। इसके लिए स्वस्थ भोजन करना भी महत्वपूर्ण है। आप केवल सही व्यायाम करके और सही प्रकार का भोजन खाकर अपना वजन कम कर सकते हैं। पहला, जब आप तैर रहे होते हैं तो बहुत अधिक ऊर्जा की खपत होती है और दूसरी बात यह है कि ठंडा पानी आपकी भूख बढ़ा सकता है। यह आपके स्विमिंग सेशन के बाद आपको उग्र महसूस करवा सकता है। ओवरईटिंग से बचें, वरना आपकी सारी मेहनत बेकार हो जाएगी। खाने में हरी सब्जियां जोड़ें और अपने स्विमिंग सेशन के बाद प्रोटीन शेक पीएं।

सही स्ट्रोक

अलग-अलग तैराकी के विभिन्न स्वास्थ्य लाभ हैं और कैलोरी की काफी मात्रा को जलाते हैं। लेकिन जो सबसे प्रभावी है वह है बटरफ्लाई स्ट्रोक है। अगर सही तरीके से किया जाए तो यह स्ट्रोक 10 मिनट में 150 कैलोरी जलाने में आपकी मदद कर सकता है। अगला सबसे अच्छा स्ट्रोक फ्रीस्टाइल है, जो आपको एक घंटे में 704 कैलोरी जलाने में मदद कर सकता है।

अच्छी गति

यदि आपका मकसद वजन कम करना है, तो निश्चित रूप से, आपको कुछ अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। आपकी गति यह निर्धारित करती है कि आप कितनी कैलोरी खोने जा रहे हैं। तो एक राउंड तेज तैरें और फिर अगले में सामान्य रहें। यह आपके वसा जलने की प्रक्रिया को तेज करेगा।

सही समय

हमेशा नाश्ते से पहले सुबह तैरने की कोशिश करें। सुबह तैरना आपके शरीर को एक उपवास की स्थिति में छोड़ देगा और यह संग्रहीत वसा का अधिक कुशलता से उपयोग करने में सक्षम होगा। शरीर वसा को ऊर्जा के रूप में उपयोग करेगा और आप अधिक वजन कम करने में सक्षम होंगे।

धूम्रपान है घातक

इससे होने वाले रोग सीओपीडी का कैंसर से है सीधा संबंध

भारत में हुए अध्ययनों से पता चला है कि देश के महानगरों और बड़े शहरों जैसे दिल्ली, चेन्नई और बेंगलुरु में फेफड़ों के कैंसर के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। फेफड़े का कैंसर का कई बार क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के साथ संबंध होता है। एम्स के डॉ. नबी दर्या वली के मुताबिक, सीओपीडी फेफड़ों से संबंधित एक ऐसा रोग है, जिसमें मरीज की सांस छोड़ने की क्षमता ठीक से काम नहीं कर पाती, इस स्थिति के कारण मरीज को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। लंबे समय तक धूम्रपान करने के कारण यह रोग होता है। सीओपीडी से पीड़ित लोगों में फेफड़ों का कैंसर का विकसित होने की संभावना दोगुनी होती है और इन दोनों स्थितियों के एक साथ होने की संभावना भी काफी अधिक होती है। दरअसल, पूरी दुनिया में कैंसर के सबसे आम रूपों में से एक है, फेफड़े का कैंसर। डॉ. वली कहते हैं, फेफड़ों का कैंसर एक आम बीमारी हो गई है और अभी भी दुनिया भर में कैंसर से होने वाली मौतों के मुख्य कारणों में से एक है। फेफड़े के कैंसर वाले अधिकांश मरीजों का इलाज तब शुरू होता है जब रोग शरीर में फैल चुका होता है। यानी उन्नत चरणों में कैंसर का निदान किया जाता है, इसलिए अब नए चिकित्सीय विकल्पों की पहचान नैदानिक अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है।

संकेत और लक्षण

हालांकि सीओपीडी और फेफड़ों के कैंसर के समान लक्षण हैं, जैसे खांसी और सांस लेने में कठिनाई, लेकिन इनमें कुछ अंतर भी हैं। थकान, भूख में कमी, अचानक वजन घटना, खांसी के साथ ही कहीं सीने में दर्द, गला बैठना, फेफड़ों में संक्रमण, खांसी और कफ के साथ खून के अलावा लगातार सूखी खांसी आ रही हो तो तत्काल ध्यान देने की जरूरत हो सकती है। यदि कैंसर फैल गया है, तो किसी को सिरदर्द, सुन्नता (नंबनेस), चक्कर आना, पेट में दर्द, पीलिया और हड्डी में दर्द का अनुभव हो सकता है।

निदान और उपचार

कैंसर के विभिन्न चरणों की पहचान सीटी स्कैन, एमआरआई, पीईटी स्कैन और बोन स्कैन के माध्यम से की जाती है। नैदानिक परीक्षणों में छाती का एक्स-रे, सीटी स्कैन, थूक परीक्षण, ऊतक (टिश्यू) बायोप्सी और ब्रोन्कोस्कोपी शामिल हैं। मरीज सीओपीडी से पीड़ित है या नहीं, फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी का उपयोग किया जाता है। सीओपीडी और कैंसर के शुरुआती चरणों के उपचार के लिए सर्जरी, कीमोथैरेपी और रेडियोथैरेपी जैसे विकल्पों का मिश्रण हो सकता है। इम्यूनोथैरेपी और लक्षित दवाओं जैसी नई थेरेपी भी अच्छी तरह से काम करती हैं।

फेफड़ों के कैंसर को रोकना

डॉ. वली के मुताबिक फेफड़ों से संबंधित रोगों से बचाव रखने के लिए आप ये तरीके अपना सकते हैं- नियमित रूप से व्यायाम करें, हार्ट रेट को बढ़ाने वाली एरौबिक एक्सरसाइज करना सबसे ज्यदा फायदेमंद होता है। पोषक तत्वों से भरपूर भोजन फायदेमंद है। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। इन्फेक्शन से बचने के लिए अपने हाथों को नियमित रूप से धोते रहें। हाथों से अपने मुंह को ना छुएं (जितना कम हो सके छूने की कोशिश करें)। बीमार लोगों से दूर रहें। नियमित रूप से डॉक्टर से जांच करवाते रहें फेफड़ों के रोगों से जुड़े किसी भी संकेत व लक्षण को नजरअंदाज ना करें। धूम्रपान करने वालों को एक बार में धूम्रपान छोड़ देना चाहिए। धूम्रपान करने वाले व्यक्ति और उसके धुएं से दूर रहें, घर पर या बाहर के प्रदूषण या दूषित हवा में सांस ना लें। फेफड़ों को नुकसान न पहुंचे इसके लिए मास्क जैसे कुछ सुरक्षात्मक साधन पहनकर भी बच सकते हैं। रेडॉन गैसे जैसे रडियो एक्टिव पदार्थ कैंसर को बढ़ावा देते हैं और अपने रहने की जगह ऐसे तत्व वातावरण को खराब तो नहीं कर रहे, यह जानने के लिए घर पर ही रेडॉन लेवल पता करना होता है। लंबे समय तक ऐसे पदार्थों से संपर्क सीओपीडी के साथ ही फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ा सकता है। किसी प्रकार के केमिकल, धूल या धुएं आदि में सांस ना लें यदि आप में फेफड़ों के कैंसर का अधिक खतरा है, तो डॉक्टर से इस बारे में बात करें और जांच करवाएं।

सेहत

सर्दियों की स्किन प्रॉब्लम दूर करेंगे ये टिप्स

सर्दियों का मौसम आते ही कई तरह की स्किन प्रॉब्लम होनी शुरू हो जाती हैं। ठंड आते स्किन रूखी, बेजान और अजीब सी होने लगती है। कुछ आसान तरीके अपनाकर आप इस मौसम में होने वाली इन समस्याओं को दूर कर सकते हैं।

आइब्रो डैंड्रफ

वैसे डैंड्रफ यानी रूसी बालों की समस्या है। लेकिन सर्दियों में डैंड्रफ भौहों में भी हो सकती है। रात में चेहरा धोते समय आइब्रो पर भी फेसवॉश जरूर लगाएं। इससे यहां की डेड स्किन निकल जाएगी। आपकी भौहों से जब तक डैंड्रफ पूरी तरह खत्म न हो जाए, आइब्रो मेकअप न करें।

नाक की रूखी और फटी स्किन

बाहर की सर्दी और घर के अंदर की गर्मी नाक सूखने लगती है। त्वचा में नमी बरकरार रखने के लिए हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइजर या सेरामाइड्स युक्त क्रीम लगाएं। इससे आपकी स्किन रूखी नहीं होगी।

रूखे हाथ

सर्दियों में सबसे ज्यादा प्रभाव हाथों पर ही पड़ता है। हाथों में ऑयल ग्लैंड बहुत कम होता है। बार-बार हाथ धोने की वजह से भी हाथों की नमी चली जाती है। इसलिए बाहर निकलने से पहले हमेशा ग्लिसरीन वाली हैंड क्रीम लगाएं। ठंड के महीनों में आपके क्यूटिकल भी फट सकते हैं, इसलिए हाथों में बादाम का तेल या कुसुम का तेल लगाएं।

सूखे और पपड़ीदार पैर

हाथों की तरह पैरों में भी अधिक ऑयल ग्लैंड नहीं होता है और वो जल्दी रूखे दिखने लगते हैं। रूखे पैरों में एक पपड़ीदार स्किन बनने लगती है। ठंड में गर्म पानी से नहाना भी इसकी एक वजह है। हमेशा गुनगुने पानी से नहाएं जिससे आपकी त्वचा की नमी पूरी तरह खत्म न हो। नहाने के बाद बॉडी बटर लगाने से भी त्वचा में नमी रहेगी।

ऑयली स्किन

सर्दियों में त्वचा की सीबम से प्राकृतिक रूप से तेल निलकता है। इसलिए थोड़ा सा ही मॉइश्चराइजर लगाने से त्वचा तैलीय होने लगती है। स्किन का पीएच संतुलन बनाए रखने के लिए हाइड्रेटिंग फॉर्मूला मॉइश्चराइजर ही लगाएं।

फटे होंठ

सर्दियों में हर कोई रूखे और फटे होंठों से परेशान रहता है। सबसे पहले तो अगर आपको अपने होंठ चबाने की आदत है तो इसे तुरंत छोड़ दें। होंठों का रूखापन दूर करने के लिए मॉइस्चराइजिंग तेल में चीनी के दानें मिलाएं और इसे होंठों पर लगाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 5005

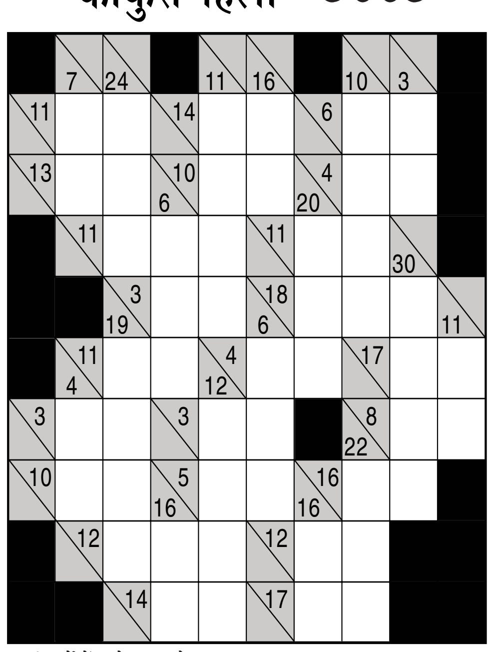

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

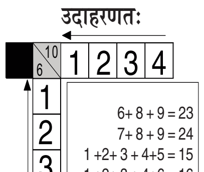

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5004 का हल

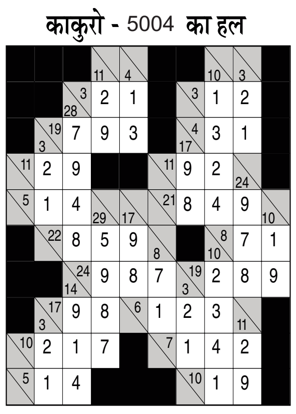

लॉफिंग ज़ोन

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सूबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर! आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो घूँट मेरे अंदर पहुँच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया।

यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफहै, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

चमन (रमन से)- यार! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

फिल्म वर्ग पहेली- 5005

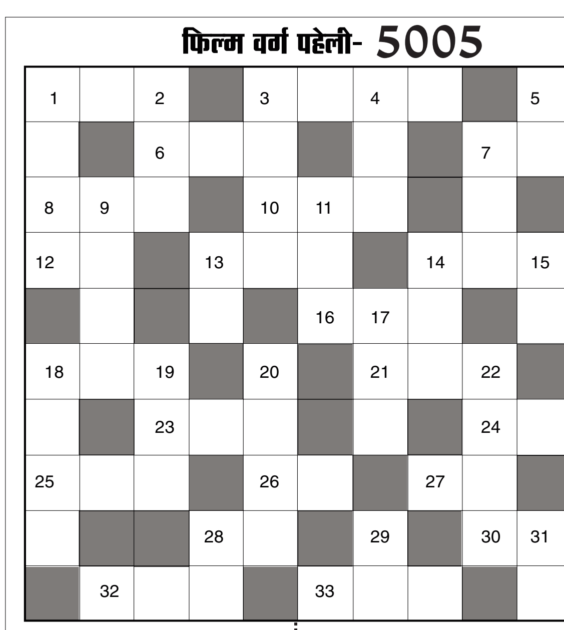

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 5004

सुडोकु 5005

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5004

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 5005

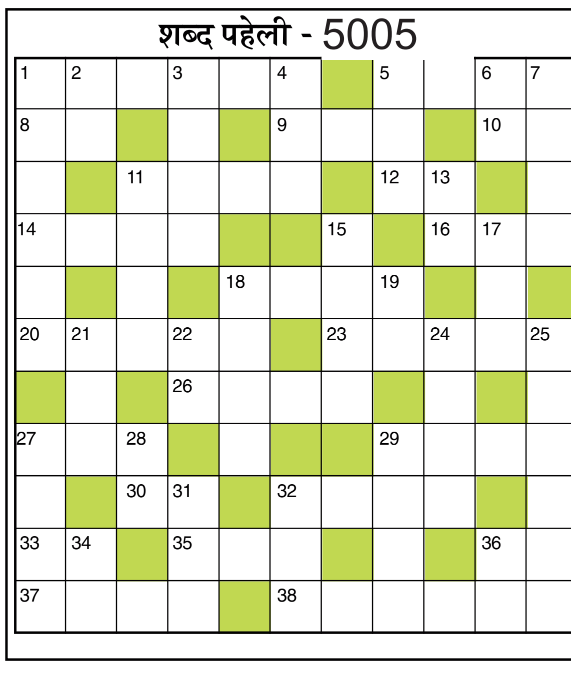

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, इष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली - 5004 हल

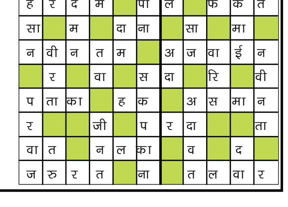

मायावती ने बिहार की कानून व्यवस्था पर उठाये सवाल, चुनाव आयोग ले संज्ञान

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने चुनाव आयोग से बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं का संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की मांग की है। बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर एक पोस्ट लिखी। उन्होंने कहा कि बिहार में खासकर दलितों, पिछड़ों, शोषितों, गरीबों और महिलाओं आदि के खिलाफ अत्याचार, हत्या और जाति आधारित शोषण की वारदातें सामने आती रहती हैं। साथ ही इन वर्गों के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करने के मामले हमेशा से ही काफी चर्चा का विषय रहे हैं। राज्य में विधानसभा आम चुनाव से पहले हिंसक घटनाएं और हत्या की वारदातें हो रही है। हाल ही में पटना में एक प्रमुख उद्योगपति और सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के नेता गोपाल खेमका की सनसनीखेज हत्या ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था के साथ-साथ राज्य की राजनीति को नए तरीके से गरमा दिया है। अगर चुनाव आयोग इस खूनखराबे का संज्ञान लेकर अभी से उचित कार्रवाई करे तो शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराना बेहतर होगा। उन्होंने कहा है कि बिहार में चुनाव से पूर्व मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के दौरान ये सारी हिंसक घटनाएं किसके द्वारा और किसके स्वार्थ के लिए की जा रही हैं। इसको लेकर न केवल राज्य की गठबंधन सरकार कटघरे में है।

मप्र के सांदीपनि विद्यालयों में यूनिसेफ के सहयोग से चलेगा कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

भोपाल। मध्य प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का कैरियर मार्गदर्शन यूनिसेफ के सहयोग से दिया जाएगा। कैरियर रिफ्रेशर प्रशिक्षण के द्वारा प्रत्येक विद्यालय के एक नोडल शिक्षक को संसाधनों का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाया जा रहा है। नोडल शिक्षक के माध्यम से ही विद्यालय में कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करने वाली गतिविधियां संचालित की जाएंगी। कैरियर मार्गदर्शन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के लोक शिक्षण कार्यालय के आयुक्त ने प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मोदी ने बताया कि नोडल शिक्षक एवं कक्षा शिक्षक की सहायता से सभी विद्यार्थियों से कैरियर इनफॉर्मेशन डायरी और कैरियर फोल्डर तैयार कराया जाएगा, जिसमें हर माह की कैरियर संबंधी जानकारी संधारित कराई जाएगी। कैरियर गतिविधियों का संचालन राज्य स्तर से जारी कैरियर कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों में नियमित रूप से संचालित कराया जाएगा। निर्देश में कहा गया है कि विद्यालय समय सारणी में विद्यार्थियों के कैरियर मार्गदर्शन के लिए कम से कम 2 पीरियड प्रति माह आवंटित किए जाएं।

भाजपा का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू, कार्यक्रम में पहुंचे सीएम, मंत्री और सांसद

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित मैनपाट में भारतीय जनता पार्टी का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन आज सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उनके विधायक, सांसद और मंत्री उपस्थित रहे। एक-एक करके सभी भाजपा के विधायक और मंत्री शिविर के अंदर चले गए। तीन दिवसीय शिविर में मीडिया का प्रवेश पूर्णतः वर्जित है। यहां तक कि शिविर में सभी विधायक, सांसद और मंत्रियों का फोन भी अंदर ले जाने नहीं दिया गया। बाहर ही सभी के मोबाइल जमा करवा दिया गया। फिलहाल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उनके सभी विधायक, मंत्री और सांसद का मैनपाट तिब्बती कैम्प नंबर-1 के कम्युनिटि हाल नंबर तीन में प्रशिक्षण शिविर शुरू हो गया है। उल्लेखनीय है कि, छत्तीसगढ़ अंबिकापुर में भारतीय जनता पार्टी की तीन दिवसीय चिंतन और प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के द्वारा सोमवार को होगा। शिविर 7 से 9 जुलाई तक चलेगा, जिसमें पार्टी के सभी 54 विधायक और सांसद शामिल होंगे। शिविर के दौरान कुल 12 सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें पार्टी की रीति-नीति, संगठनात्मक मजबूती और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा होगी।

रेलवे ट्रैक पार कर रही स्कूल वैन को ट्रेन ने मारी टक्कर, 3 छात्रों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में चेम्मन कुप्पम के पास मंगलवार सुबह एक दुखद दुर्घटना हुई, जब एक ट्रेन ने रेलवे क्रॉसिंग पर एक स्कूल वैन को टक्कर मार दी। शुरुआती रिपोर्ट में तीन बच्चों की मौत और स्कूल वैन चालक समेत 10 के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि हुई है। यह घटना उस समय हुई जब स्कूल वैन चेम्मन कुप्पम के पास रेलवे ट्रैक पार करने की कोशिश कर रही थी। चिदंबरम जाने वाली एक यात्री ट्रेन वैन से टकरा गई, जो लगभग 50 मीटर तक उसे घसीटते हुए ले गई। टक्कर के कारण वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीन बच्चों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि कुछ और छात्रों की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना के समय वैन में स्कूली बच्चे और चालक सवार थे। गंभीर रूप से घायल चालक और बच्चों को इलाज के लिए कुड्डालोर सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार को दी पांच नई ट्रेनों की सौगात

एजेंसी

पटना। बिहार दौरे पर पहुंचे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार को एक साथ पांच नई ट्रेनों की सौगात दी। इनमें चार अमृत भारत एक्सप्रेस भी शामिल हैं। इस मौके पर रेल मंत्री वैष्णव ने पटना और दिल्ली के बीच प्रतिदिन अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन की घोषणा की। रेल मंत्री ने कहा कि जल्द ही बिहार के कुछ नई परियोजनाओं की मंजूरी दी जाएगी, जिनमें 1,156 करोड़ की लागत से 53 किलोमीटर लंबी भागलपुर-जमालपुर तीसरी रेल लाईन, 2017 करोड़ रुपये की लागत से 104 किलोमीटर लंबी बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया रेल लाईन का दोहरीकरण और 3000 करोड़ रुपये की लागत से 177 किलोमीटर लंबी रामपुर हाट-भागलपुर का दोहरीकरण परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे देश के विकास के लिए समर्पित है। पिछले 11 वर्षों में 33,000 किलोमीटर से अधिक नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं। इससे पहले रेल मंत्री ने बिहार के कई रेलवे स्टेशनों का औचक निरीक्षण किया और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। पटना से शुरू हुए निरीक्षण दौरे में हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और सोनपुर डिवीजन के स्टेशन शामिल भी थे। निरीक्षण के बाद रेल मंत्री ने कहा कि बिहार में जल्द ही दो सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क आफ इंडिया (एसटीपीआई) का उद्घाटन किया जाएगा। इनमें 53 करोड़ की लागत से पाटलिपुत्र में तथा 10 करोड़ की लागत से दरभंगा में निर्मित एसटीपीआई शामिल हैं। रेलवे स्टेशनों के निरीक्षण के दौरान पूर्व मध्य रेलवे (हाजीपुर) के महाप्रबंधक, सोनपुर डिवीजन के डीआरएम और दरभंगा से भाजपा सांसद गोपाल जी ठाकुर भी मंत्री के साथ थे। वैष्णव ने दीघा घाट रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने के बाद समस्तीपुर जिले के कर्पूरीग्राम स्टेशन जाने से पहले हाजीपुर जंक्शन का दौरा किया।

भाजपा झूठे आरोप में कांग्रेस नेताओं को जेल भेज रही, एकजुट होकर करें विरोध : खरगे

एजेंसी

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक ली। उन्होंने नेताओं को एकजुट रहकर काम करने की सलाह दी। खरगे ने कहा कि भाजपा हमारे नेताओं पर झूठे आरोप लगाकर जेल भेजने की कोशिश कर रही है, उनके प्रयासों को सफल नहीं होने देना है। एकजुटता से इसका जमकर विरोध करें। बैठक में ब्लॉकों के पुनर्गठन पर चर्चा की गई। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस की संख्या बढ़ा सकती है। जनसंख्या और क्षेत्रफल के अनुसार ब्लॉक बढ़ाने की आवश्यकता पर पीएसी की बैठक में नेताओं ने अपनी बात रखी। पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक में पांच एजेंडों को लेकर चर्चा हुई। भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर कांग्रेसी नेताओं पर झूठे आरोप लगाकर जेल भेज रही है। बस्तर के खनिज संसाधनों और गरीब आदिवासियों के जल जंगल

जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। किसानों के साथ अन्याय कर समय पर खाद उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। युक्तियुक्तकरण के तहत 10 हजार से अधिक स्कूलों को बंद किया गया। इन सभी विषयों पर बैठक में चर्चा की गई। इन मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई गई।

बिहार के पूर्णियां में डायन के आरोप में 5 लोगो को जिंदा जलाया, सभी शव बरामद, दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

पटना/पूर्णिया। पूर्णिया जिले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजीगंज पंचायत के आदिवासी बाहुल्य टेटगामा में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जलाकर मार डाला गया। घटना के बाद पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना समेत आसपास के तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी गांव में कैंप कर रहे हैं। घटना के संबंध में चश्मदीद परिवार के एक मात्र जीवीत युवक सोनू कुमार ने बताया कि उसकी मां पर डायन का आरोप लगाकर देर रात गांव के मर्रर (प्रमुख) नकुल उरांव के नेतृत्व में एक बैठक की गई। बैठक में गांव के करीब 200 लोग शामिल हुए है। इसी दौरान डायन का आरोप लगी मां सीता देवी और पिता बाबू लाल उरांव सहित परिवार के अन्य लोगों को बुलाया गया। बैठक के दौरान ही तालिबानी फरमान जारी करते हुए पहले सभी के साथ लाठी डंडे से बेहरमी से मारपीट की। उसके बाद परिवार के सभी सदस्यों को पेट्रोल छिड़कर जिंदा जला दिया गया। मौत होने के बाद सभी को ट्रैक्टर पर लोडकर एक सुनसान जगह ले जाकर ठिकाने लगा दिया। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना समेत

आसपास के 3 थाने की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। पुलिस अधीक्षक स्वीटी सहरावत और एएसपी आलोक रंजन सहित अन्य पुलिस भी मौके पर हैं। पुलिस अधीक्षक स्वीटी सहरावत ने बताया कि श्वान दस्ते की मदद से पांचों शवों को बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में एक मात्र बचे बचे किशोर (सोनू कुमार) के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। सभी आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसमें स्पीडी ट्रायल के जरिए सजा दिलायी जाएगी। मुफस्सिल थानाध्यक्ष उत्तम कुमार ने बताया कि डायन का आरोप लगाकर एक ही परिवार के पांच सदस्यों को मर्रर के साथ मिलकर ग्रामीणों ने हत्या कर दी। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक सहित गांव के मर्रर नकुल उरांव को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुफस्सिल थाना समेत आसपास के तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है।

उत्तराखंड के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगा केंद्रः शिवराज

एजेंसी

देहरादून। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उत्तराखंड सरकार कृषि-ग्रामीण विकास के क्षेत्र में काफी अच्छा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए केंद्र से हरसंभव सहायता मुहैया करायी जाएगी। हम उत्तराखंड के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।केंद्रीय मंत्री चौहान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ नई दिल्ली में बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बैठक में उत्तराखंड में पशुओं से खेती को नुकसान होने समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान चौहान ने कहा कि केंद्र की ओर से एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) अंतर्गत घेरबाड़ करने के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में मडुआ, झिंगोरा जैसी मिलेट्स (श्री अन्न) की परंपरागत फसलों को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत धनराशि दी जाएगी।चौहान ने बताया कि सेब की अति सघन बागवानी के अंतर्गत भविष्य में सेब उत्पादन के विस्तार के दृष्टिगत विपणन के लिए उच्च गुणवत्तायुक्त सेब की नर्सरी स्थापित किए जाने, भंडारण के लिए कोल्ड स्टोरेज, ग्रेडिंग इत्यादि की स्थापना के उद्देश्य से धनराशि की आवश्यकता बताई गई, जिस पर राज्य को पूरा सहयोग किया जाएगा। कीवी का उत्पादन भी उत्तराखंड की जलवायु के अनुसार उपयुक्त है। कीवी को जंगली जानवरों से नुकसान भी अधिक नहीं होता है। चौहान ने इस संबंध में भी राज्य को सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सुपर फूड्स-शहद, मशरूम एवं एक्जोटिक वेजीटेबल्स की स्थापना के लिए धनराशि की उत्तराखंड की मांग पर

शिवराज सिंह ने कहा कि यह भी हम स्वीकृत कर रहे हैं। चौहान ने कहा कि ग्रामीण विकास के क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के लक्ष्यों को उत्तराखंड ने पूरा किया है, नया सर्वे भी कर लिया है, जल्द ही उसका वेरिफिकेशन पूरा होने वाला है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में भी राज्य का काम बहुत अच्छा है। इसके चौथे चरण के लिए केंद्र सरकार राज्य के प्रस्ताव के अनुसार स्वीकृति देगी।

निजी मेडिकल कॉलेज को मान्यता दिलाने के नाम पर रिश्वतखोरी के मामले में आरोपितों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

एजेंसी

रायपुर। नवा रायपुर स्थित श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च के पक्ष में रिपोर्ट बनाने के मामले में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की टीम ने हवाला के जरिए 55 लाख रुपये की रिश्वत ली है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने गिरफ्तार किए गए तीन डॉक्टरों समेत कुल छह आरोपितों को रिमांड खत्म होने पर रायपुर की सीबीआई की विशेष अदालत में पेश किया। सीबीआई ने पूछताछ के लिए किसी भी आरोपित की रिमांड बढ़ाने की मांग नहीं की, जिसके बाद कोर्ट ने सभी आरोपितों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब ये सभी आरोपित 21 जुलाई तक जेल में रहेंगे। जिन आरोपितों को आज कोर्ट में पेश किया गया, उनमें डॉ. मंजुप्पा सी.एन., डॉ. चैत्रा (एमएस), डॉ. अशोक शेलके, रावतपुरा सरकार के निदेशक अतुल कुमार, सतीश और रविचंद्र शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि निजी मेडिकल कॉलेजों को मान्यता दिलाने के नाम पर चल रहे करोड़ों के घूसकांड में सीबीआई ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंस के

चांसलर डीपी सिंह, रविशंकर महाराज, इंदौर के सुरेश सिंह भदौरिया, सहित 35 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। सीबीआई सूत्रों के अनुसार कॉलेज की मान्यता के नाम पर पहले भी 1 करोड़ 62 लाख रुपये की राशि की डील हुई थी, जिसकी शिकायत 2024 में की गई थी। इसके बाद अब 55 लाख रुपये के लेन-देन का मामला सामने आया है। बेंगलुरु के दो डॉक्टरों के पास हवाला के जरिये पैसा पहुंचा था। सीबीआई की शुरुआती जांच में सामने आया है कि निजी मेडिकल कॉलेजों को मान्यता दिलाने के लिए फर्जी फैकल्टी, फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट, मरीजों के झूठे रिकॉर्ड और गोपनीय दस्तावेजों की लीकिंग के जरिए प्रक्रिया को प्रभावित किया गया। कॉलेज संचालकों ने इन सेवाओं के बदले हवाला और बैंकिंग चैनलों के माध्यम से मोटी रकम की रिश्वत दी।सीबीआई द्वारा न्यायालय के समक्ष पेश दस्तावेजों में बताया गया कि अध्यक्ष रविशंकर महाराज के कहने पर श्री रावतपुरा सरकार आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान आगामी आधिकारिक निरीक्षण के बारे में गोपनीय और अग्रिम जानकारी प्राप्त करने की साजिश में शामिल था। इसके लिए संस्थान के निदेशक अतुल कुमार तिवारी ने गीतांजलि विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान के रजिस्ट्रार मयूर रावल के साथ मिलीभगत करके गैरकानूनी तरीके से ऐसी विशेषाधिकार प्राप्त जानकारी हासिल करने की कोशिश की।

उपराष्ट्रपति ने न्यायपालिका की गिरती साख पर जताई चिंता, न्यायाधीशों के खिलाफ कार्रवाई की उठाई मांग

एजेंसी

कोच्चि। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोच्चि में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज (एनयूएएलएस) के छात्रों को संबोधित करते हुए न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्थन करते हुए उसकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठाए। उपराष्ट्रपति ने गत 14 मार्च को दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के सरकारी आवास पर आग लगने की घटना में अग्निशमन अभियान के दौरान भारी मात्रा में नकदी मिलने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उपराष्ट्रपति ने कहा, यह कोई मामूली बात नहीं है। इतना पैसा कहां से आया? यह किसका था? यह एक आपराधिक मामला है और इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है, जो चिंता का विषय है।- उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में हालिया घटनाएं लोकतंत्र की नींव को हिला रही हैं। यदि लोगों का विश्वास न्यायपालिका से उठ गया तो देश गंभीर संकट में आ जाएगा। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को दी जाने वाली पोस्टिंग पर भी उन्होंने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जब सभी को पोस्टिंग नहीं मिलती और कुछ को ही दी जाती है, तो इससे चयन में पक्षपात और संरक्षण की संस्कृति जन्म लेती है। यह न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सीधा आघात है। आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में हुए संशोधन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यह उस समय हुआ जब लाखों लोग जेल में थे। मौलिक अधिकार पूरी तरह से निलंबित कर दिए गए थे।

हिमाचल में बारिश से राहत, फिर भी अलर्ट जारी, अब तक 80 मौतें

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बीते कुछ दिनों से भारी बारिश से राहत मिलती दिखाई दी है। शिमला समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहा और लोगों ने राहत की सांस ली। खासकर शिमला में पिछले दो दिनों से बारिश थमी हुई है और दिन के समय धूप खिली रही। हालांकि मौसम विभाग ने फिर से बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग ने 10 जुलाई तक राज्य के कुछ जिलों में भारी बारिश की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 11 से 13 जुलाई के बीच भी बारिश के आसार हैं, लेकिन इस दौरान कोई विशेष चेतावनी या अलर्ट जारी नहीं किया गया है।अगले 24 घंटों में लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर अन्य सभी 10 जिलों में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। बीते 24

घंटों में बिलासपुर के आरएल बीबीएम में सर्वाधिक 60 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जबकि बरठीं में 50 मिमी, ऊना और नैना देवी में 40-40 मिमी तथा गोहर में 30 मिमी वर्षा दर्ज हुई। मौसम में सुधार आने से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों में तेजी आई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार सोमवार शाम तक प्रदेश में भूस्खलन के कारण 235 सड़कों पर यातायात ठप रहा। साथ ही 163 ट्रांसफार्मर और 174 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित मंडी जिला है, जहां 176 सड़कें, 155 बिजली ट्रांसफार्मर और 158 पेयजल स्कीमें बंद पड़ी हैं। इनकी बहाली का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार 20 जून से अब तक वर्षा जनित हादसों में 80 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 38 लोग घायल हुए हैं। वहीं 31 लोग अभी भी लापता हैं। इस दौरान 163 घर पूरी तरह से ध्वस्त हुए और 191 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। 364 पशुशालाएं और 27 दुकानें भी तबाह हो चुकी हैं।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से बदसलूकी में मनसे नेता के बेटे पर एफआईआर

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में चल रहे भाषा विवाद के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) एक और विवाद में घिर गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में मनसे के राज्य उपाध्यक्ष जावेद शेख का बेटा राहिल शेख नशे की हालत में मराठी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस राजश्री मोरे के साथ बदसलूकी करते हुए नजर आया। इस घटना को लेकर अंबोली पुलिस ने राहिल पर प्राथमिकी दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया है। वीडियो में राहिल अर्धनग्न अवस्था में कार में बैठा मराठी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से अभद्र भाषा में बात करते दिख रहा है। एक्ट्रेस राजश्री मोरे ने यह वीडियो खुद अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा किया, जिसे बाद में शिवसेना नेता संजय निरुपम ने री-पोस्ट करते हुए मनसे पर तीखा

हमला किया और कहा कि यह मराठी संस्कृति के स्वयंभू रक्षकों का असली चेहरा है। भाषा विवाद से उपजा तनावपूर्ण विवाद की पृष्ठभूमि कुछ दिन पहले के उस वीडियो से जुड़ी है, जिसमें राजश्री मोरे ने कथित तौर पर कहा था, ÷सिर पर बंदूक रखकर मराठी मत बुलवाओ... पहले मराठियों को मेहनत करना सिखाओ, फिर मराठी सिखाओ।÷ इस बयान के बाद मनसे कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ वर्सोवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस हस्तक्षेप के बाद मोरे से माफी मंगवाई गई और वीडियो हटवाया गया।

इस पूरे विवाद के बाद राजश्री ने एक और वीडियो पोस्ट किया, जिसमें राहिल शेख उनकी कार को टक्कर मारते हुए दिखाई दे रहा है। टक्कर के बाद हुए विवाद में दोनों के बीच तीखी बहस हुई और महिला ने राहिल पर गाली-गलौज और नशे में बदसलूकी का आरोप लगाया।

मनसे ने झाड़ा पल्ला

मामले पर सफाई देते हुए मनसे नेता अविनाश जाधव ने कहा कि राहिल शेख का पार्टी से कोई संबंध नहीं है। वह न तो किसी पद पर है और न ही प्राथमिक सदस्य। उसकी हरकतों का पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। साथ ही उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े पांच उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में उग्रवाद और कानून व्यवस्था को लेकर जारी सुरक्षा बलों के व्यापक अभियान के तहत दो अलग-अलग कार्रवाइयों में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर भी कड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पहली कार्रवाई इंफाल ईस्ट जिले के सगोलमंग थाना क्षेत्र अंतर्गत केइबी हीकक मापन अवांग लीकाई में हुई, जहां कांगलेपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वॉर ग्रुप) से जुड़े दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। उनकी पहचान संगोमशुम्फाम मुसा अहमद उर्फ इबोबी (40) और मोहम्मद फारूक शाह (25) के रूप में की गयी है। दोनों खोंगमिडोक, इंफाल ईस्ट के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से एक होंडा डियो स्कूटर भी जब्त किया गया। दोनों को आम जनता से जबरन वसूली करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। दूसरी कार्रवाई इरिलबुंग थाना क्षेत्र के तहत केइराओ खुनौ में हुई, जहां पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेपाक (प्रीपाक) के तीन सदस्य पकड़े गए हैं। इनमें से एक 28 वर्षीय लैशराम विशाल मैतेई उर्फ भोजो उर्फ नोंगथोन, जो इंफाल वेस्ट के लम्फेल सना केइथेल का निवासी है।पकड़े गए दो अन्य आरोपित नाबालिग हैं, जिनके खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की गयी है। इसके साथ ही पुलिस ने ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के खिलाफ भी अभियान तेज कर दिया है। 6 जुलाई को कुल 45 चालान काटे गए और 83,500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। एक दिन पहले 16 वाहनों से काली फिल्म हटाई गई थी।

इसरो अध्यक्ष ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात, राज्य के लिए समर्पित उपग्रह की संभावनाओं पर की चर्चा

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एवं भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान राज्य के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों के माध्यम से विकास की नई संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान इसरो अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को रिमोट सेंसिंग क्षेत्र में

अब तक हुई प्रगति और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौसम पूर्वानुमान, वन और हरित क्षेत्र की निगरानी, भूजल प्रोफाइल, मानचित्रण और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर पहले से ही व्यापक कार्य हो चुका है।

मुख्यमंत्री योगी ने राज्य में आकाशीय बिजली से हो रही जनहानि पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सुझाव दिया कि उत्तर प्रदेश के लिए पृथक उपग्रह विकसित किया जाए, जो विशेष रूप से आकाशीय बिजली की पूर्व चेतावनी देने में सक्षम हो।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य में बिजली गिरने की घटनाओं में औसतन 300 लोगों की मृत्यु हुई है। ऐसे में प्रदेश में आपदा जनित जनहानि को रोकने में यह अत्याधुनिक तकनीक प्रभावी सिद्ध हो सकती है। मुख्यमंत्री के अनुरोध पर इसरो अध्यक्ष डॉ. नारायणन ने आश्वस्त किया कि वे इस विषय पर गंभीरता से विचार करेंगे और शीघ्र ही इसका ठोस समाधान निकालने की दिशा में कार्य करेंगे।

बेस्ट है बैंगनी

रंगों से हमारी दुनिया में जुड़ता है सौंदर्य। बात चाहे फैशन की हो या घर के साज-सज्जा की, रंगों का चयन है बेहद महत्वपूर्ण। फैशन विशेषज्ञों की मानें तो इन दिनों हर ओर बिखरा है बैंगनी रंग का जादू। यह रंग लाल और नीले, दो रंगों से मिलकर बना है। जहां लाल रंग से जुड़ी हैं प्यार और गर्मजोशी की भावनाएं, वहीं नीला रंग माना जाता है शीतलता का अहसास देने वाला कूल कलर। इस तरह दोनों के संयोग से बना बैंगनी माना जाता है आदर्श रंग।

मन की शांति और निराशा से मुक्ति चाहिए तो बिखेरें अपने आसपास बैंगनी रंग की छटा। यह रंग राजसी वैभव का प्रतीक है, इसके साथ ही यह प्रतिबिंबित करता है जादू और रहस्य के मिश्रित भावों को। इन दिनों बैंगनी रंग का पहनावा है हॉट फेवरेट। वेस्टर्न हो या पारंपरिक भारतीय परिधान, दोनों में जंचता है बैंगनी रंग। इतना ही नहीं एक्ससरीज के मामले में भी हिट है यह रंग। आजकल बाजार में बैंगनी शेड्स में बैग, फुटवेयर, घड़ी, बेल्ट, चश्मा, हेयर क्लिप इत्यादि की विभिन्न डिजाइन्स मिल जाएंगी। आप चाहें तो बैंगनी रंग के मोबाइल और लैपटॉप कवर भी खरीद सकती हैं। यह रंग देता है हमारी कल्पनाओं को विस्तार और प्रेरणा। यह इसकी डिमांड का ही असर है कि बाजार में बैंगनी रंग में किचेन के सामान, जैसे टीकोस्टर, स्टोरेज कंटेनर्स टी-सेट इत्यादि से लेकर घरेलू उपयोग एवं अन्य साज-सज्जा की वस्तुओं की व्यापक रेंज उपलब्ध है।

यहां बात सिर्फ फैशन की नहीं, बल्कि इसके मायने कहीं ज्यादा हैं। जीवन में संतुलन को आमंत्रण देता है बैंगनी रंग। अब आप ही तय करें कि किस तरह सजाना चाहती हैं इससे अपनी जिंदगी को।

सुंदर नाखून स्वस्थ दांत

1. चमकदार सफेद दांतों के लिए हफ्ते में एक बार एक चुटकी बेकिंग सोडा या नमक से दांतों को साफ करें।
2. दांतों का पीलापन दूर करने के लिए कॉटनवूल को हाइड्रोजन पैराऑक्साइड में भिगोकर दांतों पर मलें।
3. चमकदार दांत पाने के लिए हफ्ते में दो बार अपने दांतों को सूखे तेजपत्ते से हलके हाथों से रगड़े।

4. नाखूनों को मजबूत और चमकदार बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा कैल्शियम और जेलेटिन लें। एक टेबल स्पून जेलेटिन प्रतिदिन एक कप ठंडे दूध में मिलाकर लें। अगर आपको कैलरीज की चिंता हो तो फुल क्रीम मिल्क की जगह स्किम्ड मिल्क लें। यह उपचार लगातार एक महीने तक करे।
5. लंबे और मजबूत नाखून पाने के लिए उनको रोज रात में हलके गर्म बादाम के तेल और नीबू के रस के मिश्रण में भिगोएं। अधिकतम लाभ पाने के लिए उसमें दस से पंद्रह मिनट तक भिगोए रखें। फिर हलका मसाज करके उन्हे टिश्यू पेपर से पोंछ लें और दूसरे दिन सुबह पानी से उनको साफ करे। वही तेल आप हर रोज गर्म करके इस्तेमाल कर सकती है।

बाल है कमाल

बेकनगंज निवासी शहरोज अनवर के बालों की लंबाई उनके शरीर से भी अधिक है। खास बात यह है कि यह किसी कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट का नहीं, नैचुरल **कंडीशनर का है कमाल**

हेयर केयर प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों के लिए वह परफेक्ट मॉडल तो हैं, लेकिन इन कंपनियों के लिए वह बड़ी चुनौती भी पेश करती है। आखिर उनके मुताबिक बालों की यह लंबाई किसी खास तेल से नहीं, बल्कि बचपन से संतुलित आहार और घर पर बने कंडीशनर के कारण मिली है। हम बात कर रहे है बेकनगंज निवासी शहरोज अनवर की, जिनके बाल उनके शरीर से भी लंबे हैं!

कद से लंबे बाल

शहरोज का कद 5 फुट 2 इंच है और उनके बालों की लंबाई है 5 फुट 4 इंच। वह बताती हैं, कद से लंबे बाल होने के कारण इन्हें खुला रखकर सड़क पर नहीं चल सकती। मम्मी इनको खोल कर पार्टी में जाने की परमीशन नहीं देती है। यदि किसी तरह मना भी लूं तो वहां लोग घेरकर इनको छूना शुरू कर देते हैं।

करनी पड़ती है खास केयर

शहरोज अपने बालों की खास देखभाल करती हैं। इसके लिए वह सप्ताह में दो बार नारियल तेल से मालिश करती हैं, प्राकृतिक तरीके से बनाए हुए कंडीशनर से बालों को धोती हैं। वह बताती है, बचपन से मम्मी इनकी देखभाल करती थी। इनको साफ रखना, बांधकर रखना, घर पर चायपत्ती, दही, नींबू आदि से कंडीशनर बनाना, नॉनवेज, ऑयली और जंकफूड से परहेज करना, हालांकि पहले यह सब बुरा लगता था, लेकिन तब मुझे नहीं मालूम था कि इसी कारण मैं लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहूंगी। मम्मी के उस रूटीन को मैं अब भी नियमित रूप से फॉलो करती हू।

चलती फिरती हेयर एक्सपर्ट

एक इंस्टीट्यूट में इंग्लिश की शिक्षिका शहरोज अपने बालों के कारण लोगों के बीच कौतूहल का विषय बनी रहती है। हर कोई उनसे मिलते ही सबसे पहले उनके बाल देखने की ही इच्छा प्रकट करता है। हर कोई लंबे और हेल्दी बालों के टिप्स पूछने लगता है। वह बताती हैं, कहीं घूमने जाओं या फिर पार्टी में लोग पीछे ही पड़ जाते हैं। हर कोई अपने बालों के लिए मुझसे टिप्स मांगने लगता है। कई बार तो क्लास में स्टूडेंट भी पढ़ाई के बीच में बालों पर ही डिस्कस करने लगते हैं।

पापा की अमानत

लंबे बाल रखने का कोई खास कारण? के जवाब में शहरोज बताती है, बचपन में मम्मी बाल काट देती थीं, लेकिन पापा को बड़े बाल पसंद थे। वह मम्मी से तो इनकी केयर करने के लिए कहते ही थे, साथ ही खुद भी इनका बहुत खयाल करते थे। अब वह दुनिया में नहीं हैं, इसलिए मैंने उनकी अमानत के रूप में इन्हें संभाल कर रखा है।

बन जाए रिकॉर्ड

लंबे बालों के लिए किसी रिकार्ड्स बुक में दर्ज होने का इरादा है? पर शहरोज कहती हैं, मुझे इस रिकार्ड के लिए जरूरी लंबाई की जानकारी नहीं है। फिर भी ऐसा कुछ होता है तो मुझे खुशी ही होगी। हाँ, मुझे मॉडलिंग करने का बहुत शौक है। यदि किसी हेयर केयर प्रोडक्ट के लिए विज्ञापन करने का मौका मिले तो मैं जरूर करूंगी!

मां-बाप के तलाक के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थीं अंशुला कपूर

फिल्म निर्माता बोनी कपूर और उनकी पहली पत्नी मोना शौरी की बेटी अंशुला कपूर ने हाल ही में अपने बचपन के बारे में एक हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कुबूल किया कि एक समय उन्हें लगता था कि उनके माता-पिता के अलग होने के लिए वह ही जिम्मेदार थीं। पिंकविला के साथ बातचीत में अंशुला ने बताया कि कैसे एक बच्चे के रूप में, उन्होंने अपने परिवार के टूटने के लिए खुद को दोषी ठहराया।

खुद को अच्छी बेटी नहीं मानती थीं अंशुला

अंशुला ने बताया जब मैं छह साल की थी तब मुझे लगता था कि उनकी जिंदगी बहुत अच्छी चल रही थी। अचानक जब मैं उनकी जिंदगी में आई तो मुझे लगा कि मेरे आने के बाद वह एक साथ नहीं रह सकते। मुझे लगा कि मैं शायद अच्छी बेटी नहीं हूं। मुझे लगता है कि यह बात जान्हवी कपूर के जन्म के बाद और ज्यादा साफ हो गई। मुझे पता है कि यह अजीब है क्योंकि मुझे लगा कि शायद मेरे साथ कुछ दिक्कत है।

बचपन में पड़ा बुरा प्रभाव

हालांकि अंशुला के माता-पिता ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनका तलाक उनकी गलती नहीं थी, लेकिन अंशुला कपूर ने बताया कि बचपन में इस बात से निकलना मुश्किल था। उन्होंने कहा मैं अब इस पर यकीन नहीं करती। लेकिन मैं उस वक्त एक बच्ची थी। मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रही थी कि क्या गलत हुआ और सोच रही थी कि शायद मैं ही गलत थी। आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि किसी पर मनोवैज्ञानिक तौर से क्या प्रभाव पड़ता है।

माता पिता की शादी

आपको बता दें बोनी कपूर ने 1983 में मोना शौरी से शादी की और उनके दो बच्चे अर्जुन और अंशुला कपूर हैं। 1996 में वे अलग हो गए और उसी साल बोनी ने अभिनेत्री श्रीदेवी से शादी कर ली। 1997 में जान्हवी कपूर का जन्म हुआ, उसके बाद खुशी कपूर का जन्म हुआ।

हर्षाली मल्होत्रा का साउथ सिनेमा में डेब्यू

अखंडा 2 में नजर आएंगी

सलमान खान की बजरंगी भाईजान की मुन्नी बनकर हर किसी के दिल में बसीं हर्षाली मल्होत्रा अब साउथ सिनेमा में अपना जलवा दिखाएंगी। वह नंदमुरी बालकृष्ण के साथ फिल्म अखंडा 2 में नजर आएंगी। फिल्म से हर्षाली मल्होत्रा का फर्स्ट लुक भी रिलीज किया गया है, जो चर्चा में छाया है। अखंडा 2 में हर्षाली मल्होत्रा जननी का किरदार निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। अखंडा 2 से हर्षाली मल्होत्रा का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, उसमें वह पीले रंग का लहंगा पहने नजर आ रही हैं। जूलरी पहनी है और बाल हवा में लहरा रहे हैं। हर्षाली इस लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

हर्षाली मल्होत्रा के फैंस झूमे

हर्षाली मल्होत्रा की फिल्म के ऐलान से फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है और उन्हें अखंडा 2 का बेसब्री से इंतजार है। एक फैन ने ट्वीट किया है, मुन्नी इज बैक। हर्षाली मल्होत्रा जिसने बजरंगी भाईजान में सबका दिल जीता, अब अखंडा 2 में नजर आएगी। एक ने लिखा, लंबे समय बाद हर्षाली वापस लौट रही है। मैं मुन्नी को देखने के लिए एक्साइटेड हूं।

हर्षाली करेंगी बालाकृष्ण की बेटी का रोल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अखंडा 2 में हर्षाली मल्होत्रा, नंदमुरी बालकृष्ण की बेटी के रोल में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2021 में आई इसी नाम की फिल्म का सीक्वल है। इस एक्शन-ड्रामा में प्रज्ञा जायसवाल, नवीना रेड्डी और नितिन मेहता जैसे एक्टर्स नजर आए थे। अखंडा साल 2021 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली तेलुगू फिल्म थी। इसने वर्ल्डवाइड 121-150 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। उम्मीद है कि अखंडा 2 भी वैसा ही कमाल दिखाएगी।

अब विक्रांत ने किया दीपिका का समर्थन

बोले- वो इसकी हकदार

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे काम करने की मांग के बाद इंडस्ट्री में एक बहस छिड़ गई है। दीपिका ने अपनी इसी शर्त के चलते संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' फिल्म भी छोड़ दी थी। इसके बाद इंडस्ट्री के कई लोगों ने दीपिका का समर्थन भी किया था। अब इसी लिस्ट में एक और नाम भी जुड़ गया है। अभिनेता विक्रांत मैसी ने भी दीपिका के आठ घंटे काम करने की मांग का समर्थन किया है।

ये एक ऑप्शन होना चाहिए

बातचीत के दौरान विक्रांत ने दीपिका का समर्थन करते हुए कहा कि वह भी कुछ साल में ऐसा ही करना चाहते हैं। एक्टर ने कहा, मैं बहुत जल्द ऐसा कुछ करने की इच्छा रखता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि हम सहयोग कर सकते हैं, लेकिन मैं केवल आठ घंटे काम करूंगा। लेकिन साथ ही यह एक ऑप्शन होना चाहिए कि अगर मेरा प्रोड्यूसर इसे स्वीकार नहीं कर सकता। क्योंकि जब आप फिल्म बना रहे होते हैं तो इसमें बहुत सी और चीजें भी शामिल होती हैं।

अपनी फीस कम करने को तैयार विक्रांत

अभिनेता ने आगे कहा कि वो आठ घंटे काम करने के बदले अपनी फीस कम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पैसा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मुझे अपनी फीस कम करनी होगी क्योंकि मैं बारह घंटे के बजाय आठ घंटे काम करूंगा। अगर मैं अपने प्रोड्यूसर को दिन में बारह घंटे नहीं दे सकता, तो मैं वहां जाकर अपनी फीस कम नहीं कर सकता। मुझे अपनी फीस कम करनी चाहिए। यह एक लेन-देन वाली बात है। दीपिका का समर्थन करते हुए विक्रांत ने कहा कि दीपिका हाल ही में मां बनी हैं, इसलिए मुझे लगता है कि वह इसकी हकदार हैं।

'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आएंगे विक्रांत

विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ शनाया कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी, जो इस फिल्म से अपना डेब्यू कर रही हैं। संतोष सिंह द्वारा निर्देशित यह फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सबक था द ट्रेटर्स

हमेशा चर्चा में रहने वाला रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' खत्म हो चुका है और फिनाले में उर्फी जावेद ने अपनी शानदार गेम से सबका दिल जीतते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। जीत के बाद उर्फी ने सोशल मीडिया पर अपनी बिग बॉस से लेकर द ट्रेटर्स तक की जर्नी को याद किया। उर्फी ने लिखा – बिग बॉस से निकलने के बाद द ट्रेटर्स जीतना, ये सफर आसान नहीं था। कई बार रोई, कई बार लगा अब नहीं होगा, लेकिन मैंने कभी रुकना नहीं सीखा। लोग क्या कहेंगे, ये कभी नहीं सोचा। उन्होंने आगे लिखा बिग बॉस के बाद लगा था अब कुछ अच्छा नहीं होगा। लेकिन मैंने खुद पर भरोसा रखा। लोग हमेशा शक करते रहे, आज भी करते हैं, लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। मैंने तीन ट्रेटर्स को बाहर किया, ये सिर्फ किस्मत नहीं थी, ये मेरी स्ट्रैटेजी थी। आखिरी पल तक डटी रही। द ट्रेटर्स में उर्फी जावेद ने अपने बेबाक अंदाज़ और आत्मविश्वास से सबका दिल जीत लिया। उन्होंने ये गेम अपने तरीके से खेला और अपनी मेहनत से जीत हासिल की।

एक्टिंग करना आज भी मेरे लिए चुनौतीपूर्ण

लोकप्रिय टीवी शो भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के किरदार से मशहूर अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया है कि कई सालों तक कैमरे के सामने काम करने के बाद भी, उनके लिए एक्टिंग करना अभी भी एक चुनौती जैसा लगता है। शुभांगी अत्रे ने कहा कि हर नया किरदार उनके लिए नई चुनौतियां और सीख लेकर आता है, जिससे अभिनय जितना दिलचस्प लगने लगता है, उतना ही मुश्किल वाला एहसास भी देता है। उन्होंने कहा, मुझे संघर्ष शब्द थोड़ा नेगेटिव लगता है, लेकिन अभिनय में हर समय हम आगे बढ़ते रहते हैं। कई साल काम करने के बाद भी कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। यह सफर कभी खत्म नहीं होता, बल्कि समय के साथ और भी खास बनता जाता है। मुझे एक्टिंग कभी आसान नहीं लगती क्योंकि हर किरदार के अपने अलग भाव होते हैं। आप किसी और की जिंदगी में कदम रखते हो, और इसके लिए बहुत ईमानदारी और मेहनत करनी पड़ती है। लंबे शूटिंग और थकावट की स्थिति में वह खुद को किस तरह प्रेरित करती हैं, इस पर शुभांगी ने कहा, मैं खुद को याद दिलाती रहती हूं कि मैंने यह काम क्यों शुरू किया था। मुझे सच में अपने काम से बहुत प्यार है और जब दिन मुश्किल होते हैं, तो मैं छोटी-छोटी अच्छी बातों में खुशी ढूंढ़ती हूं, जैसे कोई जबरदस्त डायलॉग या बेहतरीन सीन। यही चीजें मुझे आगे बढ़ने में मदद करती हैं। शुभांगी ने सोशल मीडिया और फीडबैक के बारे में बात करते हुए कहा कि आजकल की भागदौड़ वाली दुनिया में दर्शकों की प्रतिक्रिया कभी-कभी प्रेरित करती है और कभी-कभी ज्यादा दबाव भी बना देती है। उन्होंने कहा, दर्शकों का प्यार ऐसा होता है जैसे फ्यूल, जो आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि इस दबाव में न आऊं। मैं जो भी किरदार निभाती हूं, पूरी ईमानदारी से करती हूं, ताकि कहानी में वास्तविकता बनी रहे।

शुभांगी अत्रे ने टीवी पर कहानी कहने के बदलते तरीके पर भी अपनी बात बताई। उन्होंने कहा कि आजकल के ज्यादातर टीवी शो असल जिंदगी से प्रेरित हैं, जिससे कलाकारों को ज्यादा गहराई वाले किरदार निभाने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा, टीवी पर कहानी कहने का बदलाव कलाकारों के लिए एक नया अध्याय जैसा है। अब किरदार जटिल और असली होते हैं। मुझे अच्छा लगता है जब मैं किसी भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखा पाती हूं। यह सब नया और बहुत मजेदार होता है।

अगस्त में शुरू होगा सिद्धार्थ की वन... का दूसरा शूटिंग शेड्यूल

डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा, जिन्होंने हाल ही में पंचायत 4 से बड़ी सफलता हासिल की है, अब अपनी पहली फीचर फिल्म वन पर काम कर रहे हैं। यह एक लोक-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर मिलकर कर रहे हैं, जो इन दोनों दिग्गज प्रोडक्शन हाउस का पहला साझा प्रोजेक्ट है। इस फिल्म की कहानी भारतीय लोक कथाओं और जंगलों की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है, जिसे रियलिस्टिक दिखाने के लिए मध्य भारत के असली जंगलों में शूट किया जा रहा है। फिल्म का पहला शेड्यूल 9 जून से शुरू हुआ और सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। दूसरा शेड्यूल अगस्त में शुरू होगा। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि सिद्धार्थ और तमन्ना अपनी इस आगामी फिल्म में पहली बार साथ नजर आएंगे, वहीं दीपक की भी यह इन दोनों कलाकारों के साथ पहली ही फिल्म है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धार्थ पिछली बार एक्शन थ्रिलर फिल्म योद्धा में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन सागर अम्बे और पुष्कर ओझा ने किया था। फिल्म में सिद्धार्थ के अलावा तमन्ना भाटिया भी लीड रोल में नजर आएंगी।

'ऐसी एक्शन फिल्म करनी थी जिसमें कहानी अहम हो'

हाल ही में राजकुमार राव अपनी फिल्म 'मालिक' के प्रमोशन के लिए लखनऊ पहुंचे। फिल्म 'मालिक' में क्या खास बात लगी? इस फिल्म के किरदार के लिए क्या तैयारियां कीं? और अपने करियर में अब तक निभाए गए किरदारों पर क्या कहना है राजकुमार राव का? जानिए।

एक्शन जॉनर में देरी से आने की वजह

'मालिक' राजकुमार राव के करियर की पहली फिल्म होगी, जिसमें वह पूरी तरह से एक्शन अंदाज में नजर आ रहे हैं। मगर इस जॉनर में आने के लिए इतनी देरी क्यों हुई? यह सवाल पूछने पर राजकुमार राव कहते हैं, 'मुझे पहले भी एक्शन स्टोरी ऑफर हुईं, मगर उन कहानियों में कहानी मौजूद नहीं थी, बस एक्शन था। लेकिन मुझे ऐसी एक्शन फिल्म करनी थी, जिसमें कहानी अहम हो। जब पुल्कित ने मुझे 'मालिक' की कहानी सुनाई तो अच्छी लगी, इसमें कहानी है, एक्शन है और कमाल के डायलॉग भी हैं। इस फिल्म की कहानी मेरे दिल को छू गई।'

करियर कभी प्लान नहीं किया था

राजकुमार राव के करियर ग्राफ पर अगर नजर डालें तो वह अलग-अलग जॉनर में रंग जमा चुके हैं। उन्होंने 'सिटी लाइट्स' से लेकर 'स्त्री' फिल्म तक में अभिनय के अलग रंग दिखाए। क्या राजकुमार ने अपना करियर इसी तरह से प्लान किया था? इस सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं अपना करियर प्लान करके नहीं आया था। मगर यह सब अपने आप होता गया। पहले 'ट्रैप', 'न्यूटन', 'शाहिद', 'एलएसडी' जैसी फिल्में कीं, इसके बाद 'बरेली की बर्फी' और 'स्त्री' और 'भूल चूक माफ' जैसी फिल्में कीं। अब 'मालिक' में एक्शन कर रहा हूं। यह सभी अलग-अलग जॉनर की फिल्में थीं। मेरा मकसद बस एक्साइटिंग कहानियां का हिस्सा बनना है। ऐसी कहानियों की तलाश है, जो मुझे बतौर एक्टर चैलेंज करें, संतुष्टि दें।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'मालिक'

फिल्म 'मालिक' को पुल्कित ने निर्देशित किया है। इस डायरेक्टर के साथ पहले भी राजकुमार राव 'बोस डेड/अलाइव' कर चुके हैं। राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' 11 जुलाई को रिलीज होगी।

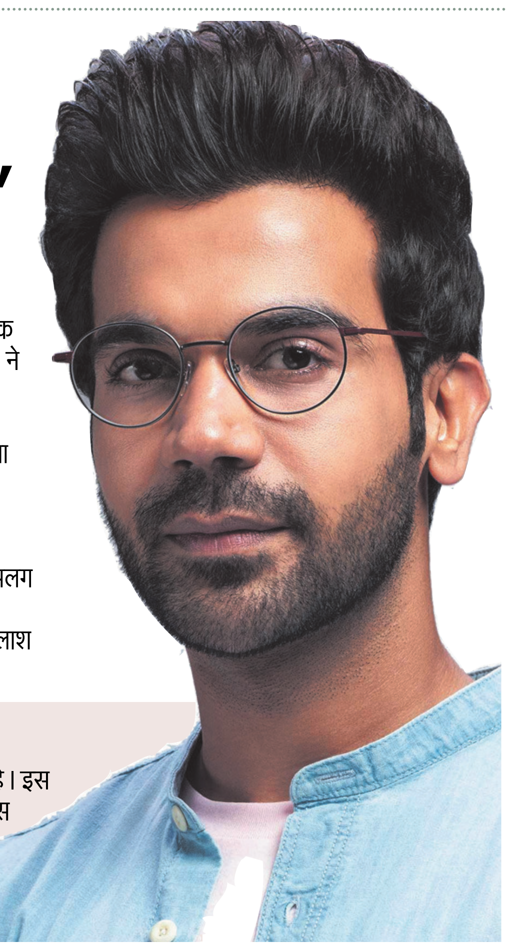

आरसीबी ने सीएसके और एमआई को पछाड़ा, आईपीएल ब्रांड वैल्यू में बनी नंबर-1 टीम

मुंबई (एजेंसी)। 17 साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल 2025 में आरसीबी ने आखिरकार अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी उठाई। उनकी इस ऐतिहासिक जीत के साथ उनको मैदान के बाहर भी जीत दर्ज हुई है। आरसीबी आईपीएल के वित्तीय परिदृश्य में एक मील का पत्थर साबित हुई है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स को पछाड़ते हुए लीग की सबसे वैल्यूएबल फ्रेंचाइजी बन गई है। इस कामयाबी के बाद चेन्नई सुपर किंग्स का वैल्यूएशन चार्ट में टॉप पर रहने की बादशाहत खत्म हो गई है।

वैश्विक निवेश बैंक हाउलिहान लोकी की एक रिपोर्ट्के अनुसार, आईपीएल का मूल्यांकन 12.9 प्रतिशतक बढ‌कर 18.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक साल में आईपीएल का स्टैंड-अलोन ब्रांड मूल्य 13.8 प्रतिसथ बढ़कर 3.9 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में आईपीएल के बढ़ते आकर्षण को भी बताया गया है। बीसीसीआई की चार सहयोगी प्रायोजक स्लॉट- माय11 सर्किल, एंजेल वन, रुपे और सीएट की ब्रिकी से 1,485 करोड़ रुपये की कमाई हुई, जो पिछले चक्र से 25 प्रतिसत ज्यादा है। दूसरी ओर, टूर्नामेंट ने 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर के पांच साल के सौदे में टाटा समूह के साथ 2028 तक अपनी टाइटल-प्रायोजन प्रतिबद्धता को भी बढ़ाया।

आईपीएल फ्रेंचाइजी की बात करें तो 2025 की चैंपियन आरसीबी ने 269 मिलियन अमरीकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ टॉप पर काबिज है। जो पिछले साल 227 मिलियन अमरीकी डॉलर से ज्यादा है। दूसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस 2024 में 204 मिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर इस साल 242 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गई। हालांकि, चेन्नई सुपर किंग्स 235 मिलियन अमरीकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गई।

वोक्स का सर्वश्रेष्ठ बीत चुका है, क्रॉली में सीखने की क्षमता नहीं, दूसरे टेस्ट में हार के बाद भड़के पूर्व कप्तान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने क्रिस वोक्स और जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के पहले दो मैच में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ समय भी चुका है जबकि सलामी बल्लेबाज में अपनी गलतियों से सीखने की क्षमता नहीं है। वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है। बॉयकॉट ने अपने कॉलम में लिखा, 'जब खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ समय बीत जाता है तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता और ऐसे खिलाड़ियों को टीम में रखने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। क्रिस वोक्स को देखिए। उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी गति कम होती जा रही है, जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं। वह विदेश में कभी भी विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं रहे हैं, जहां उनका रिकॉर्ड खराब है। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और जब बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उनसे रन बनाने की उम्मीद की जाती है लेकिन उनका मुख्य कौशल गेंदबाजी है और उनका काम विकेट लेना है।' क्रॉली के मामले में बॉयकॉट ने कहा कि यह सलामी बल्लेबाज इससे बेहतर नहीं हो सकता। क्रॉली ने भारत के खिलाफ अब तक चार पारियों में एक अर्धशतक लगाया है। बॉयकॉट ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वह बदल सकते हैं या बेहतर हो सकते हैं। बल्लेबाजी दिमाग में होती है और दिमाग ही तय करता है कि आप बल्लेबाजी कैसे करेंगे, आप कौन से शॉट खेलने की कोशिश करेंगे, कौन सी गेंदें छोड़ेंगे। तकनीक और सोच में उनकी खामियां गहरी हैं।'

आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर दीप्ति शर्मा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से अपने करियर में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं। दीप्ति पिछले छह वर्षों में अधिकतर समय टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में रही हैं, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह कभी नंबर एक गेंदबाज नहीं बन पाई।

टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के नए अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दाएं हाथ की यह गेंदबाज अब रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे है। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के तीसरे मैच में तीन विकेट लेने के बाद अपनी नवीनतम रैंकिंग में सुधार किया है और यह ऑफ स्पिनर अंतिम दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी से शीर्ष स्थान हासिल कर सकती है।

भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के हालिया मैच में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर टी20 गेंदबाजों की सूची में 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजों में जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने ब्रिस्टल में श्रृंखला के दूसरे मैच में अर्धशतक जमाया था।

भारत को लॉर्ड्स में तेजी और उछाल से मात देना चाहता है इंग्लैंड

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने इस सप्ताह लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए तेज और उछाल भरी 'जीवंत पिच' की मांग की है। इस मैच में जॉफ्रा आर्चर और गस ऐटकिंसन की वापसी हो सकती है। इसके साथ ही वे भारत से एजबस्टन में मिली 336 रन की बुरी हार से भी उबरना चाहते हैं।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि एजबस्टन में तैयार की गई 'उपमहाद्वीप जैसी' पिच और टॉस पर गेंदबाजी चुनने का इंग्लैंड का फैसला भारत के पक्ष में गया। वे गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में घरेलू हालात का बेहतर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वे अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने पर भी विचार कर रहे हैं क्योंकि इन गेंदबाजों को पिछले दो टेस्ट के दौरान मैदान पर काफी मेहनत करनी पड़ी है।

पिछले महीने लॉर्ड्स में हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान तेज गेंदबाजों का दबदबा दिखा था, जहां पैट कमिंस और कैगिसो रबाडा को अच्छी सीम मूवमेंट मिली थी। मैकुलम ने भी ऐसी ही पिच की मांग की है, जिसमें थोड़ी रफ्तार, उछाल और मूवमेंट हो। उन्होंने कहा, 'यह मैच शानदार होगा, लेकिन अगर पिच में जान रही तो यह और भी जबरदस्त होगा।'

2018 में लॉर्ड्स की हरियाली भरी पिच पर भारत बुरी तरह फंस गया था, लेकिन चार साल पहले टीम ने यहां पर एक रोमांचक टेस्ट मैच भी जीता था। भारत बर्मिंघम में आराम दिए गए जसप्रीत बुमराह की वापसी का इंतजार कर रहा है। वह भी एक अलग तरह की पिच की उम्मीद कर रहा है। उनके कप्तान शुभमन गिल ने कहा, 'देखते हैं लॉर्ड्स में हमें कैसी पिच मिलती है। मेरा अंदाजा है कि यह सपाट नहीं होगी।'

आर्चर ने दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड के साथ अभ्यास किया था और पूरी तरह से गेंदबाजी भी की थी। वह पिछले महीने ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे और धीरे-धीरे अपना वर्कलोड बढ़ा रहे हैं। कोहनी और पीठ की चोटों के चलते वह फरवरी 2021 से टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं। मैकुलम ने इशारा दिया है कि वह वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'वह (आर्चर) चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। हमारे तेज गेंदबाज लगातार दो टेस्ट खेल चुके हैं और अब हमें मुख्य मैदान पर जाना है। हम इस मैच के बाद हम स्थिति का आकलन करेंगे। वहीं जोफ्रा फिट हैं, मज़बूत हैं, खेलने के लिए तैयार हैं और वह चयन के दायरे में होंगे।'

मैकुलम ने कहा, 'यह हमारे लिए एक उत्साहजनक खबर है। वह टीम के साथ रहकर काफी खुश हैं और उनका टीम के साथ होना शानदार है। उन्होंने काफी चोटें झेली हैं और लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे हैं। लेकिन हम सभी जानते हैं कि वह टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि उन्हें जो भी अवसर मिलेगा, वह उसमें बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।'

क्या आईसीसी वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप में पीसीबी को जगह मिलेगी?

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की योजना विश्व की लोकप्रिय टी20 क्रिकेट लीग की टीमों के बीच वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप का आयोजन करना है। इसमें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को शायद ही शामिल किया जाये। इसका कारण ये है कि इस इवेंट के लिए हुई बैठक में पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपना प्रतिनिधि नहीं भेजा था जबकि उसे आमंत्रण दिया गया था जिसके बाद से ही आईसीसी उससे नाराज है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा आयोजन इस बैठक में प्रमुख टी20 फ्रेंचाइजी-आधारित लीगों के सीईओ शामिल हुए थे। इस , 卐बैठक में प्रस्तावित वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप, इसकी विंडो, फॉर्मेट, शेड्यूल आदि पर बात हुई थी। इसमें एमिरेट्स लीग, बिग बैश लीग, द हंड्रेड, एस20, एलएलसी, कैरेबियन प्रीमियर लीग आदि के सीईओ शामिल हुए थे। शुरुआत में वर्ल्ड क्लब्स इवेंट में पांच टीमें होंगी हालांकि इसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कोई टीम भाग नहीं लेगी पर उसे पीएसएल का समर्थन रहेगा। वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है जिससे कि प्रस्तावित सऊदी क्रिकेट लीग का मुकाबला किया जा सके। सऊदी लीग को 400 मिलियन डॉलर की के साथ निजी निवेशक शुरु करने का प्रयास कर रहे हैं। वे हर साल टेनिस ग्रैंड स्लैम इवेंट्स की तर्ज पर अपनी लीग को आयोजित करना चाहते है।

क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ीं, शारीरिक शोषण मामले में एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद । ऑयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने वाले क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यश पर शादी का वादा कर धोखाधड़ी करने के साथ ही मानसिक और शारीरिक शोषण आरोप में एफआईआर दर्ज की गयी है। यह एफआईआर कराने वाली पीड़िता का आरोप है कि यश ने शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया है। इस युवती ने यश के खिलाफ पिछले दिनों ऑनलाइन शिकायत की थी। वहीं यश दयाल के परिवार ने इसे साजिश बताया था। अब इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है। यश के खिलाफ इंदिरापुरम थाने में बीएनएस की धारा 69 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह गैरजमानती धारा है। वहीं अगर यश दयाल दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें 10 साल तक की सजा हो सकती है. पीड़ित युवती के अनुसार वह पांच साल पहले सोशल मीडिया के जरिए यश दयाल के संपर्क में आई थी। शुरुआती दोस्ती बाद में प्रेम में बदल गई। तब यश दयाल ने शादी का भरोसा दिलाया और दोनो लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे। इस दौरान यश उसे कई जगहों पर ले गये जिसके सबूत भी पीड़िता ने पुलिस को सौंपे हैं।

जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज मातिगिमु पर खतरनाक खेल के लिए जुर्माना लगा, डिमेरिट अंक भी मिला

बुलावायो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज कुंदई मातिगिमु पर यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन 'अनुचित और खतरनाक' तरीके से गेंद फेंकने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया। यह घटना दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 72वें ओवर के दौरान हुई जब मातिगिमु ने गेंदबाजी करने के बाद वापसी आई गेंद को रोका और बल्लेबाज लुआन डि प्रीटोरियस की ओर फेंका जो उनकी कलाई पर लगी।

मातिगिमु ने खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के नियम 2.9 का उल्लंघन किया। आईसीसी ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि यह 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास अनुचित और/या खतरनाक तरीके से गेंद (या क्रिकेट उपकरण का कोई अन्य सामान) फेंकने' से संबंधित है। इस तेज गेंदबाज ने अपराध और मैच रेफरी रंजन मदुगले द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया जिससे औपचारिक सुनवाई नहीं हुई।

यह 24 महीने की अवधि में जिम्बाब्वे के इस तेज गेंदबाज का पहला अपराध था। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन की बदौलत पहली पारी पांच विकेट पर 626 रन बनाकर घोषित की। जिम्बाब्वे को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा और उस पर पारी की हार का खतरा मंडरा रहा है।

सीसीएल चैंपियंस 'पंजाब दे शेर' को पंजाब के राज्यपाल ने किया सम्मानित

चंडीगढ़ । फिलमी सितारों और कॉर्पोरेट उत्कृष्टता का शानदार संगम देखने को मिला जब सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग (सी.सी.एल.) सीजन-11 की विजेता टीम 'पंजाब दे शेर' को पंजाब एंजेल्स नेटवर्क द्वारा आयोजित भव्य समारोह 'ए नाइट विद द चैंपियंस' में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया थे। इस कार्यक्रम में राज्य की प्रतिष्ठित हस्तियों जिनमें वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उद्योगपति, प्रसिद्ध कलाकार और खेल प्रेमी शामिल हुए। फिलमी सितारों से सजी शाम कार्यक्रम में टीम के मालिक पुनीत सिंह, नवराज हंस और करन गिल्होत्रा, हंसराज हंस और जस्पिंदर नरूला और कई लोकप्रिय सितारे जैसे अपारशक्ति खुराना, ऐमी विर्क, बिन्नू ढिल्लों, हार्डी संधू, मीट ब्रदर्स के मनमीत सिंह, सुय्यश राय, अनुज खुराना, राहुल जेटली, मयूर मेहता, बलराज सयाल, गवी चहल, दक्ष, गुलजार, निंजा, जस्सी गिल, बबल राय, युवराज हंस सहित अन्य कई जाने-माने चेहरों ने भाग लिया। 'पंजाब दे शेर' की विजयी कहानी पंजाब दे शेर ने फाइनल मुकाबले में चेन्नई राइनोज़ को 8 विकेट से हराकर सी. सी. एल. 11 का खिताब जीता। टीम के कप्तान हार्डी संधू के नेतृत्व में पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने विजेता टीम को बधाई दी। इस मौके पुनीत सिंह, टीम मालिक ने कहा कि यह जीत केवल टीम की नहीं, बल्कि उन सभी प्रशंसकों की है जिन्होंने हर मैच में हमारा हौसला बढ़ाया।

सौरव गांगुली के जन्मदिन पर बीसीसीआई ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली मंगलवार को 53 साल के हो गए हैं। इस मौके पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने पूर्व अध्यक्ष को बधाई देते हुए उनके आंकड़ों पर प्रकाश डाला है। बीसीसीआई ने 'एक्स' पर लिखा, '424 अंतरराष्ट्रीय मैच, 18,575 अंतरराष्ट्रीय रन, 38 अंतरराष्ट्रीय शतक। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' इसका जवाब देते हुए सौरव गांगुली ने लिखा,

'धन्यवाद बीसीसीआई। दुनिया का सबसे बेहतरीन खेल संगठन।' साल 1992 के 'बेन्सन एंड हेजेस वर्ल्ड सीरीज' में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय मैच में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने के बाद, गांगुली ने 16 वर्षों तक देश की सेवा की। बीसीसीआई ने सौरव गांगुली से जुड़े जिन आंकड़ों को साझा किया है, वह बेहद खास हैं। आइए, इसे विस्तार से समझते हैं। सौरव गांगुली ने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले। गांगुली को भारत के सबसे महान कप्तान और बाएं हाथ के बल्लेबाजों में गिना जाता है, खासकर वनडे में उनका रिकॉर्ड शानदार है। जनवरी 1992 में वनडे करियर की शुरुआत करने वाले गांगुली ने 300 पारियों में 41.02 की औसत के साथ 11,363 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 22 शतक और 72 अर्धशतक आए। इस फॉर्मेट में 'दादा' का सर्वोच्च स्कोर 183 रन है। वनडे करियर की शुरुआत के करीब चार साल बाद गांगुली को टेस्ट में भी डेब्यू का मौका मिला। उन्होंने इस फॉर्मेट में 188 पारियां खेलीं, जिसमें 42.17 की औसत के साथ 7,212 रन जड़े। इस दौरान 16 शतक और 35 अर्धशतक देखने को मिले।

पिता और भाई की मौत से टूट गए थे आकाश दीप, बड़ी बहन के योगदान ने बनाया मैच विजेता क्रिकेटर

कोलकाता (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच के भारतीय नायक आकाश दीप के क्रिकेटर बनने में उनकी बहन अखंड ज्योति का बड़ा योगदान रहा है जो खुद अब कोलोन कैंसर के तीसरे चरण से जूझ रही हैं। आकाश दीप ने 2015 में छह महीने के अंतराल में अपने पिता रामजी सिंह और अपने सबसे बड़े भाई को खो दिया था तब उनके क्रिकेट करियर पर संकट छा गया था। निराशा के उस क्षण में अखंड ज्योति ने अपने सबसे छोटे भाई के सपने को पूरा करने के लिए लगातार प्रेरित किया। उस समय उनकी बहन ने कहा था, 'इसी फील्ड (क्षेत्र) में आगे बढ़ो।'

इस वाक्ये के कई साल के बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट लेकर भारत की ऐतिहासिक जीत की नींव रखी। इस तेज गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन को मैच के बाद भावुक होकर अपनी बहन को समर्पित किया। आकाश दीप ने मैच की पहली पारी में 88 रन देकर चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 99 रन देकर छह विकेट लेकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनके इस प्रदर्शन से भारत ने 336 रन की जीत के साथ पांच मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया।

आकाश दीप के इस प्रदर्शन के पीछे एक भावुक कहानी छिपी है। अखंड ज्योति 14 मई को कोलन कैंसर की सर्जरी करवाने के बाद अब कीमोथेरेपी पर हैं। ज्योति के पति नितेश कुमार सिंह सेना से रिटायर हैं और अब बैंक में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया, 'यह पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है। पिता की मृत्यु के बाद आकाश दिल्ली में क्लब क्रिकेट खेल रहे थे लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिल रही थी।' यह ज्योति ही थीं जिन्होंने उनसे कहा, 'इसे गंभीरता से लो। अगर जरूरत पड़े तो कहीं और जाओ और इस सपने को पूरा करो।'

उन्होंने कहा, 'वह 2017 में कोलकाता चले गए और फिर बंगाल अंडर-23 के लिए चुने गए। उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।' यहीं से उनकी जिंदगी शुरू हुई। परिवार ने आर्थिक तंगी के बावजूद कभी आकाश दीप पर भरोसा करना कम नहीं किया। ज्योति आकाश दीप से 10 साल बड़ी है। पिता तथा भाई की मौत के बाद आकाश का अपनी बहन के साथ रिश्ता और भी गहरा हो गया। नितेश ने कहा, 'वे सब कुछ साझा करते हैं। बात चाहे कोई फैसला लेने की हो, चुटकुले हो या ताने मारना हो। वे हमेशा एक-दूसरे को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।'

कीमोथेरेपी के दौरान भी अखंड ज्योति ने सुनिश्चित किया कि उसका भाई खेल पर ध्यान केंद्रित रखे। इंग्लैंड दौरे से पहले परिवार आकाश को छोड़ने के लिए हवाई अड्डे गया जहां उसकी बहन ने उससे कहा कि वह उसके स्वास्थ्य के बारे में चिंता न करे और देश के लिए अच्छा खेलने पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने बताया कि वह हर दिन अपने भाई से बात करती है। सिंह ने कहा, 'मैच खत्म होने के तुरंत बाद आकाश दीप का फोन आया और उन्होंने उससे वीडियो कॉल पर बात की। हम कल रात लगभग दो बजे सोए।' नितेश ने कहा कि जब भी आकाश विकेट लेता है तो ज्योति को बहुत खुशी होती है और परिवार इतनी जोर से ताली बजाता है और खुशी मनाता है कि उनके पड़ोसी भी पूछते हैं कि क्या हुआ है।

आकाश दीप ने अपनी बहन के साथ अपने पैतृक गांव और जिले को भी खुशी मनाने का मौका दिया। उन्होंने अपने चचेरे भाई बैभव कुमार के साथ सासाराम में आकाश बैभव क्रिकेट अकादमी की स्थापना की। इस अकादमी में अभी 200 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण लेते है। बैभव ने कहा, 'इतने सारे संघर्षों को देखने के बाद आकाश हमेशा समाज को कुछ वापस देना चाहता था। हमारी अकादमी में सभी सुविधाएं (बॉलिंग मशीन, फ्लडलाइट्स, नेट) हैं। हम बहुत कम कीमत पर यह सुविधाएं मुहैया कराते है ताकि मध्यम और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चों को भी अपने सपने को साकार करने का मौका मिले।' उनके गांव बद्दी में मैच के बाद से जश्न जारी है। बैभव ने कहा, 'हम नाच रहे हैं, मिठाइयां बांट रहे हैं। यह यहां बहुत से लोगों को प्रेरित करेगा।'

विराट की तरह ही हैं शुभमन के आंकड़े

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की तुलना पदार्पण के बाद से ही अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से होती रही है। प्रशंसकों का मानना है कि वह विराट जैसे बल्लेबाज हैं। शुभमन ने इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैचों में शतक लगाये हैं। पहली बार इंग्लैंड में सीरीज खेल रहे गिल इस समय कोहली की तरह ही प्रदर्शन करते दिख रहे हैं। शुभमन ने अब तक 139 अंतरराष्ट्रीय पारियां खेली हैं जिसमें उनके आंकडे विराट के आसपास हैं। 25 साल के शुभमन ने 139 इंटरनेशनल पारियों के बाद 5831 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 47.02 रन रहा है। उन्होंने 17 शतक लगाये हैं। वहीं कोहली ने अपनी शुरुआती 139 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 45.98 के औसत से 17 शतक के साथ ही 5610 रन बनाए थे। इससे अंदाजा होता है कि दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा है। रनों के मामले में शुभमन का आंकड़ा कोहली से कही बेहतर है जबकि दोनों के शतक बराबर हैं। बल्लेबाजी औसत में भी इनमें ज्यादा अंतर नहीं है। शुभमन ने टेस्ट में 63 पारी खेली हैं जबकि एकदिवसीय में 55 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 पारी उनके नाम हैं। विराट ने अपने लंबे करियर में कई उतार चढ़ा देखे हैं। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से कई बार टीम इंडिया को बड़ी जीत दिलाई थी। .विराट को एक आत्रामक कप्तान के रूप में जाना जाता है। वहीं दूसरे टेस्ट में शुभमन के दोहरे शतक के बाद कोहली ने उनकी जमकर तारीफ की थी। इससे माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में शुभमन भी विराट की तरह ही जीत दिलाएंगे। शुभमन गिल अपनी कप्तानी में इंग्लैंड में शानदार बल्लेबाजी के साथ साथ विश्व रिकॉर्ड बना रहे हैं।